THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

**वर्ष-27 अंक :** 293 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष पूर्णिमा 2079 शुक्रवार, 6 जनवरी 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

आपका अपना ट्रस्ट

## अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट

की ओर से

'अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट'

को उप्पल क्षेत्र में 3 एकड़ भूमि प्रदान करने पर तेलंगाना राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेलंगाना के जनप्रिय मुख्य मंत्री

## श्री के. चन्द्रशेखर राव जी

का

## हार्दिक आभार एवं अभिनन्दन

तेलंगाना सरकार द्वारा प्रदान की गई 3 एकड़ भूमि पर 1,50,000 वर्ग फीट का विशाल पाँच मंजिला भव्य भवन निर्माण हेतु

**बुधवार दि. 25 जनवरी 2023 को प्रातः 11:01 बजे**

## भूमि पूजन

**सभी अग्रबंधुओं से सविनय निवेदन है कि भूमि पूजन के शुभ अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पधारकर सामाजिक एकता का परिचय दे एवं कार्यक्रम की शोभा बढावें ।**

### विशेष बैठक

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के आजीवन सदस्यों की एक विशेष बैठक रविवार दि. 8 जनवरी 2023 को प्रातः 11:31 बजे से होटल प्लैटिनम, हिमायत नगर, हैदराबाद में आयोजित की जायेगी । बैठक में सभी आजीवन सदस्यों को भवन निर्माण की विस्तृत जानकारी दी जायेगी ।

### विशेष बैठक

अग्रवाल समाज, तेलंगाना के सभी पूर्व अध्यक्षों, वर्तमान केन्द्रीय समिति पदाधिकारियों, वर्तमान सभी शाखा पदाधिकारियों एवं वर्तमान केन्द्रीय समिति सदस्यों की एक विशेष बैठक शुक्रवार दि. 13 जनवरी 2023 को सायं 7:00 बजे से होटल ब्लू बेसिल, हिमायत नगर, हैदराबाद में आयोजित की जायेगी । बैठक में भवन निर्माण की विस्तृत जानकारी दी जायेगी ।

निवेदक : अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट

चेयरमैन

करोडीमल अग्रवाल

मैनेजिंग ट्रस्टी

राजेश अग्रवाल

कोषाध्यक्ष

कपूरचन्द गुप्ता

फाउण्डर चेयरमैन

नरेश कुमार चौधरी

ट्रस्ट मण्डल

प्रेमचन्द गुप्ता

सुरेशकुमार अग्रवाल

राकेश पचेरिया

गोपालदास अग्रवाल

कमलचन्द अग्रवाल

मधुसुदन सौंथलिया

श्यामसुन्दर अग्रवाल

मनीष अग्रवाल

राजेन्द्र जालान

महावीरप्रसाद अग्रवाल

ओमप्रकाश बंसल

रितेश अग्रवाल

पुरुषोत्तमदास गोयल

पी.डी.गुप्ता

नवीन अग्रवाल

अंजनी कुमार अग्रवाल

# 23 जनवरी से शुरू होगा केरल विधानसभा का सत्र

तिरुवनंतपुरम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 15वीं केरल विधानसभा का आठवां सत्र 23 जनवरी से शुरू होगा। सीएमओ के एक बयान में गुरुवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में एक विशेष कैबिनेट ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को 23 जनवरी से सत्र बुलाने की सिफारिश करने का फैसला किया।

**बजट पेश कर सकती है सरकार**

बयान में कहा गया है कि एक मंत्रिस्तरीय उप-समिति को राज्यपाल के नीति अभिभाषण का मसौदा तैयार करने का काम सौंपा गया है। सरकार आगामी सत्र के दौरान अगले वित्तीय वर्ष के लिए अपना बजट पेश कर सकती है।

# शरद पवार ने मोदी सरकार पर बोला हमला

## कहा- बेरोजगारी के कारण लड़कों को शादी के लिए लड़की नहीं मिल रहीं

पुणे, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारों पर जमकर निशाना साधा। पवार ने कहा कि इस सरकार में बेरोजगारी इस कदर बढ़ गई है कि शादी के लायक हो चुके लड़कों को लड़कियां तक नहीं मिल रहीं। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं लेकिन सरकार नए व्यवसाय स्थापित करने का कोई मौका नहीं दे रही। पवार ने साथ ही किसानों के मुद्दों को लेकर भी बीजेपी की सरकारों पर हमला किया।

**'समुदायों के बीच दरार पैदा की जा रही है'**

पुणे में एनसीपी के जन जागरण अभियान को हरी झंडी दिखाने से पहले पवार ने कहा कि समुदायों के बीच दरार पैदा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। पवार ने कहा, 'देश में भुखमरी के मुद्दे का समाधान हो सकता है क्योंकि हमारे किसानों ने उत्पादन बढ़ाया है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग किसानों को उचित पारिश्रमिक देने के लिए तैयार नहीं हैं, बल्कि वे बिचौलियों के हितों की रक्षा कर रहे हैं और आम लोगों को महंगाई की खाई में धकेल रहे हैं।'

**'युवाओं को नौकरी मांगने का अधिकार है'**

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने सरकार को शिक्षा और बेरोजगारी के मुद्दे पर भी घेरा। पवार ने कहा कि आज का युवा शिक्षित है और उसे नौकरी मांगने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि उद्योग महाराष्ट्र से बाहर जा रहे हैं, मौजूदा उद्योगों को कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है तथा नए व्यवसाय स्थापित करने के लिए कोई मौका नहीं दिया जा रहा है, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। बता दें कि शरद पवार केंद्र और राज्यों की बीजेपी सरकारों पर हमला बोलते रहे हैं और बेरोजगारी एवं महंगाई के मुद्दे को उठाते रहे हैं।

# विदेशों से आए यात्रियों में मिले ओमिक्रॉन के 11 सब वैरिएंट

## 19,227 की जांच में 124 निकले पॉजिटिव

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। देश में कोरोना की नई लहर की आशंका के बीच विदेश से आए यात्रियों में कोविड-19 के ओमिक्रॉन वैरिएंट के 11 सब वैरिएंट मिले हैं। 24 दिसंबर से 3 जनवरी के बीच 19,227 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के सैंपलों की जांच की गई। इनमें से 124 कोविड पॉजिटिव मिले। विदेशों से भारत आने वाले यात्रियों के सैंपल इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों पर लिए गए थे। जांच में कोरोना संक्रमित मिले 124 यात्रियों को आइसोलेट किया गया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि 124 पॉजिटिव संक्रमितों में से 40 की जीनोम सीक्वेंसिंग के नतीजे आ गए हैं। इनमें ओमिक्रॉन के एक्सबीबी.1 सब स्ट्रेन के सर्वाधिक 14 सैंपल मिले। वहीं, एक में बीएफ.7.4.1 मिले।

# चायना डोर से छह साल की बच्ची का गला कटा

## पिता के साथ स्कूल से घर जाते समय हादसे का शिकार हुई मासूम

उज्जैन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में उज्जैन शहर में चायना डोर से एक मासूम बच्ची की जान जाते-जाते बच गई। बच्ची अपने पिता के साथ स्कूल से घर लौट रही थी, इसी दौरान उसका गला चाइना डोर के संपर्क में आने की वजह से कट गया। जानकारी के अनुसार बच्ची अपने पिता के साथ दोपहिया वाहन पर बैठकर स्कूल से घर जा रही थी। उसी दौरान कोतवाली थाने के समीप गले में चायना डोर उलझ गई थी। गनीमत रही की समय रहते पिता ने वाहन रोक दिया, जिससे गले में हल्की खरोंच लगी। मोहम्मद गुलशेर निवासी मिल्कीपुरा मंगलवार को अपनी बेटी साहिबा को संत मीरा स्कूल से दोपहिया वाहन पर आगे की ओर बैठाकर घर जा रहे थे। कोतवाली थाने के समीप आगे बैठी साहिबा के गले में चायना डोर फंस गई। जिस पर वह तेजी से चिल्लाई तो उसके पिता ने वाहन रोक दिया। चायना डोर के कारण बालिका के गले में खरोंच आई है।

# केंद्रीय-राज्य वित्तीय मुद्दों को लेकर पीएम को अर्जी देगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। केरल सरकार ने केंद्रीय और राज्य वित्तीय के गंभीर मुद्दों पर प्रधानमंत्री को एक याचिका प्रस्तुत करने का फैसला किया है। हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। याचिका पत्र में केंद्रीय और राज्य की महत्वपूर्ण वित्तीय मुद्दों के बारे में बताया गया है।

**2017 से पहले की उधार सीमा बहाल**

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य सरकार ने योजना बनाई है कि वो केंद्र सरकार एक बार फिर राज्य सरकार की उधार सीमा को 2017 से पहले की तरह ही बहाल कर दें। राज्य को जिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वो संघीय सिद्धांतों के अनुरूप नहीं हैं इसलिए इसे एक याचिका के जरिए प्रधानमंत्री के सामने पेश किया जाएगा। सीएमओ के बयान के अनुसार, 2017 में, केंद्र सरकार ने राज्य की स्व-उधार सीमा की गणना करते समय सार्वजनिक खाते में अलग रखी गई राशि को भी राज्य के सार्वजनिक ऋण में शामिल करने का फैसला लिया था जो कि संविधान के अनुच्छेद 293(3) की गलत व्याख्या थी। बयान के अनुसार, सरकारी गारंटी के आधार पर राज्य सरकार के अधीन लिए गए ऋण राज्य सरकार की प्रत्यक्ष देनदारियां नहीं हैं। उन्हें केवल राज्य की आकस्मिक उत्तरदायी माना जा सकता है। केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार के सभी ऋणों को अब सार्वजनिक ऋण में शामिल किया जा रहा है।

लेकिन यह केंद्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और इसी तरह के कई संस्थानों द्वारा लिए गए ऋणों पर लागू नहीं हो रहा है। सीएमओ की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, यह अधिनियम संघीय सिद्धांतों का उल्लंघन है और राज्य के विकास में बाधक है। इस संदर्भ में, राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह राज्य सरकार की उधार सीमा निर्धारित करने और 2017 के पूर्व की स्थिति को बहाल करने के निर्णय पर विचार करें।

# इंदौर के जिम में होटल मालिक को आया अटैक, हो गई मौत

इंदौर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के जिम में दिल का दौरा पड़ने से फिर एक होटल मालिक की मौत हो गई। इसी माह 18 जनवरी को उनके बेटे की शादी भी है। वे रोज दो घंटे जिम में बिताते थे। 55 वर्षीय प्रदीप रघुवंशी का स्कीम-78 में वृंदावन होटल है। वे विगत साल भर से क्षेत्र के एक जिम जाते थे। रोज की तरह वे गुरुवार सुबह जिम में पहुंचे और कसरत शुरू की। ट्रेडमिल पर वॉक करने के बाद वे अपनी जैकेट उतार रहे थे, तभी उन्हें चक्कर आने लगे। उन्होंने पास रखी एक टेबल का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन वे गिर पड़े। जिम में कसरत कर रहे कुछ युवक उन्हें समीप के अस्पताल में ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# अलगाववाद पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती

## बातचीत से समाधान निकालना होगा- पीडीपी

जम्मू कश्मीर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा है कि अलगाववाद एक ऐसा विचार है जिसे न तो कैद किया जा सकता है और न ही पाबंदी लगाई जा सकती है। इसका समाधान बातचीत और सुलह के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। केंद्र का मौजूदा दृष्टिकोण केवल कश्मीरियों को अलग-थलग करने और अलगाववादी भावना को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। यह बातें पीडीपी ने अपने मासिक समाचार पत्र 'स्पीक अप' में कहीं। जनवरी का यह संस्करण मंगलवार को जारी किया गया था। पार्टी ने कहा कि नवीनतम भूमि अनुदान नियम -2022 के तहत पट्टे की भूमि को सरकार को सौंपना होगा। यह एक और केंद्र सरकार द्वारा हड़पने का तरीका है जो स्थानीय व्यवसायों, होटलों और अन्य प्रतिष्ठानों को उखाड़ फेंकेगा। यह दावा किया गया कि कई हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, एलआईसी और अन्य राष्ट्रीय संपत्तियों की तरह भूमि को अंततः उनके कॉर्पोरेट मित्रों द्वारा ले लिया जाएगा। पीडीपी ने कहा कि 2019 के बाद जम्मू और कश्मीर में वास्तविक निवेश के बारे में संसद में पेश किए गए आंकड़ों ने भारत सरकार के झांसे को दूर कर दिया है।

**चिनचनुर में तड़के पेड़ से टकराया श्रद्धालुओं से भरा वाहन, छह की मौत**

बेंगलुरु, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिनचनुर में बुधवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरा एक वाहन पेड़ से टकरा गया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति की अस्पताल ले जाते वक्त जान चली गई। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं का यह समूह बेलगावी के हुलकुंड गांव से सवादत्ती के यालम्मा मंदिर जा रहा था। रास्ते में ही ड्राइवर से गाड़ी का नियंत्रण छूट गया और यह पेड़ से जा टकराया। कर्नाटक के सिंचाई मंत्री गोविंद करजोल ने घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए पांच लाख रुपये के मुआवजे का एलान किया है।

# वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटनाओं पर ममता का बड़ा बयान, लिया 'बिहार' का नाम

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर हाल में हुई पथराव की घटनाओं पर बड़ा बयान दिया है। ममता ने कहा है कि हो सकता है कि बिहार के लोग वंदे भारत ट्रेन नहीं मिलने से परेशान हों, और उन्होंने ही पथराव किया हो। हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस पर लगातार दो दिन पथराव हुआ था जिससे ट्रेन को नुकसान पहुंचा था। पश्चिम बंगाल में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव को लेकर सियासत भी शुरू हो गई थी।

'हो सकता है बिहार में पथराव हुआ हो' ममता बनर्जी ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटनाओं को बिहार से जोड़ दिया। उन्होंने कहा,हो सकता है कि बिहार के लोग वंदे भारत ट्रेन नहीं मिलने से परेशान हों। उन्हें ट्रेन नहीं मिली है क्योंकि वे भाजपा के साथ नहीं हैं। जो लोग फेक न्यूज फैलाने की कोशिश कर रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी इस तरह से वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटनाओं का पूरा ठीकरा ममता ने बिहार की जनता और बीजेपी पर फोड़ दिया है।

**लगातार दो दिन वंदे भारत पर चले पत्थर**

पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में बाहर से पत्थर फेंके जाने के कारण बीते मंगलवार को हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस के दो डिब्बों की खिड़कियों के शीशे मंगलवार को क्षतिग्रस्त हो गये थे। वहीं, न्यू जलपाईगुड़ी से डाउन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सोमवार को इसी तरह की घटना का सामना करना पड़ा, जब पथराव के कारण एक कोच के दरवाजे पर लगे कांच में दरार आ गयी थी। इन घटनाओं पर एक अधिकारी ने कहा था कि इनकी प्राथमिकी दर्ज की गई है, वहीं ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है।

# ठाणे में निर्माणाधीन मेट्रो के पिलर के पास की लोहे की प्लेट की चपेट में आने से एक महिला की मौत

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे में निर्माणाधीन मेट्रो के पिलर के पास की लोहे की प्लेट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई. हादसा सुबह 10 बजे के करीब हुआ. मुंबई-नासिक रोड पर के पास मेट्रो के पिलर के सपोर्ट के लिए लगाई गई लोहे की प्लेट गिर गई. इससे 37 साल की महिला उसके नीचे दब गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, महिला कबाड़ जमा करने का काम करती थी.

# लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान का बैन! अब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर भड़के जावेद अख्तर

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हमेशा सुर्खियों में रहने वाले गीतकार जावेद अख्तर ने अब तालिबान को लेकर भारतीय मुस्लिम पर्सनल बोर्ड पर सीधा निशाना साधा है. जावेद अख्तर ने ट्विटर पर लिखा कि तालिबानियों ने इस्लाम के नाम पर सभी महिलाओं और लड़कियों के स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करने और नौकरियों पर प्रतिबंध लगा दिया है. लेकिन भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य इस्लामिक विद्वान इसकी निंदा क्यों नहीं करते. उन्होंने सवाल पूछा कि क्या ये सभी तालिबान से सहमत हैं? आपको बता दें कि हाल ही में अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने देश की महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा पर

अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था. इसी बात को निशाना बनाते हुए जावेद अख्तर ने भारत में मुस्लिम लॉ बोर्ड और इस्लामिक विद्वानों पर कड़ा प्रहार किया है. तालिबान के महिलाओं की उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर भारत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत ने हमेशा अफगानिस्तान में महिला शिक्षा का समर्थन किया है. बागची ने तालिबान से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुरूप अपने नागरिकों के मानवाधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया. बागची ने कहा, "मैं संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 2593 को याद करना चाहता हूं, जो महिलाओं सहित मानवाधिकारों को बनाए रखने के महत्व की पुष्टि करता है, और यह संकल्प रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाओं की समान और सार्थक भागीदारी का भी आह्वान करता है."

## मुंबई पुलिस के पहले स्पेशल कमिश्नर देवेन भारती ने संभाला पदभार

# माने जाते हैं फडणवीस के बेहद खास

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक देवेन भारती को मुंबई के लिए विशेष पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है। देवेन भारती उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी और भरोसेमंद अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। देवेन भारती ने आज से कार्यभार संभाल लिया है।

**विशेष रूप से भारती के लिए बनाया गया नया पद**

इससे पहले देवेन मुंबई पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त के पदों पर रहे हैं। लेकिन विशेष पुलिस आयुक्त का पद विशेष रूप से भारती के लिए बनाया गया है इसके बाद से राजनीतिक हलकों में भी विवाद शुरू हो गया है। फोन टैपिंग मामले में आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को क्लीन चिट देने के बाद

फडणवीस ने भारती को विशेष पुलिस आयुक्त नियुक्त कर अगला कदम उठाया है।

**विपक्ष ने लगाया फडणवीस पर आरोप**

देवेन भारती की नियुक्ति को लेकर विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने आलोचना की और विरोधी पार्टियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर समानांतर प्रशासन बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वहीं आईपीएस अधिकारी विवेक फनसालकर वर्तमान में मुंबई पुलिस आयुक्त हैं।

1994 बैच की आईपीएस अधिकारी भारती को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। वह संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) थे जब भाजपा नेता फडणवीस 2014 से 2019 तक राज्य के मुख्यमंत्री थे। इसके बाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के रूप में पदोन्नति पर उन्हें आतंकवाद विरोधी दस्ते में स्थानांतरित कर दिया गया था। 2019 में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी सरकार के सत्ता में आने पर भारती को बाहर कर दिया गया था। उन्हें अपेक्षाकृत महत्वहीन पोस्टिंग माने जाने वाले महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम का संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया था।

**अतुल लोंधे बोले खुद की राजनीति के लिए पुलिस का उपयोग ठीक नहीं**

राज्य कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे ने कहा कि आयुक्त मुंबई पुलिस में सबसे वरिष्ठ पद होता है और फडणवीस, जिनके पास गृह विभाग है, एक नया पद बनाकर अपने समानांतर प्रशासन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लोंधे ने कहा कि अपनी खुद की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अनुशासित मुंबई पुलिस बल को परेशान करना गलत है। उन्होंने कहा कि नई पोस्ट पुलिस बल को विभाजित करेगी।

# इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देख बुक करवाया आईफोन

## 3.36 लाख रुपये की लगी चपत

यमुनानगर (हरियाणा), 5 जनवरी (एजेंसियां)। आईफोन की ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर ठगों ने एक युवक से तीन लाख 36 हजार 78 रुपये हड़प लिए। रुपये लेने के बाद भी आरोपियों ने आईफोन उपलब्ध नहीं कराया। थाना शहर यमुनानगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यमुना गली निवासी तुषार कपूर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके इंस्टाग्राम पेज पर क्रोमा प्रोडक्ट के नाम से सितंबर 2022 में एक विज्ञापन पेज खुला था। जिस पर विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट सेल के लिए दिखाए गए थे। उसने उस पेज पर मैसेज कर पूछा कि क्या उनके पास आईफोन है। जवाब हां में आया। इसके बाद उसके वाट्सएप पर मैसेज आने लगे। उसे आईफोन बुक करने के लिए एक हजार रुपये और 899 रुपये डिलीवरी चार्ज जमा कराने को कहा। उसने आरोपियों के खाते में ऑनलाइन रुपये जमा करवा दिए। इसके बाद उससे 7185 रुपये जीएसटी और 6812 रुपये डिस्पैच अमाउंट जमा कराने को कहा। उसे बताया गया कि यह राशि उसे आईफोन की डिलीवरी के साथ ही वापस हो जाएगी।

उसे बताया गया कि 13 सितंबर को उसको आईफोन मोबाइल मिल जाएगा। इसके बाद आरोपियों ने कई बार उससे रुपये अपने खातों में जमा कराए। उसने आखिरी बार 60 हजार रुपये उनके बताए गए खाते में जमा कराए थे। वह जो भी राशि जमा कराता उसके पास उनकी रसीद भी भेजी जाती थी। आरोपी उससे तीन लाख 36 हजार 77 रुपये ले चुके थे। परंतु निर्धारित तारीख को भी उसे मोबाइल नहीं मिला। उसने बात की तो वह छह अक्तूबर तक मोबाइल मिलने की बात कहने लगे। परंतु छह अक्तूबर को भी उसे मोबाइल नहीं डिलीवर किया गया। आरोपी हर बार कोई न कोई बहाना बनाने लगे। तब उसे लगा कि उसके साथ ठगी हुई है। उसने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने उसका फोन भी उठाना बंद कर दिया। हताश होकर उसने थाने में शिकायत दी। तुषार का कहना है कि उससे दो युवक बात किया करते थे। इसलिए दोनों ने ही उससे रुपये हड़पे हैं। पुलिस ने तुषार कपूर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया।

# सुअर को मारने के लिए बिछाए करंट की चपेट में आया बाघ

पन्ना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पन्ना टाइगर रिजर्व के किशनगढ़ वनपरिक्षेत्र की बसुधा बीट के कक्ष क्रमांक-521 में नर बाघ का शव मिलने से सनसनी के हालात बने हैं। पास ही में एक हाइना का शव भी मिला है। एक महीने में पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ की मौत की यह दूसरी घटना है। दमोह जिले के मड़ियादो के जंगल को पन्ना टाइगर रिजर्व से जोड़ने के बाद से ही यहां बाघ और अन्य जंगली जानवरों का मूवमेंट बढ़ गया है। बुधवार सुबह किशनगढ़ वनपरिक्षेत्र में बाघ का यह शव मिला है। पन्ना टाइगर रिजर्व के किशनगढ़ रेंज अंतर्गत आने वाले बसुधा बीट के कक्ष क्रमांक 521 में एक नर बाघ और एक हायना की करंट लगने से मौत हुई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com


## आईएसआईएस की भर्ती करने वाला आतंकी घोषित

श्रीनगर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भारत के लिए इस्लामिक स्टेट (आईएस) के भर्ती करने वाले अहमद अहंगर उर्फ अबू उस्मान अल-कश्मीरी को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित कर दिया है। इसके साथ ही मंत्रालय की आतंकियों की लिस्ट में कुल 49 आतंकी शामिल हो गए हैं।

श्रीनगर में जन्मा आतंकवादी अहंगर फिलहाल अफगानिस्तान में है और इस्लामिक स्टेट जम्मू और कश्मीर (आईएसजेके) के लिए आतंकियों की भर्ती करने वाला सरगना है। गृह मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में कहा कि 1974 में श्रीनगर के नवाकदल में पैदा हुआ अहंगर का अल-कायदा समेत दुनिया के कई आतंकवादी संगठनों से संपर्क है।


**वर्ष-27 अंक : 293** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष पूर्णिमा 2079 शुक्रवार, 6 जनवरी 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# सम्मेद शिखर नहीं होगा पर्यटन क्षेत्र

## केंद्र ने जैन समुदाय की मांग मानी, झारखंड सरकार को इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगाने के निर्देश

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पारसनाथ स्थित जैन तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर अब पर्यटन क्षेत्र नहीं होगा। केंद्र सरकार ने गुरुवार को तीन साल पहले जारी अपना आदेश वापस ले लिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी नोटिफिकेशन में सभी पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को दिल्ली में जैन समाज के प्रतिनिधियों से मीटिंग की। इसके बाद यादव ने कहा, जैन समाज को आश्वासन दिया गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी जी की सरकार सम्मेद शिखर सहित जैन समाज के सभी धार्मिक स्थलों पर उनके अधिकारों की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

**केंद्र सरकार ने 2019 में किया नोटिफाई**

2019 में केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखर को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था।

इसके बाद झारखंड सरकार ने एक संकल्प पत्र जारी कर जिला प्रशासन की अनुशंसा पर इसे पर्यटन स्थल घोषित किया। गिरिडीह जिला प्रशासन ने नागरिक सुविधाएं डेवलप करने के लिए 250 पन्नों का मास्टर प्लान भी बनाया है।

**सम्मेद शिखर का महत्व :**

झारखंड का हिमालय माने जाने वाले इस स्थान पर जैनियों का पवित्र तीर्थ शिखरजी स्थापित है। इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष की प्राप्ति की। यहां पर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने भी निर्वाण प्राप्त किया था। पवित्र पर्वत के शिखर तक श्रद्धालु पैदल या डोली से जाते हैं। जंगलों, पहाड़ों के दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए नौ किलोमीटर की यात्रा तय कर शिखर पर पहुंचते हैं।

**इसलिए हो रहा विरोध :**

इस मसले पर सम्मेद शिखर में विराजित मुनिश्री प्रमाण सागरजी ने कहा कि सम्मेद शिखर इको टूरिज्म नहीं, इको तीर्थ होना चाहिए। सरकार पूरी परिक्रमा के क्षेत्र और इसके 5 किलोमीटर के दायरे के क्षेत्र को पवित्र स्थल घोषित करे, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। जैन समाज को आशंका है कि पर्यटन स्थल बनने के बाद यहां मांस-मदिरा आदि बिकने लगेगा, यह समाज की भावना-मान्यता के खिलाफ है।

# रेलवे की जमीन पर बुलडोजर नहीं चलेगा

## हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, कहा 50 हजार लोगों को रातों-रात उजाड़ नहीं सकते

हल्द्वानी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हल्द्वानी में रेलवे की जमीन से 50 हजार लोगों को हटाए जाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतने सारे लोग लंबे समय से वहां रह रहे हैं। उनका पुनर्वास तो जरूरी है। 7 दिन में ये लोग जमीन कैसे खाली करेंगे? सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा, 50 हजार लोगों को रातों-रात नहीं उजाड़ सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब उस जमीन पर कोई कंस्ट्रक्शन और डेवलपमेंट नहीं होगा। हमने इस पूरी प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है। केवल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई है। इस केस की अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे को गिराने का आदेश दिया था। वहां

करीब 4 हजार से ज्यादा परिवार रहते हैं।

**पुष्कर धामी बोले, कोर्ट के आदेश के हिसाब से कार्रवाई करेंगे**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि वो रेलवे की जमीन है। रेलवे विभाग का हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। हमने पहले ही कहा है कि जो भी कोर्ट का आदेश होगा, हम उसके अनुसार आगे की कार्रवाई करेंगे।

**पूरा मामला समझते हैं...**

दरअसल, हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की 29 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर कई साल पहले कुछ लोगों ने कच्चे घर बना लिए थे। धीरे-धीरे यहां पक्के मकान बन गए और धीरे-धीरे बस्तियां बसती चली गईं। नैनीताल हाईकोर्ट ने इन बस्तियों में बसे लोगों को हटाने का आदेश दिया था।

# राम मंदिर तैयार होने की तारीख तय

## अमित शाह ने कहा, 1 जनवरी 2024 को बन जाएगा

त्रिपुरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा में भाजपा की जन विश्वास यात्रा की सभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की तारीख का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, 1 जनवरी 2024 तक मंदिर तैयार हो जाएगा। उन्होंने त्रिपुरा के लोगों से टिकट बुक कराने के लिए भी कहा।

अमित शाह बोले, 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान में भाजपा का अध्यक्ष था और राहुल बाबा कांग्रेस के अध्यक्ष थे। वे रोज पूछते थे, मंदिर वहीं बनाएंगे तिथि नहीं बताएंगे। तो राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में गगनचुंबी राम मंदिर आपको तैयार मिलेगा। सिर्फ राम मंदिर नहीं, एकाध साल दो साल जाने दीजिए मां त्रिपुर सुंदरी का मंदिर भी ऐसा भव्य बनेगा कि पूरी दुनिया यहां देखने आएगी। काशी विश्वनाथ का कॉरिडोर बनाया, महाकाल का कॉरिडोर बनाया। सोमनाथ और अंबा जी का मंदिर सोने का हो रहा है। मां विंध्यवासिनी का मंदिर नया बन रहा है। >14

# हाईकोर्ट में जज न बनाने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में जज के तौर पर शीर्ष अदालत में वकालत करने वाले वकीलों पर विचार नहीं करने की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

शीर्ष अदालत ने कहा, इस याचिका में कोई मेरिट नहीं है और यह न्यायिक समय की बर्बादी है। >14

# तिहाड़ में बंद सत्येंद्र जैन की जेल अधिकारियों को धमकी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन पर जेल अधिकारियों ने धमकी देने के आरोप लगाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने डीजी जेल से मंत्री के खिलाफ शिकायत की है। कहा है कि जैन उनके साथ जेल में जेल में दुर्व्यवहार कर रहे हैं और उन्हें जेल से बाहर आने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं।

शिकायत में कहा गया है कि 8 दिसंबर को जेल में नियमों का उल्लंघन करने पर जैन को कारण बताओ नोटिस देने गए तो उन्होंने कहा, मैं सब जानता हूं। बाहर निकलने के बाद मैं सभी को देख लूंगा। मैं जेल से सीसीटीवी फुटेज मांगूंगा और बाहर निकलकर इन अधिकारियों को देख लूंगा।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि जैन का कहना है कि यह सारा मैटर राजनीतिक है। जिन अधिकारियों ने डीजी को शिकायत दी है, उनमें जेल नंबर 7 के अधीक्षक, जेल सुपरिनटैंडेंट, असिस्टेंट सुपरिनटैंडेंट, एआईजी जेल और लॉ ऑफिसर भी शामिल हैं। फिलहाल, आप या दिल्ली सरकार की ओर से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

**जेल से सत्येंद्र जैन के वीडियो हो चुके हैं वायरल :**

नवंबर में सत्येंद्र जैन के कुछ फुटेज सामने आए थे, जिनमें उनको सेल में सुविधाएं लेते देखा गया था। फुटेज में कैदी सेल में उनकी मालिश करते दिखे थे। उनकी सेल में कुर्सी, टेबल और दरी भी नजर आई थी, जो जेल के नियम के खिलाफ है। इस पर बवाल हुआ था। भाजपा ने जैन को मंत्री पद हटाने की मांग की थी।

**आप ने कहा था फिजियोथेरेपी दी जा रही :**

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया इस वीडियो पर सत्येंद्र जैन के पक्ष में सामने आए थे। उन्होंने कहा था कि जैन बीमार हैं और डॉक्टरों की सलाह पर फिजियोथेरेपी ले रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि तिहाड़ के वीडियो लीक कैसे हुए और भाजपा के पास कैसे पहुंचे। साथ ही जैन की बीमारी का मजाक बनाने को शर्मनाक बताया था।

# उत्तराखंड के जोशीमठ में धंस रही जमीन

## 500 से ज्यादा घरों में दरारें आईं

देहरादून, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमौली जिले में जमीन और पहाड़ धंस रहे हैं। जोशीमठ में भी इसका असर दिख रहा है। यहां 561 घरों में दरारें आ गई हैं। अब तक 66 परिवार पलायन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्थिति का जायजा लेने के लिए जल्द ही क्षेत्र का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि इसकी जांच करने के लिए एक्सपर्ट्स की एक टीम आज जोशीमठ जाएगी। धामी ने लोगों के राहत और बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

**हेल्पलाइन नंबर किया गया जारी**

जोशीमठ के मुख्य डाकघर में दरारें आ गई हैं, जिसके बाद उसे दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है। ज्योतिर्मठ परिसर के भवनों और लक्ष्मी नारायण मंदिर के आसपास बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। इस पूरी घटना को देखकर प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। सरकार की कार्यशैली से नाराज लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर प्रोटेस्ट किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जमीन के नीचे से अब पानी का रिसाव हो रहा है। जगह जगह से पानी निकल रहा है। घरों में दरारें आ रही हैं, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इसे रोकने के लिए अहम कदम उठाने की मांग की है।

**लोगों के विरोध के बाद बनाई गई थी 5 सदस्यीय टीम :**

भूवैज्ञानिक, इंजीनियर और अफसरों की 5 सदस्यीय टीम ने पहले दरारों की जांच कर चुकी है। इस पांच सदस्यीय टीम में जोशी मठ के नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र पंवार, एसडीएम कुमकुम जोशी, भूवैज्ञानिक विशेषज्ञ दीपक हटवाल, कार्यपालक इंजीनियर (सिंचाई) अनूप कुमार डिमरी और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी शामिल थे। दरअसल, 24 दिसंबर को जोशीमठ के लोगों ने प्रशासन पर शहर को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाते हुए विरोध मार्च निकाला था।

# जल संरक्षण के लिए मोदी मंत्र

## मनरेगा के तहत पानी पर अधिक से अधिक हो काम

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 'जल विजन 2047' विषय पर आज यानी पांच जनवरी से दो दिवसीय प्रथम अखिल भारतीय राज्य मंत्री वार्षिक सम्मेलन का आयोजन मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में किया गया है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत जल सुरक्षा में अभूतपूर्ण काम कर रहा है और अभूतपूर्ण निवेश भी कर रहा है। जल संरक्षण के लिए राज्यों के प्रयास देश के सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत सहायक होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मनरेगा के तहत पानी पर अधिक से अधिक काम किया जाना चाहिए।

**जन भागीदारी की सोच को जनता के मन में जगाना है :**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जल संरक्षण के लिए जन भागीदारी की सोच को जनता के मन में जगाना है। हम इस दिशा में जितना ज्यादा प्रयास करेंगे उतना ही अधिक प्रभाव पैदा होगा। देश हर जिले में 75 अमृत सरोवर बना रहा है और अब तक 25,000 अमृत सरोवर बन भी चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जल विजन 2047 अगले 25 वर्षों के अमृत यात्रा का महत्वपूर्ण आयाम है। >14

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 6 जनवरी, 2023 4

सु वि चा र

दूसरों के दोष न देखो, अपने अन्दर के दोष देखो तो निर्दोष बन जायेंगे

## केसीआर और जगन में अंदरुनी सांठगांठ : एनवीएसएस

### दोनों सीएम पर लगाया एपी पुनर्गठन अधिनियम के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करने का आरोप

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य में संक्रांति त्योहार के बाद राजनीति में एक नया मोड़ आने की संभावना है, राज्य भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आरोप लगाया कि दोनों तेलुगु भाषी राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोगों की भावनाओं का उपयोग कर रहे हैं और पिछले आठ वर्षों में एपी पुनर्गठन अधिनियम के कार्यान्वयन में सावधानीपूर्वक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

प्रभाकर ने आज यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी अपने परिवारों के लाभ के लिए काम कर रहे हैं और लोगों की भावनाओं का उपयोग करके अपने पदों की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि जब भी केंद्र एपी पुनर्गठन अधिनियम में निर्धारित मुद्दों को सुलझाने और हल करने के लिए एक बैठक बुलाएगा, या तो केसीआर या जगन बैठक को छोड़ देंगे। जब एपी सीएम जगन ने बैठक में भाग लिया, तो तेलंगाना के सीएम केसीआर किसी बहाने से चले गए, जो दो तेलुगु भाषी लोगों के बीच मुद्दों को हल करने में बाधा पैदा कर रहे है। एक उदाहरण का हवाला देते हुए प्रभाकर ने कहा कि कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच जल विवाद को हल करने के लिए कई बैठकें बुलाई हैं, लेकिन अगर तेलंगाना के अधिकारी खुद को उपलब्ध कराते हैं तो आंध्र प्रदेश के अधिकारी मौजूद नहीं रहेंगे। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा जानना चाहती है कि बैठकों में शामिल नहीं होने के पीछे गुप्त एजेंडा क्या है?

तेलंगाना के सीएम केसीआर और एपी सीएम जगन के व्यवहार और कार्यप्रणाली को माना जाता है कि दोनों लोगों की भावनाओं का शोषण करते हुए अपने पदों की रक्षा के लिए एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। बीआरएस और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच गुप्त सांठगांठ की आलोचना करते हुए, उन्होंने इसे "अवसरवादी संबंध" करार दिया। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी इस महीने सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्र स्तर की बैठकें कर रही है और बीआरएस सरकार के कुकृत्यों का पर्दाफाश करेगी क्योंकि लोग केसीआर सरकार के कामकाज से तंग आ चुके हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता कट्टा सुधाकर रेड्डी भी मौजूद थे।

## इंस्पेक्टर ने महिला व दो बच्चों को आत्महत्या करने से बचाया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को एक नागरिक की समय पर सूचना के आधार पर पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया से तीन लोगों की जान बच गई। राजेंद्रनगर ट्रैफिक इंस्पेक्टर, आर. श्याम सुंदर रेड्डी, सुबह करीब 9.30 बजे हिमायतसागर ओआरआर जंक्शन के पास वाहन चेकिंग ड्यूटी पर थे, जब एक मोटर चालक ने उन्हें एक महिला और दो बच्चों, एक लड़के (7 वर्ष) और एक लड़की (6 वर्ष) की हिमायतसागर के किनारे एक सुनसान जगह पर उपस्थिति के बारे में सूचित किया।

किसी अनहोनी को भांपते हुए, रेड्डी ने कोई समय बर्बाद नहीं किया और हिमायतसागर ओआरआर जंक्शन और शमशाबाद के बीच सर्विस रोड पर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मैंने एक महिला को अपने बच्चों को जल निकाय की ओर घसीटते हुए देखा। मैं बाड़ के ऊपर से कूद गया और उसे पकड़ लिया और उन सभी को सुरक्षित क्षेत्र में ले आया।

## सात एमएलसी सीटों के चुनाव के लिए तेलंगाना तैयार

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मई के अंत तक राज्य विधान परिषद की सात सीटों के खाली होने के साथ, तेलंगाना इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावों का एक नया मुकाबला देखने के लिए तैयार है।

जबकि विधायक कोटे के तहत तीन एमएलसी सीटें और एक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र एमएलसी सीट 29 मार्च तक खाली हो जाएगी, राज्यपाल के कोटे के तहत दो सीटों और एक स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र एमएलसी सीट की अवधि मई के अंत तक समाप्त हो जाएगी।

जिन एमएलसी का कार्यकाल समाप्त होगा, उनमें विधायक कोटे के तहत के. नवीन कुमार, गंगाधर गौड़ और एलिमिनेटी कृष्णा रेड्डी शामिल हैं, साथ ही 29 मार्च को शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी के. जनार्दन रेड्डी भी शामिल हैं। राज्यपाल के कोटे के एमएलसी फारूक हुसैन और डी. राजेश्वर राव का कार्यकाल भी शामिल है। स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र सैयद अमीनुल हसन जाफरी के तहत एआईएमआईएम एमएलसी मई के अंत तक समाप्त हो जाएगा। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति से एमएलसी कोटे और राज्यपाल के कोटे की सीटों के लिए राज्य विधानसभा में अपनी मजबूत उपस्थिति को देखते हुए पांच एमएलसी सीटों को बरकरार रखने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि यह हैदराबाद-रंगारेड्डी-महबूबनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए पीआरटीयू (निजी मान्यता प्राप्त शिक्षक संघ) के उम्मीदवार और हैदराबाद स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए एआईएमआईएम को समर्थन देने की संभावना है। जबकि पीआरटीयू ने पहले ही चेन्नाकेशव रेड्डी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है, एआईएमआईएम के हैदराबाद स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र के लिए सैयद अमीनुल हसन जाफरी को बनाए रखने की सबसे अधिक संभावना है। सूत्रों ने कहा कि बीआरएस नेतृत्व विधायक कोटे और राज्यपाल के कोटे के तहत कम से कम दो सीटों पर नए उम्मीदवारों को मौका देना चाहता है। मुख्यमंत्री के ओएसडी देशपति श्रीनिवास, पूर्व परिषद अध्यक्ष वी स्वामी गौड़ और पूर्व विधायक बी. भिक्षमय्या गौड़ उम्मीदवारों में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। बीआरएस नेता दासोजू श्रवण और पूर्व एमएलसी प्रोफेसर के नागेश्वर भी एमएलसी सीटों के लिए विचाराधीन बताए जा रहे हैं। पता चला है कि पार्टी के कम से कम एक महासचिव को भी अंतिम सूची में जगह मिलने की संभावना है।

## यात्रियों का मोबाइल फोन चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस ने यात्रियों का मोबाइल चुराने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस निरीक्षक एम. श्रीनू ने अपने आरपीएस कर्मियों और आरपीएफ कर्मियों के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से आगे जाने वाले स्क्रू ब्रिज के पास दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। दोनों ने पूछताछ के दौरान बताया कि कि ट्रेन की खिड़कियों से और सिकंदराबाद आउटर के पास आने-जाने वाली ट्रेनों के फुटबोर्ड पर सवार यात्रियों का मोबाइल फोन चुराकर भाग जाते थे। गिरफ्तार आरोपी संगम महेश और कट्टाला दुर्गाप्रसाद के पास से चार मोबाइल फोन बरामद हुए है।

## गीत चाँदनी की पूर्णिमा कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी की प्रतिमास पूर्णिमा की रात आयोजित होने वाला कवि गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार, 6 जनवरी को सायं 6 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के सभागृह में संपन्न होगा। प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने बताया कि यह कवि गोष्ठी गीत चाँदनी के 41वें वर्ष की तीसरी कवि गोष्ठी होगी, जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष व गीतकार चंपालाल बैद करेंगे। नये-पुराने कवि अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका रत्नकला मिश्र ने सभी कवियों और श्रोताओं से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया है।

## संक्रांति विशेष बसों के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं : वीसी सज्जनार

### संक्रांति पर्व के लिए 4,233 विशेष बसों का संचालन होगा

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने घोषणा की कि पिछले वर्ष की भांति संक्रांति पर्व के दौरान संचालित विशेष बसों के किराए में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे निजी वाहनों में यात्रा करके अतिरिक्त पैसे खर्च न करें, जो असुरक्षित यात्रा भी है।

श्री सज्जनार ने गुरुवार को हैदराबाद के बस भवन में ईडी, आरएम और डीएम के साथ एक ऑनलाइन समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी के लिए संक्रांति पर्व महत्वपूर्ण है और हर अधिकारी को पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। उन्होंने त्योहार के मौसम में जनता को परेशानी मुक्त सेवा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का आदेश दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि डिपो प्रबंधक और अन्य अधिकारी महत्वपूर्ण ट्रैफिक प्वाइंट पर मौजूद रहें और बस संचालन की निगरानी करें। आरएम और डीएम को राज्य के सभी प्रमुख शहरों और कस्बों में विशेष बस सेवाएं चलाने के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है। श्री सज्जनार ने यातायात के हिसाब से बस सेवाओं को बढ़ाने का आदेश दिया। इस अवधि के दौरान स्थिति का जायजा लेने के लिए हैदराबाद एमजीबीएस में एक कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, दोतरफा टिकट बुक करने वालों को वापसी यात्रा पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यात्रियों से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं। संक्रांति के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए एडवांस टिकट बुकिंग को 30 दिन से बढ़ाकर 60 दिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बुकिंग सुविधा इस साल जून तक उपलब्ध रहेगी। टीएसआरटीसी ने संक्रांति, श्री सज्जनार के लिए अपने गृहनगर जाने वाले लोगों के लिए 4,233 विशेष बसें चलाने का फैसला किया है। जिसमें से 585 सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बताया गया है कि ये स्पेशल बसें इसी महीने की 7 से 14 तारीख तक चलेंगी. अमलापुरम 125, काकीनाडा 117, कंदुकुर 83, विशाखापत्तनम 65, पोलावरम 51, राजमुंदरी 40, नेल्लोर 20, राजोलू 20, उदयगिरि 18, नरसापुरम 14, ओंगोल 13, गुंटूर 12, विजयवाड़ा 09 विशेष बसें चल रही हैं ये विशेष बसें इस महीने की 11 से 14 तारीख तक एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल क्रॉस रोड, आरामघर, एलबीनगर क्रॉस रोड, केपीएचबी, बोवेनपल्ली, गच्चीबावली इलाकों से रवाना होंगी। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश विजयवाड़ा 54, गुंटूर 29, अमलापुरम 23, विशाखापत्तनम 19, राजमुंदरी 12, एलुरु 11, श्रीकाकुलम 09, रजोल 09, चीराला 07 से लौटने वालों के लिए इस महीने की 16 से 18 तारीख तक 212 विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। गुडिवाड़ा 06, मछलीपट्टनम 05, बापतला 05, तेनाली 04, विशेष बसें चलायी जा रही हैं। टीएसआरटीसी के सीओओ डॉ. रविंदर, कार्यकारी निदेशक विनोद कुमार, मुनिशेखर, यादगिरी, वेंकटेश्वरलू, पुरुषोत्तम, सीटीएम जीवन प्रसाद, सीएमई रघुनाथ राव, सीपीएम कृष्णकांत के साथ आरएम और डीएम ने इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

## जिले में 10 हजार नए मतदाताओं ने कराया नामांकन : कलेक्टर

मंचेरियल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर भारती होलिकेरी ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की अंतिम सूची विशेष संक्षिप्त सुधार करने के बाद मनचेरियल, बेल्लमपल्ली और चेन्नूर विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर प्रकाशित की गई है। एक बयान में, कलेक्टर ने कहा कि चेन्नूर (एससी) खंड में 88,497 पुरुष मतदाता थे, जबकि महिला मतदाताओं में 87,947 और 11 अन्य, छह एनआरआई और 142 सेवा मतदाता थे। मनचेरियल निर्वाचन क्षेत्र में 1,24,769 पुरुष मतदाता, 1,24,193 महिला मतदाता, 20 अन्य, 21 एनआरआई, 341 सेवा मतदाता हैं।

बेल्लमपल्ली खंड (एससी) में 80,894 पुरुष और 80,341 महिला मतदाता हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में 14 अन्य, दो एनआरआई, 162 सेवा मतदाता है। मसौदा चुनावी सूची घोषित करने के समय जिले में 5,79,489 सामान्य मतदाता थे। अंतिम सूची के प्रकाशन के बाद वर्तमान में इसमें 5,86,686 मतदाता थे, जो 1.24 प्रतिशत की वृद्धि का सुझाव देते हैं। सूची में 10,801 नए मतदाता जोड़े गए, जबकि 3,604 अपात्र मतदाताओं को हटा दिया गया। उन्होंने उपरोक्त आयु वर्ग के लोगों को बूथ स्तर के अधिकारी या तहसीलदार के कार्यालय या निवास प्रमाण पत्र के साथ राजस्व मंडल अधिकारी के कार्यालय में जाकर सूची में अपना नाम दर्ज कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे अपना नाम दर्ज करा लें।

## शीतलहर एवं बादलों के चपेट में है सिरपुर कागजनगर

सिरपुर कागजनगर, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर कागजनगर में गत दो दिनों से अचानक मौसम परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

कागज नगर एवं समीप ग्रामीण क्षेत्रो में ठंड अधिक बढ़ गई, जिससे सभी लोग परेशान है। यहां पलभर में गर्मी और पल भर में सर्दी से बुरा हाल हो रहा है। इस मौसम परिवर्तन से बच्चों एवं बुजुर्ग की सेहत पर काफी प्रभाव डाल रहा है। सूर्य उदय न होने से ठंड का प्रकोप अधिक चल रहा है।

## धारदार हथियारों से कांस्टेबल पर हमला किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम के साथ काम करने वाले एक कांस्टेबल पर गुरुवार को जगदगिरिगुट्टा में अज्ञात व्यक्तियों ने तलवार से हमला किया। दो कांस्टेबल राजू और विनायक एक मामले की जांच करने के लिए जगदगिरीगुट्टा में सिख कॉलोनी गए थे। इसी बीच अज्ञात व्यक्तियों ने राजू पर तलवार से हमला किया। हमले में कांस्टेबल घायल हो गया। घायल कांस्टेबल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और कांस्टेबल पर हमला करने वाले लोगों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है।

## आर एंड बी विभाग में 472 पद सृजित करने का आदेश जारी

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गुरुवार को सड़क और भवन (आर एंड बी) विभाग में 472 विभिन्न पदों के सृजन का आदेश जारी किया। कुल सृजित पदों में से 132 सहायक कार्यकारी इंजीनियरिंग (सिविल), 90 उप कार्यकारी अभियंता (सिविल) और 61 कनिष्ठ सहायक सहित अन्य पद हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी जीओ एमएस 5 के अनुसार चौकीदार (स्थानीय संवर्ग) और टाइपिस्ट (एचओ) के 15-15 सहित 62 पदों को निरस्त कर दिया गया है। आर एंड बी विभाग को वित्त विभाग को सूचित करते हुए स्वीकृत/दबाए गए पदों के विवरण का संकेत देते हुए एक वितरण विवरण जारी करने के लिए कहा गया है।

## सीएम केसीआर को मिला 2022 के लिए सर छोटूराम पुरस्कार

कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी से मुलाकात कर उन्हें सीएम केसीआर को मिले पुरस्कार सौंपते हुए अभा किसान संघ के प्रतिनिधि।

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को तेलंगाना में किसानों के विकास में उनके योगदान के लिए वर्ष 2022 के लिए अखिल भारतीय किसान संघ द्वारा प्रस्तुत प्रतिष्ठित सर छोटू राम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इस हद तक, किसान संघ के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को यहां मंत्री क्वार्टर में कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें उनके आवास पर पुरस्कार सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए, निरंजन रेड्डी ने कहा कि कृषि क्षेत्र देश में सबसे बड़ा नियोक्ता है और इसलिए मुख्यमंत्री उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग के माध्यम से इसे किसानों के लिए एक पारिश्रमिक पेशा बनाने के लिए एक दृश्य परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देश में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नए सुधार लाने और भारत को विश्व का अन्न भंडार बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण में रोजगार के कई अवसर हैं, लेकिन लगातार सरकारें इन क्षेत्रों का पता लगाने में विफल रही हैं। विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने वाली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इन कानूनों के खिलाफ संघर्ष में मारे गए 700 से अधिक किसानों को कोई समर्थन तक नहीं दिया। मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव शोक संतप्त परिवारों को 3-3 लाख रुपये देने वाले एकमात्र नेता है। पंजाब के किसानों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के इस व्यवहार और बुरे समय में उनके साथ खड़े होने के लिए उनका धन्यवाद किया। किसान प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष और संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य सतनाम सिंह बहरू, संघ के सलाहकार सुखविंदर सिंह काका और अन्य शामिल थे।

## कांग्रेस की नीतियों ने गरीब मुसलमानों के जीवन में क्रांति ला दी : शब्बीर

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने दावा किया है कि चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण और पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा दिए गए अल्पसंख्यक कॉलेजों ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हजारों गरीब मुसलमानों के जीवन में क्रांति ला दी है। यहां गांधी भवन में टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जफर जावेद और अन्य नेताओं के साथ मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने बताया कि इस साल 42 सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में 934 अल्पसंख्यक छात्रों को प्रवेश मिला है। यह भारत में किसी भी राज्य में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने वाले मुस्लिम छात्रों की सबसे अधिक संख्या है। यह केवल 2004-05 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण के कारण हुआ। इसके अलावा, पिछली कांग्रेस सरकार ने चार अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों डेक्कन, शादान, अयान और डॉ वीआरके महिला मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी थी। शब्बीर अली ने कहा कि वर्ष 2022-23 के लिए तेलंगाना में एमबीबीएस की 6,690 सीटों में से अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को 934 सीटें मिली हैं। अल्पसंख्यकों/मुस्लिमों को सरकारी कॉलेजों में 1%9 सीटें, प्राइवेट कॉलेजों में 205 सीटें और

अल्पसंख्यक कॉलेजों में 550 सीटें मिलीं। इनमें श्रेणी-ए (संयोजक कोटा) में 603 सीटें, श्रेणी बी (प्रबंधन कोटा) में 209 और श्रेणी सी (एनआरआई कोटा) में 122 सीटें शामिल हैं। 4,409 सीटों में से -श्रेणी-ए के तहत, मुसलमानों को 18 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 1%9 सीटें, 20 प्राइवेट कॉलेजों में 94 सीटें और मेडिकल कॉलेजों में 330 सीटें मिलीं। 20 प्राइवेट कॉलेजों में कैटेगरी-बी (मैनेजमेंट कोटा) में 1,096 सीटें हैं और अल्पसंख्यकों को 73 सीटें मिली हैं। इसी तरह प्राइवेट कॉलेजों में कैटेगरी-सी में 4%9 सीटें हैं और मुस्लिमों को 38 सीटें मिली हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दीर्घकालिक समाधान में विश्वास करती है। 2006 में तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा नियुक्त सच्चर समिति ने भी कहा था कि उच्च शिक्षा में मुसलमान बहुत पीछे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव केवल अल्पसंख्यकों के कल्याण के बारे में झूठे दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैकड़ों अल्पसंख्यक कॉलेजों को टीआरएस शासन के तहत बंद करने के लिए मजबूर किया गया था। केसीआर सरकार ने आवंटित बजट का 70 प्रतिशत भी खर्च नहीं किया और गरीब बेरोजगार युवाओं को एक रुपया भी कर्ज नहीं दिया। इसके अलावा, उर्दू अकादमी, वित्त निगम आदि जैसे अल्पसंख्यकों के कल्याण से संबंधित एक भी संस्था धन की कमी और कर्मचारियों की कमी के कारण पूर्ण रूप से काम नहीं कर रही थी। उन्होंने यह भी मांग की कि बीआरएस सरकार तुरंत शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी करे। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है, वे नौकरियों के लिए आवेदन करने में असमर्थ हैं क्योंकि कॉलेज प्रबंधन ने शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया होने के बाद उनके मूल प्रमाण पत्र रोक दिए हैं। उन्होंने कहा कि हजारों छात्र नौकरी के कई अवसर खो रहे थे और वे तेलंगाना सरकार द्वारा अधिसूचित पद के लिए आवेदन करने में भी असमर्थ थे।

## बंडी ने श्रृंगेरी पीठम के पुजारी के दर्शन किए

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज श्रृंगेरी श्री शारदा पीठम के पुजारी जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती स्वामीजी के दर्शन किए और विशेष पूजा का आयोजन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय कुमार ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य को हमेशा हरा-भरा और समृद्ध बनाए रखने के लिए देवी श्री शारदा देवी से प्रार्थना की।

# ठंड से कांप रहा उत्तर भारत !

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार (5 जनवरी) सुबह न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरा उत्तर भारत ठंड की चपेट में है लेकिन हाल ही में बीते दिसंबर महीने ने मौसम के लिहाज से एक नया रिकॉर्ड बनाया है। आम तौर पर दिसंबर के महीने में सर्दी शुरू हो जाती है लेकिन 2022 का दिसंबर महीना 122 वर्षों में सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग ने बताया, दिसंबर 2022 के दौरान पूरे देश में औसत अधिकतम, न्यूनतम और औसत तापमान क्रमशः 27,32 डिग्री सेल्सियस, 15,65 डिग्री सेल्सियस और 21,49 डिग्री सेल्सियस था। इस दौरान सामान्य तापमान 26,53 डिग्री सेल्सियस, 14,44 डिग्री सेल्सियस और 20,49 डिग्री सेल्सियस था। इस पर जलवायु विशेषज्ञ और मौसम विज्ञानियों ने कहा कि जलवायु संकट के संदर्भ में इस तरह के रिकॉर्ड की उम्मीद की जानी चाहिए। औसत अधिकतम तापमान, न्यूनतम और औसत तापमान सामान्य से क्रमशः 0,79 डिग्री सेल्सियस, 1,21 डिग्री सेल्सियस और 1,00 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। पूरे भारत में, दिसंबर के दौरान, औसत अधिकतम तापमान साल 2016 के बाद दूसरा सबसे अधिक था और औसत न्यूनतम तापमान भी 2008 के बाद दूसरा सबसे अधिक था। औसत तापमान सबसे अधिक था।

**122 सालों में सबसे गर्म दिसंबर 2022**

ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट में औसत अधिकतम तापमान 122 सालों में 25,85 डिग्री सेल्सियस पर सबसे अधिक रहा। साल 2008 में औसत न्यूनतम तापमान 12,70 डिग्री सेल्सियस और 1958 के बाद 12,47 डिग्री सेल्सियस और उच्चतम 12,37 डिग्री सेल्सियस था। औसत तापमान भी सबसे अधिक 19,11 डिग्री सेल्सियस रहा था। मध्य भारत में औसत अधिकतम तापमान छठा उच्चतम (29,49 डिग्री सेल्सियस) था। भारत में 1967 में 16,50 डिग्री सेल्सियस के बाद औसत न्यूनतम तापमान दूसरा सबसे अधिक 15,88 डिग्री सेल्सियस था। औसत तापमान सबसे ज्यादा 22,69 डिग्री सेल्सियस रहा था।

**15 दिसंबर तक नहीं थी कोई शीतलहर**

साल 1901 के बाद से उत्तर पश्चिम भारत में औसत अधिकतम तापमान 20वां उच्चतम 21,23 डिग्री सेल्सियस और औसत न्यूनतम तापमान 24वां उच्चतम 7,14 डिग्री सेल्सियस था। 15 दिसंबर तक भारत के उत्तरी और मध्य भागों में कोई शीतलहर नहीं थी और घना कोहरा भी नहीं था। 18 दिसंबर से उत्तर पश्चिम भारत के पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में और 21 दिसंबर से ठंड के दिनों में शीतलहर की शुरुआत हुई। दिसंबर के खत्म तक उत्तर पश्चिम भारत में कोई शीत लहर या ठंडे दिन की स्थिति नहीं थी। यह मुख्य रूप से इसलिए था क्योंकि कोई भी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित नहीं करता था। जो मुख्य रूप से सर्दियों में तापमान में गिरावट का कारण बनता है। इसलिए पूरे महीने तापमान सामान्य से ऊपर रहा इसके अलावा बारिश तमिलनाडु और केरल में ही हो रही थी। देश के अधिकांश हिस्सों में कम बारिश हुई जिससे दिन का तापमान सामान्य बना रहा।

**'जलवायु संकट के कारण ऐसे रिकॉर्ड आम'**

विशेषज्ञों का कहना है कि ला नीना वर्ष में इतना उच्च तापमान असामान्य है। जलवायु परिवर्तन की निश्चित रूप से औसत तापमान बढ़ाने में भूमिका होती है। हमने अब ला नीना वर्षों में भी रिकॉर्ड तोड़ तापमान देखना शुरू कर दिया है। जलवायु निगरानी और भविष्यवाणी समूह आईएमडी पुणे के प्रमुख ओपी श्रीजीत ने कहा, "यह एक ला नीना वर्ष है लेकिन यूरोप गर्मी की लहर का अनुभव कर रहा है। हमारा दिसंबर का डेटा भी यही दर्शाता है। ग्लोबल वार्मिंग ने ला नीना के प्रभाव को कमजोर कर दिया है। हमें यह विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि दिसंबर में तापमान में वृद्धि क्यों हुई लेकिन समग्र रिकॉर्ड को जलवायु परिवर्तन से निश्चित रूप से जोड़ा जा सकता है।"

# महिला यात्री पर पेशाब करने की सजा 30 दिन

## अर्णब से बहस पर छह माह ! मोइत्रा ने कसा तंज

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एयर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट के दौरान एक यात्री द्वारा महिला यात्री पर पेशाब करने के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने तंज कसा है। पेशाब करने वाले यात्री को एयर इंडिया ने 30 दिन के लिए प्रतिबंधित किया है। मोइत्रा ने इसकी तुलना कॉमेडियन कुणाल कामरा पर कई एयरलाइंस द्वारा लगाई छह माह की पाबंदी से की।

कामरा का कसूर यह था कि पत्रकार अर्णब गोस्वामी के साथ एयर इंडिया के विमान में बहस की थी और उन्हें कायर कहा था। सह यात्री पर पेशाब करने पर आरोपी यात्री पर एयर इंडिया द्वारा मात्र 30 दिन की यात्रा पाबंदी को लेकर टीएमसी सांसद मोइत्रा ने सवाल उठाए हैं। इस फैसले को लेकर मोइत्रा ने ट्वीट कर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने सवाल किया कि कामरा पर कई एयरलाइनों ने छह माह का यात्रा प्रतिबंध लगाया था, जबकि महिला यात्री पर पेशाब करने वाले पर एयर इंडिया ने मात्र 30 दिन की पाबंदी लगाई है।

## रेड लाइड एरिया में पुलिस वाला बन वसूलता था पैसे, ऐसे हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कमला मार्किट पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली के रेड लाइट एरिया जीबी रोड की सेक्स वर्कर्स से पुलिस वाला बनकर पैसा वसूलता था। इसने अपना यह गोरखधंधा कई दिनों से चला रखा था, इसका नाम सुमित शर्मा है, 1 जनवरी को कोठा नंबर 50 जीबी रोड से हवलदार सीता राम को सेक्स वर्कर ने फोन कर बतया कि दिल्ली पुलिस वाला उनसे पैसे की वसूली कर रहा है। अपराध की सूचना मिलने पर हवलदार सीता राम मौके पर पहुंचे और दिल्ली पुलिस लोगो के साथ मंकी कैप पहने एक शख्स मिला। हवलदार सीता राम ने उसे अपना आई कार्ड दिखाने के लिए कहा, उसने बताया कि आईकार्ड उनकी कार में है। उसने हवलदार सीता राम की नेम प्लेट पढ़कर, जिसमें एस आर पोशवाल नाम लिखा था उसका नाम लेकर बोला कि उसकी और सीताराम की शाहदरा जिले में एक साथ पोस्टिंग थी। इस तरह आरोपी उस रात सीताराम को चकमा देने में सफल रहा और जीबी रोड के पीछे संकरी गलियों में फरार हो गया। इसके बाद इस नकली पुलिस वाले ने मोबाइल नंबर से दो फर्जी पीसीआर कॉल की, जिसमें उल्टा सीता राम के खिलाफ पैसे मांगने का आरोप लगाया। कमला मार्किट थाना इंचार्ज सुरेन्द्र दलाल ने कोठे और सड़क के सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए अपने स्टाफ को लगा दिया।

# बाइबिल बांट रहे ईसाई समूह पर हमला

## गुस्साए लोग बोले- हमने कभी भगवत गीता दी?

बेंगलुरु, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में बाइबिल बांट रहे ईसाई समूह के लोगों पर भीड़ ने हमला कर दिया। मामला 23 दिसंबर का है जब क्रिसमस के मौके पर ईसाई मिशनरियों का समूह मल्लेश्वरम इलाके में बाइबिल और चॉकलेट बांट रहा था। घटनाक्रम की वीडियो भी सामने आयी है। इस वीडियो में ईसाई समूह पर हमला करने वाले लोग ये कहते सुनाई पड़ते हैं कि अगर आपके पास बाइबिल है तो अपने पास रखें। क्या हमने कभी आपके हाथ में भगवत गीता रखी है कि इसे पढ़ें? एक अन्य शख्स

महिला से कार की चाबी मांगता सुनाई दिया। वहीं, एक शख्स कहता है कि आपकी हिम्मत कैसे हुई हमारे इलाके में बाइबिल बांटने की? अगर कोई और होता तो उस पर हमला किया जा चुका होता। इसके बाद लोग महिला और उसके साथ में मौजूद अन्य लोगों पर चीखना-चिल्लाना शुरू कर देते हैं। गुस्साए लोगों ने महिला की कार से सभी बाइबिल की किताबों को निकाला और सड़क पर फेंक कर नष्ट कर दिया। हमला करने वालों का आरोप है कि इस तरह ये लोगों के मन में धर्म परिवतर्न की भावना पैदा करते हैं।

**हमने किसी को मजबूर नहीं किया बाइबिल लेने के लिए- ईसाई समूह**

ईसाई समूह के एक सदस्य रेबेका के मुताबिक, टकराव तब शुरू हुआ जब एक महिला ने उनसे पूंछा कि बाइबिल क्यों बांटी जा रही है। रेबेका ने कहा, उन्होंने हमारे साथ दुर्व्यवहार किया और बाइबिल को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि हम लोग क्रिसमस के मौके पर चॉकलेट और बाइबिल बांट रहे थे। हालांकि हमने किसी को भी बाइबिल स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया।

# एंबुलेंस के पैसे नहीं

## मां के शव को कंधे पर लादकर 50 किमी दूर श्मशान चल पड़ा बेटा

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को एक दर्दनाक तस्वीर सामने आई है। मां की मौत हो गई, लेकिन अस्पताल के एंबुलेंस में शव ले जाने के लिए 3 हजार रुपए की मांग की गई। दिहाड़ी मजदूर की कमाई मां के इलाज और खाने में खर्च हो गई थी। इसलिए एंबुलेंस को देने के लिए पैसा नहीं थे, तो विवश बेटा अपनी मां की लाश को कंधे पर कपड़े में बांधकर 50 किलोमीटर दूर श्मशान की ओर चल पड़ा। गरीब बूढ़ा पिता बेटे के साथ चलता रहा। यह तस्वीर किसी दूसरे राज्य की नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल की ही है। घटना जलपाईगुड़ी जिले के करणी इलाके की है। यह तस्वीर सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को बंगाल के जिलों में सर्दी का सितम जारी है। ठंड से लोग परेशान है। उसी में जलपाईगुड़ी से एक दिलदहलाने वाली तस्वीर सामने आई है। 40 वर्षीय व्यक्ति कंधे पर चादर में लिपटा शव लेकर सड़क किनारे चलने की कोशिश कर रहा है। पीछे सत्तर साल के एक बूढ़े ने उस शरीर को कंधा दे रखा है।

# कुलदीप सिंह पठानिया बने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के 16वें अध्यक्ष

शिमला/चंबा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पांचवीं बार के विधायक कुलदीप सिंह पठानिया को हिमाचल प्रदेश विधानसभा का 16वां अध्यक्ष चुना गया है। हिमाचल प्रदेश की चौदहवीं विधानसभा के शीत सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को सदन में 11:00 बजे के बाद तीन प्रस्ताव कुलदीप सिंह पठानिया को विधानसभा अध्यक्ष बनाने के लिए रखे गए। इस दौरान प्रोटेम स्पीकर चंद्र कुमार ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पहला प्रस्ताव पेश किया कि कुलदीप सिंह पठानिया विधानसभा अध्यक्ष होंगे।

इसका अनुमोदन नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा विधायक दल की ओर से किया। दूसरा प्रस्ताव उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पेश किया। इसका अनुमोदन शिलाई के विधायक हर्षवर्धन चौहान ने किया। इसके बाद सोलन के कांग्रेस विधायक धनीराम शांडिल ने तीसरा प्रस्ताव पेश किया। इसका अनुमोदन

सुलाह के विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने किया। प्रस्ताव पारित होने के बाद कुलदीप सिंह पठानिया को सुक्खू और जयराम ठाकुर ने आसन पर बिठाया। सुक्खू हाथ पकड़कर पठानिया को आसन तक ले गए। जयराम ठाकुर भी साथ वहां तक गए।

सुखविंद्र सिंह सुक्खू और जयराम ठाकुर दोनों ने पठानिया को शुभकामनाएं दीं। भटियात से पांचवीं बार के विधायक कुलदीप सिंह पठानिया ने अपना पहला चुनाव वर्ष 1985, दूसरा 1993, तीसरा 2003 और चौथा चुनाव 2007 में जीता था। विधानसभा के अध्यक्ष पद काबिज होने वाले पहले विधायक जयबंत राम उपमन्यु के बाद अब करीब 70 वर्ष बाद भटियात विधानसभा क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस विधायक कुलदीप सिंह पठानिया अध्यक्ष पद पर विराजमान हुए हैं। जिला चंबा की बात की जाए तो जयबंत कुमार उपमन्यु, देशराज महाजन, पंडित तुलसीराम के बाद अब कुलदीप सिंह पठानिया 14 वीं विधानसभा के अध्यक्ष बने हैं। 26 वर्ष की आयु में कुलदीप सिंह पठानिया ने वर्ष 1985 में अपना पहला विधानसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी की ओर से लड़ा और भाजपा के प्रत्याशी शिव कुमार उपमन्यु को पटकनी देते जीत दर्ज की। कुलदीप सिंह पठानिया ने अब तक नौ विधानसभा चुनाव लड़े हैं। इसमें दो मर्तबा उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा। वर्ष 1990 में विधानसभा चुनाव आए में भारतीय जनता पार्टी ने देश व्यापी समझौता करते हुए एलान किया कि बीजेपी कांग्रेस पार्टी के सिटिंग एमएलए को टिकट देकर चुनावी रण में उतारेगी। उसके बाद कांग्रेस ने शिव कुमार उपमन्यु को कांग्रेस से टिकट देकर चुनावों में उतार दिया। वर्ष 1994 में कुलदीप सिंह पठानिया ने बतौर आजाद प्रत्याशी चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। पठानिया के चुनाव जीतने पर लोगों में वर्ष 1995 से 1997 तक यह धारणा बन गई कि अब उन्हें कोई हरा नहीं सकता है। विधानसभा चुनाव 1998 में चंबा से किशोरी लाल वैदय भटियात विस क्षेत्र आ गए।

यह चुनाव कुलदीप सिंह पठानिया हार गए। किशोरी लाल वैद चुनाव जीतने के बाद उद्योग मंत्री बने। वर्ष 2012 और 2017 का चुनाव भी कुलदीप सिंह पठानिया हार गए। लेकिन,चुनाव में मिली हार के दूसरे ही दिन से वह फील्ड में डट गए। अपनी मेहनत के बलबूते ही कुलदीप सिंह पठानिया ने 2022 के चुनाव में जीत दर्ज की।

## पैसों के लेनदेन में भिड़े राजा-गिंदा गुट, फायरिंग में चार जख्मी, घटनास्थल से मिले 14 खाली कारतूस

जालंधर (पंजाब), 5 जनवरी (एजेंसियां)। जालंधर की सब डिवीजन शाहकोट थाना की चौकी मलसियां में पैसों को लेकर दो गुटों के बीच फायरिंग हो गई। इसमें चार युवकों को गोलियां लगी हैं जिन्हें प्राइवेट और जालंधर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें 3 को पैरों में और 1 को पेट में गोली लगी है इसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी भाग निकले और घायलों को आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जिनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें सिविल अस्पताल जालंधर रेफर कर दिया। डीएसपी शाहकोट गुरप्रीत सिंह और थाना शाहकोट प्रभारी गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि पुलिस को घटनास्थल से गोलियों के 14 खाली कारतूस, दो चार और चार मोटरसाइकिल बरामद हुए हैं जिन्हें जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी गिंदा, राजा, सुरजीत, विनोद, अर्शदीप सहित 25 अज्ञात पर मामला दर्ज कर लिया है

# टर्मिनेट किए गए शादीशुदा टीचर कपल को

## मिलेगा 50 लाख का मुआवजा, हाई कोर्ट का स्कूल को आदेश

चंडीगढ़, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हाल ही में जीडी गोयनका स्कूल (गुरुग्राम) को एक शिक्षक दंपत्ति को मुआवजे के रूप में 50 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। शिक्षक दंपत्ति को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना स्कूल ने अवैध रूप से बर्खास्त कर दिया गया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 2015 में जीडी गोयनका स्कूल में शारीरिक शिक्षा शिक्षक युगल परवीन शेखावत और अजय सिंह शेखावत को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में बताया गया था कि स्कूल में उनकी परफॉर्मेंस घटिया थी। इसके बाद दोनों को एक माह का नोटिस देकर बर्खास्त कर दिया गया। यह मामला हाई कोर्ट की जस्टिस जीएस संधावालिया और जस्टिस हरप्रीत कौर जीवन की खंडपीठ तक पहुंचा। स्कूल ने अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेशों और हाई कोर्ट के एकल पीठ के फैसले के खिलाफ दो पत्र पेटेंट अपील दायर की। ट्रिब्यूनल ने दंपत्ति को बैक वेज के साथ बहाल करने का आदेश दिया था, जिसकी पुष्टि हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने की थी।

**खंडपीठ ने आदेश में क्या कहा?**

न्यायालय ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न उदाहरणों के आलोक में मुआवजे के भुगतान का आदेश दिया। खंडपीठ ने कहा, यह तर्क कि बहाली नहीं होनी चाहिए, बिना किसी आधार के है । कैलाश सिंह बनाम प्रबंध समिति, मेयो कॉलेज, अजमेर और अन्य, (2018) 18 एससीसी 216 पर विचार करते हुए हमारी राय है कि बहाली का निर्देश देने के बजाय मुआवजा बढ़ाया जाना चाहिए।

**स्कूल ने क्या तर्क दिया?**

डिवीजन बेंच के सामने स्कूल ने तर्क दिया कि अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 73 के तहत व्यक्तिगत सेवा के अनुबंध से संबंधित रोजगार विवाद के बाद से बहाली का आदेश नहीं दिया जा सकता है। इस मामले में क्षति का भुगतान करने का आदेश दिया जा सकता है। चूंकि नुकसान का भुगतान पहले ही कर दिया गया था, ट्रिब्यूनल अब कोई बहाली का आदेश नहीं दे सकता है। दूसरी ओर, कर्मचारियों ने तर्क दिया कि नियुक्ति पत्र के अनुसार, तीन महीने का नोटिस दिया जाना था, जिसका उल्लंघन करते हुए उनकी बर्खास्तगी अवैध थी। विशेष रूप से हरियाणा शिक्षा अधिनियम, 2003 के तहत ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में दो कर्मचारियों को तीन महीने का नोटिस दिए बिना या सुनवाई का मौका दिए बिना बर्खास्त किया था।

# मुंबई में दर्दनाक हादसा

## 25वीं मंजिल से धड़ाम से गिरी लिफ्ट, युवक की मौत

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक दिन दहला देने वाला हादसा सामने आया है। दरअसल, मुंबई के उपनगर विक्रोली में एक 25 मंजिला इमारत में लिफ्ट गिरने से एक युवक की मौत हो गई। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युवक की उम्र 20 साल बताई जा रही है। घटना बुधवार दोपहर 1:30 बजे की है। यह हादसा पूर्वी मुंबई में स्टेशन रोड पर स्थित सिद्धिविनायक सोसाइटी में हुआ है। हादसे के समय कांच के केबिन वाली लिफ्ट में चार लोग सवार थे। ग्राउंड फ्लोर पर कांच की लिफ्ट गिरने से ये सभी लोग उसमें फंस गए। दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लिफ्ट का दरवाजा खुलवाया। रिपोर्ट के मुताबिक, चार में से तीन लोग खुद लिफ्ट से बाहर आ गए,

जबकि चौथे व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि चौथे युवक को घाटकोपर के नगर निगम की ओर से संचालित राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो महीने पहले मुंबई में एक रिहायशी इमारत में लिफ्ट गिरने के कारण 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। यह घटना 21 अक्टूबर को चारकोप इलाके में एक बहुमंजिला इमारत में उस वक्त हुई जब महिला सुबह की सैर पर निकलने के लिए लिफ्ट के जरिए चौथी मंजिल से नीचे जा रहीं थीं। चारकोप थाने के एक अधिकारी ने बताया था, जैसे ही महिला लिफ्ट में चढ़ीं वह तीसरी और चौथी मंजिल के बीच में फंस गईं। महिला ने मदद के लिए शोर मचाया और जब उनके बेटे ने लिफ्ट का दरवाजा खोलने की कोशिश, तो उसे बिजली का झटका लगा, इसलिए बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद इमारत के एक सुरक्षा गार्ड ने लिफ्ट के दरवाजे को खोलने का प्रयास किया, तो वह झटके से नीचे की ओर गिर गई। उन्होंने बताया कि महिला को गंभीर चोटें आईं और उन्हें नजदीक के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# बीच बचाव करने गए तृणमूल नेता की हत्या

## म्यूजिक के शोर को लेकर विवाद शांत कराना पड़ा भारी

मालदा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबारी में दो पक्षों में विवाद रोकने गए तृणमूल कांग्रेस के एक नेता की हत्या कर दी गई। वारदात मंगलवार को तब हुई जब तेज आवाज में म्यूजिक बजाने को लेकर दो गुटों के बीच हाथापाई हो गई थी। मृत तृणमूल नेता की पहचान अफजल मोमिन (65) के रूप में हुई। पुलिस ने इस सिलसिले में पंद्रह लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह पठानपारा गांव का एक समूह मोथाबाड़ी थाना क्षेत्र के मंडलपारा गांव से पिकनिक मनाकर लौटते समय तेज संगीत बजा रहा था। इसका स्थानीय नेता अफजल मोमिन व अन्य ग्रामीणों ने विरोध किया था। इसके बाद हाथापाई हुई थी। मोमिन और कुछ अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया था। इसके बाद मंगलवार दोपहर में बड़ी संख्या में पठानपारा निवासी डंडे और लाठियों से लैस होकर आए। तभी मोमिन संघर्ष रोकने के लिए बाहर निकले, लेकिन उन पर हमला कर दिया गया। वे होश खो बैठे। ग्रामीण मोमिन को मालदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर गए, वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मोमिन के बेटे जहांगीर अली के अनुसार उनके पिता को हृदय रोग की समस्या थी। बहुत तेज आवाज में डीजे बजाने से उन्हें परेशानी हो रही थी, इसलिए उन्होंने विरोध किया था, लेकिन उन्हें धक्का दिया गया और उन पर हमला किया गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

# शादीशुदा बेटी, शादीशुदा बेटे के बराबर

## कर्नाटक हाई कोर्ट की सैनिक वेलफेयर बोर्ड को दो टूक

बेंगलूरू, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एक शादीशुदा बेटी एक बेटी की तरह ही रहती है, जिस तरह से एक शादीशुदा बेटा एक बेटा रहता है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा जारी एक दिशानिर्देश को खारिज करते हुए फैसला सुनाया, जिसमें पूर्व सैनिकों की शादीशुदा बेटियों को डिपेंडेंट कार्ड से वंचित कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि जिस तरह एक बेटा शादी से पहले या बाद में बेटा ही रहता है, उसी तरह एक बेटी भी शादी से पहले और बाद में बेटी ही रहती है। अगर शादी के बाद बेटे का स्टेटस नहीं बदलता तो शादी के बाद बेटी का स्टेटस भी नहीं बदलना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट के सिंगल जज बेंच ने 2 जनवरी को फैसला सुनाया था। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि जेंडर इक्वेशन के आधार पर वह पूर्व रक्षाकर्मियों को एक्स-सर्विसमेन के तौर पर देखना बंद करे और पूर्व रक्षाकर्मियों के लिए जेंडर न्यूट्रल नोमनक्लेचर पर ध्यान दे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाट हाई कोर्ट के जज जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने पूर्व सैन्यकर्मी सुबेदार रमेश खंडप्पा की 31 वर्षीय बेटी की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। 2001 के ऑपरेशन पराक्रम के बाद माइन की सफाई के दौरान हुई दुर्घटना में सुबेदार की मौत हो गई थी। मद्रास इंजीनियर ग्रुप (एमईजी) के पूर्व सूबेदार की बेटी प्रियंका पाटिल, जो 10 साल की थी,

जब उसके पिता की मृत्यु हो गई, उसने 2021 में सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा शादीशुदा होने के आधार पर डिपेंडेंट कार्ड जारी करने से इनकार करने पर कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। प्रियंका पाटिल ने 2020 में राज्य के सरकारी डिग्री कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के दौरान पूर्व सैनिकों के परिजनों के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा किए गए 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ उठाने के लिए पूर्व रक्षा कर्मियों की बेटी के रूप में पहचान की मांग की थी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 6 जनवरी, 2023

# खौफजदा महिलाएं

कहने को तो हम 21वीं सदी के युवा अवस्था में सफर कर रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव में देश अर्थव्यवस्था और विकास का आसमान छूने को बेताब है। लेकिन महिलाओं के लिए आज भी लगभग सभी स्तर पर जोखिम ही जोखिम है। फिर चाहे वह घर में हों या फिर सडक पर। फिर चाहे कालेज व किसी अच्छे संस्थान में नौकरीशुदा ही क्यों न हो। कैसी बिडंबना है कि महिला घर में है तो अपने नजदीकी रिश्तेदारों से खौफ में है और घर से बाहर निकलते ही कदम-कदम पर खतरा दिखाई देता है। ये हाल तो महानगरों का है तो दूरदराज के गांवों की हालत क्या होगा, अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं होना चाहिए। देश की राजधानी दिल्ली में भी अगर महिलाएं सुरक्षित और सहज जिंदगी को लेकर निश्चिंत नहीं हैं, तो इस तरह के विकास पर उंगली उठना स्वाभाविक ही है? 31 दिसंबर की रात में अपना काम खत्म करके घर लौटती लड़की कार में फंसी रही और उसमें सवार लोग कई किलोमीटर तक उसे घसीटते रहे, जिसकी वजह से बेहद दर्दनाक तरीके से उसकी मौत हो गई, और कार सवारों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इस तरह की घटना को सिर्फ सड़क हादसा मान कर नजरअंदाज कर देना नाइंसाफी होगी। ऐसी ही अनेक घटनाओं की अनदेखी और उदासीनता का नतीजा है कि आज भी महिलाएं खुद को सुरक्षित नहीं पाती हैं? शायद यही वजह है कि दिल्ली महिला आयोग ने केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिख कर महिलाओं के खिलाफ अपराध से निपटने के संदर्भ में समन्वित नीति बनाने के लिए उच्च स्तरीय समिति बनाने की मांग की है। अफसोस की बात तो यह है कि कहीं हादसे या कहीं संबंध के नाम पर, तो कहीं किसी और वजह से ज्यादातर महिलाएं हर वक्त एक प्रत्यक्ष या परोक्ष जोखिम से गुजरती रहती हैं। दिल्ली के कंझावला में कार से घसीटने से हुई लड़की की मौत ने तमाम संवेदनशील लोगों को झकझोर दिया। लोग इस भावनात्मक झटके से उबर भी नहीं पाए थे कि दिल्ली में ही एक युवक ने महज रिश्ते में उतार-चढ़ाव की वजह से अपनी ही गलफ्रेंड पर चाकू से जानलेवा हमला कर ताबडतोड वार कर दिया। कानपुर में तो एक पुलिस का सिपाही एक घर में घुसकर महिला को तंग करने लगा। तकनीक के बढ़ते प्रभाव से अक्सर होने वाली ऐसी घटनाओं का देर सवेर पर्दाफाश तो हो जाता है लेकिन अब तक ऐसी तकनीक इजाद नहीं हो पाई है जो आपराधिक प्रवृत्ति वाले किसी शख्स को ऐसी वारदात को अंजाम देने से पहले ही रोक सके। जाहिर है, अगर खुली सड़क पर किसी महिला पर जानलेवा हमला होता है या उसकी हत्या कर दी जाती है तो आरोपी व्यक्ति के सामने पुलिस और उसकी कार्रवाई का भय शायद बहुत ज्यादा नहीं होता। अगर अपराधियों के सामने चौकस कानून-व्यवस्था एक चुनौती बन जाए तो वह महिलाओं के खिलाफ अपराध करने से पहले परिणाम को लेकर सौ बार सोचेगा। आखिर किसे नहीं याद होगा लगभग दस साल पहले की दिल्ली की वह घटना जिसमें चलती बस में निर्भया से बलात्कार और उसकी हत्या की बर्बर घटना सामने आई थी। तब देश भर में उसे लेकर एक आंदोलन खड़ा हो गया था। तब लगभग सब लोगों के भीतर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता थी। उसके बाद सरकार ने कार्रवाई की, पीड़ित महिलाओं के लिए निर्भया कोष बनाने से लेकर पहले से ज्यादा सख्त कानूनी बनाए गए। तब न सिर्फ महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर देश में एक आक्रोश की लहर देखी गई थी, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता का भी माहौल बनता दिखा था। उससे यह उम्मीद जगी थी कि निर्भया के खिलाफ बर्बरता की इंतहा से दुखी समाज में कम से कम भविष्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक संवेदना और जिम्मेदारी का विकास हो सकेगा, लेकिन हुआ बिल्कुल उल्टा। उसके बाद के वर्षों में महिलाओं का जीवन जिस तरह लगातार जोखिम और अपराध से आए, दिन टकराता रहा, उससे यही लगता है कि सामाजिक जागरूकता के समांतर ही चौकसी के साथ कानूनी कार्रवाई में भी सख्ती दिखनी चाहिए, ताकि किसी भी लड़की या महिला के खिलाफ अपराध करने से पहले ही अपराधियों के हौसले पस्त हो जाएं। डर ही सही कम से कम उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान तो जगेगा।

# अकड़े दिमाग की खुराफात



डॉ. प्रदीप शशांक

हमारे मित्र पांडेय जी का जन्मदिन था, सो हमने उन्हें मोबाइल पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। बातों के दौरान उन्होंने हमसे पूछा- आपने कुछ नया लिखा कि नहीं? हमने उन्हें कहा- अभी तो बहुत दिनों से कुछ नया नहीं लिखा है। ठंड में पूरा शरीर तो अकड़ा ही है, दिमाग भी अकड़ गया है। दिमाग में विचारों की आवाजाही भी ढंग से नही हो रही है। उन्होंने दिमाग अकड़ने वाली बात पर जोरदार ठहाका लगाया और बोले - ठंड में दिमाग को अकड़ने से बचाने के लिए, किसी पर गुस्सा करो, बेवजह चिल्लाओ ताकि दिमाग गरम रहे। दिमाग की भट्टी गरम रहेगी तभी तो उसमें से नये नये विचार पक कर निकलेंगे। बात तो आपकी सही है लेकिन आप तो जानते ही हैं कि हम हर विपरीत परिस्थितियों में भी अपने दिमाग को ठंडा ही रखने की कोशिश करते हैं। वैसे भी अब इस उम्र में किस पर गुस्सा करें। अब तो हम सिर्फ दो ही बचे हैं, हमारे दो तो बाहर अपनी दुनिया में मस्त हैं ।

उन पर गुस्सा कर ही नहीं सकते। रही बात घर की हाई कमान पर गुस्सा करने की,तो इस ढलती उम्र में उन पर गुस्सा करके हम कोई मुसीबत मोल ले ही नहीं सकते। बस उनकी हर बात पर हां में ही सिर हिला सकते हैं। वैसे भी बॉस एवं बीबी हमेशा ही सही रहते हैं। गलतियां तो हमसे ही होती हैं और जब चाहे गाहे बगाहे उनका गुस्सा हम पर ही उतरता रहता है। गुस्से में उनके गोरे चेहरे के गुलाबी गालों का रंग लाल, पीला हो जाता है और हरे, सफेद रंग के सूट पर वह और ज्यादा सुंदर लगने लगती हैं । पांडेय जी, रंग तो रंग होते हैं ,और रंग हमेशा सुंदर ही होते हैं, हां किसी की जिंदगी अवश्य बेरंग हो सकती है किन्तु रंग कभी बेशर्म नहीं होते हैं।यह तो उस गीत लिखने वाले एवं फिल्माने वाले की घटिया मानसिकता ही प्रदर्शित करती है। ख़ैर छोड़िये, हम श्रीमतीजी के गुस्से की बात कर रहे थे , सो उनके गुस्से को देखते हुए हम चाह कर भी उनकी तारीफ नहीं कर पाते और उनके रौद्र रूप को देखकर हमारा दिमाग जो कि ठंड से अकड़ा हुआ रहता है, चुपचाप नीचे सरककर घुटने के कोप-भवन में पनाह ले लेता है। जब उनका गुस्सा शांत होता है तो हम अपने अकड़े हुए दिमाग को वापस अपनी जगह जाने के लिये मनाने हेतु घुटने की तेल मालिश करते हैं। वैसे भी निरीह पति की स्थिति प्रायः सभी पतियों को अच्छे से मालूम है, इस विषय पर ज्यादा कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।

पांडेय जी, अब हम अपने दिमाग की अकड़न को दूर करने के लिये किसी रास्ता चलते तथाकथित जवान को यह कहकर गुस्सा भी नहीं कर सकते कि इतनी ठंड में तुम केवल टी-शर्ट पहनकर क्यों घूम रहे हो, ठंड लग जावेगी। जब उनके ही आस पास के लोग उन्हें चने के झाड़ पर चढ़ाकर उन्हें सुपर मेन बताने पर तुले हुए हैं तो हम कौन होते हैं उन्हें कुछ कहने वाले । ठंड में जब डोकलाम, तवांग में तापमान माइनस में रहता है तब चीनी सैनिकों का दिमाग भी ठंड से अकड़ जाता है, ऐसे में वे अपने दिमाग को गरम करने भारतीय सेना से पिटने आ जाते हैं और भारतीय सेना भी उन्हें अच्छी तरह कूट कर वापस भेज देती है।

# कुंभ : कल्पवास से प्रशस्त होता है मोक्ष का मार्ग



सुरेश गांधी

कुम्भ का संस्द्धत अर्थ है कलश। ज्योतिष शास्त्र में कुम्भ राशि का भी यही चिन्ह है। ज्योतिषियों के अनुसार जब बृहस्पति कुम्भ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तब कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है। हिन्दू धर्म में कुम्भ का पर्व हर 12 वर्ष के अंतराल पर चारों में से किसी एक पवित्र नदी के तट पर मनाया जाता है। हरिद्वार में गंगा, उज्जैन में शिप्रा, नासिक में गोदावरी और इलाहाबाद में संगम जहां गंगा, यमुना और सरस्वती मिलती हैं। लेकिन प्रयाग का कुंभ सबसे उत्कृष्ट भव्य होता है। गंगा यमुना की रेती सनातन मतावलंबियों से पहली बार कब गुलजार हुई, इसका कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है, लेकिन त्रेता युग में भी कल्पवास जैसी परंपरा थी। मेले का प्रथम लिखित प्रमाण महान बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेनसांग के लेख से मिलता है जिसमें आठवीं शताब्दी में सम्राट हर्षवर्धन के शासन में कुम्भ का वर्णन है। रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने इस बात का प्रमाण इस चौपाई से दिया है :- मकरगत रबि जब होई, तीरथपतिहिं आव सबक कोई। देव दनुज किन्नर नर श्रेनीं, सादर मज्जहि सकल त्रिबेनी॥ अर्थात माघ माह में मकर राशि पर भगवान सूर्य आ जाते हैं और तीर्थों के राजा प्रयाग के संगमत तट पर कल्पवास शुरू हो जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था यूनेस्को ने भी कुंभ को मानवता की अमूर्त सांस्द्धतिक धरोहर का दर्जा दिया है। उसने माना कि कुंभ मेले से जुड़ा ज्ञान गुरु-शिष्य परंपरा के जरिए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता है। इसके कारण मेले के आयोजन की निरंतरता भी सुनिश्चित होती है। कुंभ आयोजन की कहानी देवासुर संग्राम और समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश से जुड़ी है। मान्यता है कि देवताओं व असुरों के बीच समुद्र मंथन से निकले अमृत घट को प्राप्त करने के लिए देवों व असुरों में खींचतान हुई। इससे अमृत की बूंदे प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक में गिरी। अमृत कलश की रक्षा में सूर्य, गुरु और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे थे। इसी कारण इन ग्रहों का विशेष महत्त्व रहता है और इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ का पर्व मनाने की परम्परा चली आ रही है। यही कारण है कि कुम्भ पर्व विश्व में किसी भी धार्मिक प्रयोजन हेतु भक्तों का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन का संग्रहण है। लाखों-करोड़ों की संख्या में लोग इस पावन पर्व में उपस्थित होते हैं। हर कोई संगम में डुबकी लगाकर हर पाप, हर कष्ट से मुक्त होना चाहता है। श्रद्धालु इस पावन जल में नहा कर अपनी आत्मा की शुद्धि एवं मोक्ष के लिए प्रार्थना करते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से कुंभ के काल मे ग्रहों की स्थिति एकाग्रता तथा ध्यान साधना के लिए उत्द्रष्ट होती है। समुद्र मंथन की कथा में कहा गया है कि कुम्भ पर्व का सीधा सम्बन्ध तारों से है। अमृत कलश को स्वर्ग लोक तक ले जाने में इंद्र के पुत्र जयंत को 12 दिन लगे। देवों का एक दिन मनुष्यों के 1 वर्ष के बराबर है इसीलिए तारों के क्रम के अनुसार हर 12वें वर्ष कुम्भ पर्व विभिन्न तीर्थ स्थानों पर आयोजित किया जाता है। कुम्भ पर्व एवं गंगा नदी आपस में सम्बंधित हैं। यहां स्नान करना मोक्ष प्राप्त करने के लिए आवश्यक माना जाता है। हर 144 वर्ष बाद यहां महाकुंभ का आयोजन होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पृथ्वी का एक वर्ष देवताओं का दिन होता है, इसलिए हर बारह वर्ष पर एक स्थान पर पुनः कुंभ का आयोजन होता है। देवताओं का बारह वर्ष पृथ्वी लोक के 144 वर्ष के बाद आता है। ऐसी मान्यता है कि 144 वर्ष के बाद स्वर्ग में भी कुंभ का आयोजन होता है इसलिए उस वर्ष पृथ्वी पर महाकुंभ का अयोजन होता है। महाकुंभ के लिए निर्धारित स्थान प्रयाग को माना गया है। प्रयागराज का उल्लेख भारत के धार्मिक ग्रन्थों वेद, पुराण, रामायण और महाभारत में भी मिलता है। गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का यहां संगम होता है, इसलिए हिन्दुओं के लिए इस शहर का विशेष महत्त्व है।

**प्रमुख स्नान पर्व**

- **पौष पूर्णिमा- 6 जनवरी 2023**
- **मकर संक्रांति-14 या 15 जनवरी 2023**
- **मौनी अमावस्या 21 जनवरी 2023**
- **26 जनवरी बसंत पंचमी पर चौथा स्नानं।**
- **माघी पूर्णिमा- 5 फरवरी 2023**
- **महाशिवरात्रि- 16 फरवरी 2023**

शाही और पवित्र स्नान

मकर संक्राति से प्रारम्भ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाले इस महाकुम्भ में वैसे तो हर दिन पवित्र स्नान है फिर भी कुछ दिवसों पर खास स्नान होते हैं। ऐसे मौकों पर साधु संतों की गतिविधियां तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र होती है। कुम्भ के मौके पर तेरह अखाड़ों के साधु-संत कुम्भ स्थल पर एकत्र होते हैं। प्रमुख कुम्भ स्नान के दिन अखाड़ों के साधु एक शानदार शोभायात्रा के रूप में शाही स्नान के लिए निकलती हैं। भव्य जुलूस में अखाड़ों के प्रमुख महंतों की सवारी सजे धजे हाथी, पालकी या भव्य रथ पर निकलती हैं। उनके आगे पीछे सुसज्जित ऊँट, घोड़े, हाथी और बैंड़ भी होते हैं। संगम की रेती पर निकलती इस यात्रा को देखने के लिए लोगों के हुजूम इकट्ठे हो जाते हैं। ऐसे में इन साधुओं की जीवन शैली सबके मन में कौतूहल जगाती है विशेषकर नागा साधुओं की, जो कोई वस्त्र धारण नहीं करते तथा अपने शरीर पर राख लगाकर रहते हैं। मार्ग पर खड़े भक्तगण साधुओं पर फूलों की वर्षा करते हैं तथा पैसे आदि चढ़ाते हैं। यह यात्रा विभिन्न अखाड़ा परिसरों से प्रारम्भ होती है। विभिन्न अखाड़ों के लिए शाही स्नान का क्रम निश्चित होता है। उसी क्रम में यह संगम में स्नान करते हैं।

**कुंभ में स्नान करने के लाभ**

**- कुंभ में स्नान से मिलता है पुण्य।**

**- मनुष्य के पापों का प्रायश्चित होता है।**

**- इंसान की जीवन में बाधाओं का अंत होता है।**

**- कुंडली के दोष खत्म हो जाते हैं।**

**- वृष, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि वालों को विशेष लाभ होता है।**

- विष्णु पुराण में कुंभ के महानता में लिखा गया है कि कार्तिक मास के हजारों स्नानों का, माघ के सौ स्नानों का अथवा वैशाख मास में एक करोड़ नर्मदा स्नानों का जो फल प्राप्त होता है, वही फल कुंभ पर्व के एक स्नान से मिलता है।

इसी प्रकार हजारों अश्वमेघ यज्ञों का फल या सौ वाजपेय यज्ञों का फल और पूरी धरती की एक लाख परिक्रमाएं करने का जो फल मिलता है, वही फल कुंभ के केवल एक स्नान का होता है।

**- अथर्ववेद के अनुसार -** महाकुम्भ बारह वर्ष के बाद आता है, जिसे हम कई बार प्रयागादि तीर्थों में देखा करते हैं। कुम्भ उस समय को कहते हैं जब आकाश में ग्रह-राशियों का अद्भुत योग देखने को मिलता है।

- यजुर्वेद में बताया गया है कि कुंभ मनुष्य को इस लोक में शारीरिक सुख देने वाला और हर जन्म में उत्तम सुखों को देने वाला है।

- अथर्ववेद में ब्रह्मा ने कहा है कि हे मनुष्यों! मैं तुम्हें सांसारिक सुखों को देने वाले चार कुंभ पर्वों का निर्माण कर चार स्थानों हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में प्रदान करता हूं।

मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना एवं उपासना का पावन व्रत है, जो तन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है। इस दिन प्रयाग में पावन त्रिवेणी तट सहित हरिद्वार, नासिक, त्रयंबकेश्वर, गंगा सागर में लाखों-करोड़ों आस्थावान डूबकी लगाते हैं। इसके साथ ही शुरु हो जाता है धैर्य, अहिंसा व भक्ति का प्रतीक कल्पवास। पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा एवं मकर संक्रांति से कुंभ संक्रांति तक लाखों श्रद्धालु प्रभु दर्शन का भाव लिए की आस में भजन-पूजन के जरिए 33 कोटि देवी-देवताओं को साधने के लिए कल्पवास करते है।

कल्पवास का अर्थ कायाशोधन अथवा कायाकल्प है। सुख-सुविधा से परे, घर-परिवार व नाते-रिश्तेदारों दूर हजारों गृहस्थ गंगा की रेती पर धूनी रमा कर तप करते हैं।

# भारत जोडो से कांग्रेस कितनी जुड पायी



राज कुमार सिंह

राहुल गांधी की भारत जोडो. यात्रा अंतिम चरण में है। 26 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में समाप्त होनी है। अब जबकि यात्रा अपना दो-तिहाई से ज्यादा सफर तय कर चुकी है, स्वाभाविक सवाल इसकी सफलता को ले कर है। भारत जोडो. यात्रा के उद्देश्य बताये जो भी जायें , पर मुख्य मकसद राहुल की छवि बनाना और हताश कांग्रेस को एकजुट कर उसमें उत्साह का संचार करना ही था। कन्याकुमारी से राहुल भारत जोड.ने की यात्रा पर निकल रहे थे, तोखुद कांग्रेस बिखर रही थी। दशकों तक आलाकमान के करीबी रहे गुलाम नबी आजाद ने सीधे राहुल की कार्य शैली पर प्रहार करते हुए कांग्रेस को अलविदा कह जम्मू-कश्मीर में अपना अलग क्षेत्रीय दल बना लिया, तो चुनाव पूर्व शपथ पत्र देने के बावजूद गोवा में पार्टी के आठ विधायक भाजपा में चले गये। बेशक, कांग्रेस में जी-23 का अगुवा बन कर आंतरिक लोकतंत्र के नाम पर आलाकमान को ही चुनौती देनेवाले गुलाम नबी का अलग रास्ता तय ही माना जा रहा था। अतीत के अनुभव के मद्देनजर गोवा में सत्ता से वंचित रहने पर कांग्रेस विधायकों का पाला बदल भी अस्वाभाविक नहीं था। आलाकमान ने जीतने पर पार्टी न बदलने के शपथ पत्र के अनूठे प्रयोग के जरिये उससे बचने की कोशिश की , पर राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं किसी शपथ पत्र की बंधक कहां रहती हैं? तमिलनाडु में तो कांग्रेस दशकों से क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों के सहारे राजनीति कर रही है, लेकिन अमेठी से आशंकित राहुल गांधी ने जिस केरल को लोकसभा चुनाव लड.ने के लिए चुना और जीते भी, वहां कांग्रेस में गुटबाजी पर विराम लगाने में भारत जोडो. यात्रा सफल नजर नहीं आयी। केरल में दो ध्रुवीय राजनीति है। एक ध्रुव वाम मोर्चावाला एलडीएफ है तो दूसरा कांग्रेसनीत यूडीएफ। केरल कांग्रेस में गुटबाजी की बीमारी पुरानी है। कभी के.करुणाकरण और ए. के. एंटनी गुट होते थे। बाद में ओमन चांडी और रमेश चेन्निथला गुट भी हो गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद केरल में गुटबाजी और तेज हो गयी है। कर्नाटक के दिग्गज मल्लिकार्जुन खड.गे को केरल के सांसद शशि थरूर ने चुनौती दी, जिसे उनके विरोधी आलाकमान को चुनौती बता रहे हैं। जाहिर है, चुनाव खड.गे ही जीते, जिनके साथ गांधी परिवार का आशीर्वाद था। राजनयिक से राजनेता बने थरूर महत्वाकांक्षी हैं। खड.गे से भारी अंतर से हार जाने के बाद उन्हें कांग्रेस की राजनीति में दरकिनार कर दिये जाने की आशंका है। इसलिए वह स्वयं को दक्षिण भारत में कांग्रेस का चेहरा बनाने के लिए मुहिम चला रहे हैं, जो स्वाभाविक ही दूसरे नेताओं को रास नहीं आ रही। केरल में कांग्रेस बेहतर चुनावी प्रदर्शन ही नहीं, अगली बार राज्य में सत्ता की आस भी रखती है। राहुल ने छोटे से केरल में 18 दिन गुजारे। फिर भी गुटबाजी पर विराम लगा पाने में नाकामी शुभ संकेत तो हरगिज नहीं है। कर्नाटक दक्षिण भारत का दूसरा ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस बेहतर चुनावी प्रदर्शन की उम्मीद कर सकती है। वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत के आंकडे. से पिछड. जाने पर वहां जनता दल सेक्यूलर और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी थी, लेकिन भाजपाई सेंधमारी के चलते साल भर बाद ही गिर गयी। येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी, लेकिन दो साल बाद बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री बनाये गये। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस मात्र एक सीट पर सिमट गयी थी, पर इसी साल होनेवाले विधानसभा चुनाव में उसे सत्ता में वापसी की आस है, लेकिन वहां भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश अध्यक्ष डी. के. शिव कुमार के बीच गुटबाजी चरम पर है। राहुल की यात्रा ने सर्वाधिक 21 दिन वहां दिन गुजारे, दोनों नेता उनके साथ भी चले, पर गुटबाजी नहीं मिट पायी। हाल ही में खुद खड.गे ने कर्नाटक कांग्रेस की तीन घंटे तक चली एक बैठक में गुटबाजी पर चिंता जताते हुए दोनों नेताओं से मिल कर चुनावी तैयारियों में जुटने की अपील की। राजस्थान में भी इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा से सत्ता छीन कर कांग्रेस ने वहां सरकार तो बना ली, पर आंतरिक गुटबाजी से उसे निजात आज तक नहीं मिली है। जुलाई-अगस्त, 2020 में जब पूरा देश कोरोना के आतंक से जूझ रहा था, सचिन पायलट के बागी तेवरों ने अशोक गहलोत सरकार को ही संकट में डाल दिया था। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत से कमलनाथ सरकार गंवाने वाले कांग्रेस आलाकमान ने समय रहते पायलट को समझा-बुझा कर राजस्थान का वह संकट टाला। 18 दिन राजस्थान में रही भारत जोडो. यात्रा में गहलोत और पायलट मुस्कराते हुए राहुल के साथ चले, पर असली परीक्षा तो चुनावी समर में ही होगी। सिंधिया के भाजपा में चले जाने के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार तो गिर ही गयी, गुटबाजी भी लगभग समाप्त हो गयी। वहां भी इसी साल के आखिर में चुनाव होंगे। पिछली बार भाजपा से सत्ता छीननेवाली कांग्रेस अपनी निर्वाचित सरकार गिराने का बदला ले पायेगी—इस सवाल का जवाब चुनाव में ही मिल पायेगा। छत्तीसगढ. तीसरा राज्य था, जहां 2018 में कांग्रेस ने भाजपा से सत्ता छीनी थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी. के. सिंहदेव की गुटबाजी कई बार दिल्ली दौड. लगा चुकी है। फिलहाल शांति है, पर उसके स्थायित्व का फैसला आनेवाला समय ही करेगा। हरियाणा में कांग्रेस आठ साल से सत्ता से बाहर है। संतोष की बात है कि 2019 के विधानसभा चुनाव में उसे मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिल गया, लेकिन अगले चुनाव में भी वह भाजपा को कितनी चुनौती दे पायेगी—यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह कितना एकजुट हो पाती है। हरियाणा में कांग्रेस मुख्यतः भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक और विरोधी गुटों में बंटी है। अंतर्कलह के चलते ही पर्याप्त विधायक होने के बावजूद कांग्रेस का राज्यसभा उम्मीदवार हार गया और भाजपा-जजपा समर्थित निर्दलीय कार्तिक शर्माजीत गये। राहुल की यात्रा में कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला सरीखे विरोधी हुड्डा के साथ चलते नजर आये, पर पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधू एवं पूर्व मंत्री किरण चौधरी पहले चरण में तो नदारद ही रहीं। आदमपुर उप चुनाव प्रचार से तो ये तीनों ही नेता दूर रहे। चुनाव से पहले प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री बदल कर कांग्रेस ने पंजाब में जिस तरह खुद को हाशिये पर धकेल दिया, उसकी मिसाल मुश्किल है। तब ट्रंप कार्ड बताये जा रहे चेहरे अब कहां हैं? उसके बाद भी कांग्रेस में मुखर होती रही गुटबाजी पर पूर्ण विराम राहुल की यात्रा की परीक्षा होगी, क्योंकि विधानसभा चुनाव भले ही 2027 में हों, पर लोकसभा चुनाव 2024 में हैं और पंजाब से 13 सांसद चुने जाते हैं।

# क्यों 2023 में महिलाओं को मिलेंगी अधिक नौकरियां



आर.के. सिन्हा

एक मशहूर बिजनेस अखबार ने कुछ दिन पहले यह खबर प्रकाशित कर दी कि भारत के प्राइवेट सेक्टर में नए साल 2023 में महिलाओं की भर्तियों में तेजी आएगी। जब अधिकतर अखबारों तथा खबरिया चैनलों में निराशाजनक खबरों की भरमार रहने लगी है, तब किसी भी इंसान को उपर्युक्त खबर को पढ़कर सुकून तो मिलना ही चाहिए। इसमें कोई शक नहीं है कि किसी भी देश और समाज की पहचान इस बात से ही होती है कि वहां पर महिलाएं कितनी आर्थिक रूप से स्वावलंबी हैं। वे स्वावलंबी तो तब ही होंगी जब उन्हें सही ढंग शिक्षित किया जाएगा और उन्हें रोजगार में पर्याप्त अवसर मिलेंगे। अपने पुरुष साथियों के बराबर दायित्व तथा वेतन भी मिलेगा। बेशक, जिन कंपनियों में महिला मुलाजिम होती हैं वहां पर माहौल सकारात्मक तो रहता ही है। इसलिए किसी दफ्तर का समावेशी होना बहुत जरूरी है। दरअसल लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी), आईटीसी, सिप्ला, प्रॉक्टर एंड गैंबल, एचडीएफसी बैंक आदि ने घोषणा भी कर दी है कि वे 2023 में महिला पेशेवरों को नौकरी देते वक्त कई तरह की सुविधाएं भी देंगे। उदाहरण के रूप में यदि किसी महिला कर्मी के पति या परिवार की किसी अन्य शहर में ट्रांसफर हो जाता है तो उसे भी वहां पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा। मातृत्व अवकाश की समय सीमा भी बढ़ाई जा सकती है। देखिए कोई बच्चों का खेल नहीं है एक कार्यशील महिला का होना। कार्यशील महिलाओं को घर के भी तमाम काम तो करने ही पड़ते हैं। आमतौर पर दफ्तर से घर आने के बाद हमारे यहां अब भी पति देव तो टीवी देखने में ही समय बिताने लगते हैं। पर कार्यशील महिला को यह छूट नहीं है। उसे रसोई भी देखनी होती और अपने बच्चों को पढ़ाना भी होता है। उसे ही बच्चों के स्कूल में पेरेंट्स टीचर्स मीटिंग में भी हाजिरी देनी होती है। इस लिहाज से प्राइवेट सेक्टर उन्हें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं देकर बहुत उपकार करेगा। बेशक, अब महिलाएं भारतीय कार्यबल का एक अभिन्न अंग बनाती हैं। फैक्ट्री ऐक्ट (कारखाना अधिनियम) 1948, सेक्शन (खंड) 66(1)(बी), के अनुसार किसी भी महिला को किसी भी कारखाने में 6 बजे सुबह से लेकर शाम 7 बजे के बीच के समय के अलावा काम करने की अनुमति नहीं है। इस कानून का सख्ती से पालन होना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई हो। इसी तरह से बीड़ी और सिगार वर्कर (रोजगार की शर्तें) ऐक्ट 1966, सेक्शन (धारा) 25 के अनुसार किसी भी महिला को 6 बजे सुबह से लेकर शाम 7 बजे के बीच के समय के अलावा औद्योगिक परिसर में काम करने की अनुमति नहीं है। इस बीच, भारत के आई.टी. सेक्टर में महिला पेशेवरों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो, टैक महिंद्रा, इंफोसिस और माइंडट्री जैसी भारत की चोटी की आई टी कंपनियों में 31 दिसंबर, 2021 तक 10 कर्मचारियों में कम से कम 3 महिलाएं यानि कुल कार्यबल का ३० प्रतिशत थीं। भारत की प्रमुख आई.टी. सेवा कंपनी टीसीएस में महिला कर्मचारियों की संख्या लगातार औसतन 40 प्रतिशत के आसपास चल रही है। वहीं इन्फोसिस में महिला कर्मचारियों की संख्या भी 40 प्रतिशत है। अब भी हमारे यहां कई प्रतिभाशाली महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी छोड़ देती हैं। मां बनने के बाद दो-तीन साल का समय काफी मुश्किल भरे होते हैं। कैसे अपने बच्चे को घर पर छोड़ने के विचार से उनकी हिम्मत टूट जाती है। इस स्थिति को देखते हुए अब कंपनियों ने दफ्तर में ही क्रेच सुविधा देनी चालू कर दी है। अगर हो सके तो कंपनियों को अपनी महिला कर्मियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देते हुए उदारता का परिचय भी देना चाहिए। हां, कंपनियां अपनी वर्क फ्रॉम होम सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं को हफ्ते-दस दिनों में एक बार दफ्तर रिव्यू के लिए बुला ही सकते हैं। यह सत्य है कि महिला कर्मी अपने दफ्तर के दायित्वों के प्रति ज्यादा ईमानदार और निष्ठावान रहती हैं।इस बीच, सरकार को उन कंपनियों के धूर्त प्रबंधन पर एक्शन लेना चाहिए जो अपनी महिला कर्मियों को मेटर्निटी बेनिफिट देने तक में कोताही बरतते हैं। मेटर्निटी बेनिफिट ऐक्ट 1961, बच्चे के जन्म से पहले और बाद में निश्चित प्रतिष्ठानों में निश्चित अवधि के लिए महिला श्रम को नियंत्रित करता है और मातृत्व लाभ प्रदान करता है। इसके साथ ही भवन एवं अन्य कंस्ट्रक्शन (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 1996 महिला लाभार्थी को मातृत्व लाभ के लिए वेलफेयर फंड (कल्याण निधि) प्रदान करता है। ये सच है कि कार्यशील औरतें अपने काम के साथ पूरा न्याय करती हैं।

# इहलोक से परलोक तक



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आजकल पता नहीं क्या हो रहा है। मौसम बेमौसम बारिश हो जाती है, तो कभी सर्दी के साथ गर्मी का जंबो पैक। लगता है साल के बारह महीनों ने मानो मैच फिक्सिंग कर रखी है। किस दिन और कैसा मौसम रहेगा कोई नहीं बता सकता है। आप सोच रहेंगे होंगे कि मैं कहाँ की लेकर बैठ गया। मौसम की यह बेवफाई हो न हो इंसानों की वफाई की कमी का नतीजा है। जहाँ पेड़ होने थे वहाँ बिल्डिंगें बन गईं। जहाँ बिल्डिंगें बननी थीं वहाँ नेताओं का कब्जा हो रखा है। सही आदमी गलत जगह पर और गलत आदमी सही जगह पर रहकर इस दुनिया का बेड़ा गर्क करने में लगा है। सर्दी के दिनों के लिए भ्रमण की तैयारी की। आने-जाने, खाने-पीने, घूमने-फिरने के लिए जितना रुपया-पैसा खर्च करना था, उतना खर्च किया। कहते हैं न जब किस्मत खराब हो तो गधा पहलवान बन ही जाता है। हमारी किस्मत भी कुछ ऐसी ही थी। रात से जोरदार बारीश होने लगी। रुकने का नाम नहीं ले रही थी। मानो सर्दी ने बारिश को जोरदार तमाचा लगाया हो। उसका रोना बंद नहीं हो रहा था। हमारी सारी योजनाएँ धरी की धरी रह गई। जब तैयारियों पर पानी फिर जाता है तो सबसे पहले पड़ोसी ही चिढ़ाते हैं। मानो पड़ोसी सहायता करने से पहले चिढ़ाने के लिए ही बने होते हैं। रात को सपने में भगवान जी से बात हुई। हमने पूछ लिया – यह बिन मौसम बरसात क्यों करवा दी? आपको हम पर थोड़ी भी दया नहीं आयी? कहीं आप भ्रष्टाचार में तो लिप्त नहीं हो गए। जो देता है उसी की सुनते हैं क्या? हमने आपको कुछ नहीं दिया इसीलिए नाराज होकर कहीं ऐसा तो नहीं कर रहे हैं? इस पर भगवान जी ने कहा – बेटा जितने ईमानदार और सज्जन लोग हैं वे मेरे पास आने से रहे। वे तो स्वर्ग में मजे लूट रहे हैं।

अब मेरे पास जितने भी हैं सारे के सारे भ्रष्टाचारी, बिचौलिए, लूटखोर, डाकू, चोर की मंडली जमा हो गई। उन्हीं को मौसम का जिम्मा दे रखा है। बदमाशों ने मिलकर बादल की टंकी में असमय छेद कर दिया। परिणाम यह हुआ कि बारिश के दिनों में होने वाली बरसात सर्दी के दिनों में हो गई।

**शाकंभरी (संस्कृत शाकंभरी), जिसे शताक्षी भी कहा जाता है, पोषण की देवी है। उन्हें महादेवी का अवतार माना जाता है, और हिंदू धर्म में उन्हें लक्ष्मी और दुर्गा दोनों के साथ पहचाना जाता है। द्रोही असुर दुर्गामासुर ने ऋषियों को वेदों को भूल जाने के कारण पृथ्वी को पोषण से वंचित कर दिया, देवी ने मनुष्यों और देवों को उनकी ताकत बहाल करने के लिए पर्याप्त फल और सब्जियां देने के लिए प्रकट हुई।**

# मां दुर्गा की स्वरूप देवी शाकंभरी माता

हिंदू धर्म में व्रत त्योहारों को बेहद ही खास माना जाता है लेकिन इन सभी में शांकभरी जयंती बेहद ही उत्तम होती है इस दिन मां दुर्गा की स्वरूप देवी शाकंभरी माता की विधिवत पूजा की जाती है और व्रत भी रखा जाता है मान्यता है कि ऐसा करने से देवी प्रसन्न होकर कृपा करती है इस साल शाकंभरी जयंती 6 जनवरी 2023 को पौष पूर्णिमा पर मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां शाकंभरी वरस्पति की देवी मानी जाती है पंचांग के अनुसार पौष मास के शुक्ल पख की अष्टमी तिथि से शाकंभरी नवरात्रि का आरंभ होता है और इस महीने की पूर्णिमा तिथि पर इसका समापन हो जाता है मां दुर्गा का सौम्य रूप मां शाकंभरी है इन्हें सताक्षी नाम से भी जाना जाता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा मां शाकंभरी की पूजा का शुभ समय बता रहे हैं
तो आइए जानते हैं।

**मां शाकंभरी जयंती पूजा मुहूर्त–**
**आपको बता दें कि शांकभरी जयंती को शाकंभरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है इस बार शाकंभरी जयंती 6 जनवरी 2023 दिन शुक्रवार को प्रातः 2 बजकर 14 मिनट से आरंभ हो रही है और इसका समापन अगले दिन यानी की 7 जनवरी को सुबह 4 बजकर 37 मिनट पर हो जाएगा।**

**पूजन की विधि–**

आपको बता दें कि शाकंभरी जयंती के दिन सुबह उठकर स्नान आदि के बाद वस्त्र धारण करें पूजा की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर देवी मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करें अब मां शाकंभरी का स्मरण कर हल्दी, कुमकुम, अक्षत, सुहाग का सामान अर्पित करें माता की आराधना में उन्हें ताजे फल और सब्यिों का भोग लगाएं।

**देवी मां के मंत्रों का जाप करें**
**शाकंभरी नीलवर्णानीलोत्पलविलोचना।**
**मुष्टिंशिलीमुखापूर्णकमलंकमलालया।।**
फिर देवी मां की कथा का पाठ कर उनकी आरती जरूर पढ़ें मान्यता है कि इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को फल, सब्जियों, अन्न आदि का दान करना उत्तम फल प्रदान करता है ऐसा करने से घर में धन धान्य की कमी नहीं रहती है। **–मुकेश ऋषि**

# पौष महीने की पूर्णिमा

**शुक्रवार को पूर्णिमा; विष्णु जी और महालक्ष्मी की पूजा के साथ ही सत्यनारायण भगवान की कथा पढ़ने–सुनने की है परंपरा**

शुक्रवार, 6 जनवरी को पौष मास की पूर्णिमा है। इस दिन पौष माह खत्म होगा और 7 जनवरी से माघ मास शुरू हो जाएगा। पूर्णिमा को भी पर्व माना जाता है। इस तिथि से जुड़ी कई परंपराएं हैं, जिनका पालन करने पर धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है। धर्म-कर्म से नकारात्मक विचार खत्म होते हैं और मन शांत होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा से जानिए पूर्णिमा से जुड़ी कुछ ऐसे परंपराएं, जो पुराने समय से प्रचलित हैं...

**पूर्णिमा पर करें तीर्थ दर्शन और नदी स्नान**
**इस पर्व पर तीर्थ दर्शन और नदी स्नान करने की परंपरा का पालन काफी अधिक लोग करते हैं। इसीलिए गंगा, यमुना, शिप्रा, नर्मदा, अलकनंदा सहित देश की सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। इसके साथ ही पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन करना चाहिए। पौराणिक मंदिर जैसे 12 ज्योतिर्लिंग, 51 शक्तिपीठ, चार धाम आदि।**

**जरूरतमंद लोगों को करें जरूरी चीजों का दान**
अभी ठंड का समय है। इन दिनों में ऊनी वस्त्रों का दान करना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को अनाज, जूते-चप्पल, कपड़े और धन का दान करें। अगर संभव हो तो किसी व्यक्ति को घर में बैठाकर भोजन कराएं या घर के बाहर भोजन का दान करें।

**भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ें और सुनें**
**पूर्णिमा पर सत्यनारायण भगवान की कथा पढ़ने और सुनने की परंपरा काफी अधिक प्रचलित है। सत्यनारायण विष्णु जी का ही एक स्वरूप है। स्कंद पुराण के रेवाखंड में इनकी कथा है। कथा पांच अध्यायों में है, 170 श्लोक हैं और दो विषय हैं। एक विषय है संकल्प न भूलना और दूसरा है प्रसाद का अपमान न करना। सत्यनारायण कथा में बताया गया है कि हमेशा सच बोलें और भगवान के प्रसाद का अनादर न करें। कथा की इन बातों को अपने जीवन में उतारने की कोशिश करनी चाहिए।**

**भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का करें अभिषेक**
पूर्णिमा तिथि पर विष्णु जी और महालक्ष्मी का अभिषेक खासतौर पर करना चाहिए। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करेंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। अभिषेक के बाद भगवान को नए वस्त्र पहनाएं, फूलों से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। मिठाई का भोग लगाएं। आरती करें।

**हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर करें हनुमान चालीसा का पाठ**
**पूर्णिमा की शाम चंद्र उदय के बाद हनुमान जी की पूजा करें। दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप कर सकते हैं। मंत्र जप कम से कम 108 बार करें।**

# भूलकर भी इन दो दिशाओं में मुंह करके ना करें भोजन

**स्त्रों में पूजा-** पाठ के अलावा दैनिक जीवन जीने की विधि का भी उल्लेख है। इनमें भोजन करने के नियम भी शामिल हैं, जो महाभारत, विष्णु पुराण, वामन पुराण व स्कन्द पुराण, वशिष्ठ व पाराशर स्मृति सहित कई ग्रंथों में बताए गए हैं। उन्हीं में से आज हम आपको भोजन के दिशा नियम बता रहे हैं, जिसका पालन नहीं करने पर भोजन प्रेत या आसुरी होने की मान्यता है।

**भोजन करने की सही दिशा**
पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार, भोजन करते समय दिशा का ध्यान जरूर रखना चाहिए। भोजन हाथ- पैर धोने के बाद हमेशा पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके ही करना चाहिए। इस संबंध में विष्णु पुराण में 'प्राङ्मुखोदङ्मुखो वापि' व वसिष्ठ स्मृति में 'प्राङ्मुखन्नानि भुञ्जीत' का जिक्र है, जिसका अर्थ यही है कि भोजन हमेशा पूर्व व उत्तर में मुंह करके ही करना चाहिए।

**दक्षिण व पश्चिम में निषेध**
दक्षिण व पश्चिम दिशा में मुंह करके कभी भी भोजन नहीं करना चाहिए। इस संबंध में वामन पुराण कहता है कि-
**'भुञ्जीत नैवेह च दक्षिणामुखो न च प्रतीच्यामभिभोजनीयम।** यानी दक्षिण की तरफ मुंह करके भोजन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से उसमें राक्षसी प्रभाव आ जाता है। इसी तरह पश्चिमी दिशा में मुंह करके भोजन करना रोग को बुलावा देना माना गया है।

**इसी तरह स्कन्द पुराण के अनुसार-**
**अप्रक्षालितपादस्तु यो भुङ्क्ते दक्षिणामुखः।**
**यो वेष्टितशिरा भुङ्क्ते प्रेता भुञ्जन्ति नित्यशः ।।**
यानी जो पैर धोए बिना खाता है, दक्षिण की ओर मुंह करके व सिर पर वस्त्र लपेटकर भोजन करता है, उसके अन्न को सदा प्रेत ही खाते हैं।

**धन व आयु में होता है लाभ**
पूर्व व उत्तर में मुंह करके भोजन करने से व्यक्ति की आयु व धन में लाभ होता है। इस संबंध में पद्मपुराण में लिखा है कि-
**प्राच्यां नरो लभेदायुर्याम्यां प्रेतत्वमुश्नुते। वारुणे च भवेद्रोगी आयुर्वित्तं तथोत्तरे।।**
यानी पूर्व की तरफ मुख करके खाने से मनुष्य की आयु बढ़ती है। दक्षिण की तरफ मुंह करके खाने से प्रेतत्व की प्राप्ति होती है। पश्चिम की तरफ मुख करके खाने से मनुष्य रोगी होता है और उत्तर की और मुख करके खाने से आयु तथा धन की प्राप्ति होती है।

# 19 साल बाद दुर्लभ संयोग

**5 माह चातुर्मास, 08 सावन सोमवार, 13 माह का साल, मकर संक्रांति से पहले सकट चौथ**

नए साल 2023 में अधिक मास लग रहा है, इसे मलमास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। मलमास के कारण हिन्दू कैलेंडर का यह वर्ष 13 माह का होगा और इसमें सावन 60 दिनों का होगा। 19 साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बना है कि इस बार दो सावन माह, 5 माह का चातुर्मास होगा। मलमास के कारण इस साल 2023 में व्रत और त्योहार देरी से मनाएं जाएंगे। ऐसा दुर्लभ संयोग साल 2004 में बना था। मलमास के कारण व्रत त्योहार की तारीखों में भी फेरबदल हो गया है।

**60 दिनों का होगा सावन माह, 08 सावन सोमवार**
**श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी ने बताया कि अंग्रेजी कैलेंडर का साल 2023 भारतीय पञ्चांग के अनुसार विक्रम संवत 2080 होगा। अंग्रेजी कैलेंडर के आधार पर देखा जाए तो सावन का महीना 60 दिनों का है। 19 साल बाद ऐसा संयोग बना है, जब सावन माह 60 दिनों का है। इस बार 08 सावन सोमवार व्रत पड़ेंगे, जो भगवान शिव की आराधना के लिए उत्तम हैं।**

**05 माह का होगा चातुर्मास**
मलमास के कारण इस साल 2023 में चातुर्मास 5 माह का होगा क्योंकि सावन माह में ही मलमास यानि पुरुषोत्तम माह जुड़ रहा है। भगवान विष्णु पांच माह तक योग निद्रा में रहेंगे, इस वजह से 5 माह तक कोई भी शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश आदि नहीं होगा।

**18 जुलाई 2023 से लगेगा मलमास**
**पंचांग के अनुसार, सावन माह का कृष्ण पक्ष 04 जुलाई से 17 जुलाई तक है। उसके बाद 18 जुलाई से मलमास लग जाएगा। यह 16 अगस्त को मलमास की अमावस्या होगी, जिस दिन अधिक मास का समापन होगा। फिर सावन का शुक्ल पक्ष प्रारंभ होगा, जो 30 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा।**

**कैसे होती है मलमास की गणना?**
पंचांग के आधार पर देखा जाए तो हर तीसरे साल पर एक अधिक माह प्रगट होता है, जिसे मलमास कहते हैं। एक सौर वर्ष 365 दिन और 6 घंटे का होता है, जबकि एक चंद्र वर्ष 354 दिन का होता है। इस तरह से सौर वर्ष और चंद्र वर्ष के अंतर को खत्म करने के लिए हर तीसरे साल पर एक चंद्र मास बढ़ जाता है। यह बढ़ा हुआ मास ही मलमास कहलाता है। मलमास में कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है।

**मलमास के कारण व्रत-त्योहार हो गए पीछे**
देखा जाए तो सामान्य तौर पर मकर संक्रांति का पर्व पहले और सकट चौथ व्रत बाद में होता है, लेकिन इस साल 2023 में सकट चौथ पहले 10 जनवरी को और मकर संक्रांति बाद में 15 जनवरी को है।

**ऐसे ही रक्षाबंधन का त्योहार अगस्त में पहले आता है, लेकिन मलमास होने के कारण इस साल रक्षाबंधन अगस्त के अंतिम सप्ताह में है। इस साल रक्षाबंधन 30 अगस्त को है, जबकि साल 2022 में रक्षाबंधन 11 अगस्त को था।**

**हिंदू वर्ष होगा 13 माह का**
इस साल हिन्दू वर्ष 12 माह नहीं, बल्कि 13 माह का होगा क्योंकि 12 माह में एक माह मलमाल जुड़ जाएगा। इस तरह से इस साल कुल 13 माह होंगे।

## अनमोल वचन

**मुसीबत में अगर मदद मांगना हो तो सोच समझ कर मांगना**
**क्योंकि मुसीबत थोड़ी देर के लिए होती है और एहसान ज़िंदगी भर का !!!**

**ग़लती उसी से होती है जो मेहनत करके कुछ काम करता है,**
**निकम्मों की जिंदगी तो दूसरों की गलतियाँ निकालने में ही चली जाती है !!**

**सब्र कोई कमजोरी नही होती है !**
**ये वो ताकत होती है जो सब में नहीं होती !**

**दुनिया में सबसे सफल इंसान वही है,**
**जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है !**

**जो दर्द तुम आज सह रहे हो,**
**आगे चलकर वही तुम्हारी ताकत बनेगा !**

# मिनी ड्रेस में 38 साल की मोनालिसा के लुक को आम्रपाली दुबे ने बताया 'फायर'

मोनालिसा भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक में राज करती हैं. उनकी अदायगी और अदाएं दोनों ही फेमस है. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अपनी कोई ना कोई फोटोज शेयर करती रहती हैं. अब उन्होंने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिसमें उनकी ग्लैमरस तस्वीरें देखने के लिए मिली है।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर की है, जिसमें देखने के लिए मिल रहा है कि वो मिनी ड्रेस में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें देखने के लिए मिल रही है. उनके इस लुक को देखकर जहां फैंस एक्साइटेड हैं. वहीं, भोजपुरी एक्ट्रेस भी फिदा हैं. मोनालिसा के लुक को देखकर आम्रपाली दुबे ने शॉकिंग रिएक्शन दिया है और उनके लुक को 'फायर' बताया है. एक्ट्रेस के फोटोशूट पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं. इस पर ढेरों लाइक्स मिल रहे हैं.

सोशल मीडिया पर सामने आई फोटोज में अगर मोनालिसा के लुक की बात की जाए तो उन्होंने खुले बाल, मिनी शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं. उनके इस स्टाइलिश लुक को देखकर लोग इस पर खूब लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं. एक ने लिखा, 'आप हमेशा ग्लैमर लगती हैं'. ननद रिया सिंह ने लिखा, 'उफ्फ्फ्फ'. तीसरे ने लिखा, 'आप गॉर्जियस हो'. इसी तरह से लोग उनकी पोस्ट पर खूब कमेंट्स कर रहे हैं. उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं.

मोनालिसा ने कोई पहली बार अपनी ऐसी तस्वीरें नहीं शेयर की है. इससे पहले भी वो अपनी फोटोज को शेयर करती रही हैं और ग्लैमरस अदाओं से इंटरनेट का तापमान बढ़ाती रही हैं. फैंस जमकर कमेंट्स करते हैं।

# पठान कॉन्ट्रोवर्सी पर सेंसर बोर्ड का बड़ा फैसला

## करीब 10 सीन और कुछ डायलॉग्स को बदलने का दिया आदेश

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'पठान' रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी हुई है। बढ़ते विवादों को देखते हुए सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इस फिल्म के करीब 10 सीन को बदलने को कहा है। इसके अलावा कुछ डायलॉग्स को भी चेंज करने को कहा है। दरअसल जब से इस फिल्म का टीजर और सॉन्ग रिलीज हुआ था, तब से इस पर जमकर बवाल मचा हुआ है। कुछ लोगों को फिल्म के सॉन्ग बेशरम रंग के लिरिक्स पर आपत्ती है, तो कुछ को दीपिका पादुकोण की बिकिनी के रंग पर। इन विवादों की वजह से सेंसर बोर्ड ने ये फैसला लिया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म में 'रॉ' शब्द को बदलकर 'हमारे' और 'लंगड़े लूले' की जगह 'टूटे फूटे', 'PM' की जगह 'राष्ट्रपति या मंत्री', 'PMO' शब्द को 13 जगह से हटाया गया है। इतना ही नहीं इसमें 'अशोक चक्र' को 'वीर पुरस्कार', 'पूर्व केजीबी' की जगह इसे 'पूर्व एसबीयू' और 'मिसेज भारतमाता' को 'हमारी भारतमाता' कर दिया गया है। इसके अलावा फिल्म में 'स्कॉच' की जगह 'ड्रिंक' शब्द बोला जाएगा और टेक्स्ट 'ब्लैक प्रिजन, रूस' की जगह अब दर्शकों को केवल 'ब्लैक प्रिजन' नजर आएगा।

**'बेशरम रंग' सॉन्ग के भी हटेंगे कई शॉट्स**

मीडिया रिपोर्ट्स में आगे ये भी बताया गया कि 'पठान' के सॉन्ग 'बेशरम रंग' में दीपिका के साइड पोज को भी हटा दिया जाएगा। इसके साथ ही सॉन्ग की लाइन 'बहुत तंग किया' के वो सभी शॉट्स और विजुअल्स को हटा दिया जाएगा और इसकी जगह कुछ सूटेबल शॉट्स को जोड़ा जाएगा। हालांकि, अभी तक दीपिका के ऑरेंज स्विमसूट (जिसकी वजह से कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है) उसे बदला गया है या नहीं इस पर कंफर्मेशन नहीं आई है।

सेंसर बोर्ड ने इन बदलावों के साथ 'पठान' के मेकर्स को 'U/A' रेटिंग दी है। फिल्म से कितने सेकंड की फुटेज को सेंसर किया गया है इस बारे में भी डिटेल्स नहीं सामने आई हैं, मगर अब फिल्म का रनटाइम 146 मिनट यानी 2 घंटे 26 मिनट हो गया है।

सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने इस बारे में बात करते हुए कहा था कि हमारी संस्कृति और आस्था बहुत समृद्ध है और मैंने पहले भी कहा था कि निर्माताओं और दर्शकों के बीच के विश्वास को सुरक्षित रखना सबसे ज्यादा जरूरी है और निर्माताओं को इस दिशा में काम करते रहना चाहिए।

**पठान से दीपिका का नया लुक आया सामने**

इन सबके बीच दीपिका आज अपना 37वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। उन्हें विश करते हुए शाहरुख खान ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बधाई देते हुए पठान से उनका लुक शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस हाथ में बंदूक लिए नजर आ रही है। इसके साथ ही उनके चेहरे पर चोट के निशान भी नजर आ रहे हैं। अब इस पोस्टर को देखकर लग रहा है कि फिल्म में दीपिका का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलने वाला है।

**काफी दिनों से फिल्म पर चल रहा है विवाद**

पठान का 'बेशरम रंग...' सॉन्ग जब से रिलीज हुआ है, तब से मुसीबत में फंसा हुआ है। इसमें शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने बेहद बोल्ड सीन दिए हैं। इस गाने में दीपिका ने भगवा रंग की बोल्ड ड्रेस पहनी है, इसे लेकर फिल्म को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस सॉन्ग को देखने के बाद लोगों का कहना है कि इस सॉन्ग को सेंसर बोर्ड को पास ही नहीं करना चाहिए था।

**100 करोड़ में बिके हैं पठान के राइट्स**

शाहरुख खान पठान के साथ करीब चार साल बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। शाहरुख इससे पहले 2018 में आई फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे। बतौर लीड वो पठान से धमाकेदार कमबैक करने जा रहे हैं। फिल्म का बजट करीब 250 करोड़ है। फिल्म के मीडिया राइट्स तकरीबन 100 करोड़ में बेचे गए हैं। इस फिल्म में शाहरुख और दीपिका के साथ-साथ जॉन अब्राहम भी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है।

# आरआरआर ने बनाया एक और रिकॉर्ड

## दुनिया के सबसे बड़े थिएटर में हुई स्क्रीनिंग, 98 सेकेंड में बिक गए 932 टिकट

आरआरआर को रिलीज हुए 10 महीने होने को हैं लेकिन अभी भी फिल्म की पॉपुलैरिटी कम होने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म की हाल ही में लॉस एंजिलिस के एक चीनी थिएटर में स्क्रीनिंग की गई। इस थिएटर की खास बात ये है कि ये दुनिया का सबसे बड़ा आइमैक्स थिएटर है जिसमें 932 लोग एक साथ बैठ कर फिल्म देख सकते हैं। आरआरआर के लिए जब टिकट की बुकिंग शुरू की गई तो सिर्फ 98 सेकेंड में पूरी की पूरी टिकट्स बिक गई। फिल्म की स्क्रीनिंग करने वाले आयोजक वियॉन्ड फेस्ट के मुताबिक ये किसी भी इंडियन फिल्म के बेहद ऐतिहासिक पल है। वियॉन्ड फेस्ट ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा, 'ये ऑफिशियल और ऐतिहासिक है कि TCLचाइनीज थिएटर में आरआरआर के सभी टिकट्स सिर्फ 98 सेकेंड में बिक गए। इससे पहले कोई भी इंडियन फिल्म ये उपलब्धि नहीं हासिल कर पाई है क्योंकि इससे पहले आरआरआर जैसी फिल्म भी कभी नहीं बनी।'

एस एस राजामौली के डायरेक्शन में बनी और रामचरण-जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म आरआरआर सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर ही सुपरहिट नहीं थी बल्कि क्रिटिक्स ने भी इस फिल्म को खूब सराहा था। वहीं इसे विदेशों में भी काफी पॉपुलैरिटी मिली है। अमेरिका और जापान में इस फिल्म को सबसे ज्यादा पसंद जा रहा है। इसके गाने नाटू-नाटू (नाचो-नाचो) को ऑस्कर के लिए बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस रेस में हिंदी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी, कन्नड़ फिल्म कांतारा और भारत की ऑस्कर में ऑफिशियल इंट्री छेल्लो शो भी थी लेकिन नॉमिनेशन सिर्फ आरआरआर को मिला है।

# शाहरुख के बेटे आर्यन कर रहे हैं नोरा को डेट?

**सामने आ रही दोनों की एक ही जगह की फोटोज, फैंस लगा रहे डेटिंग के कयास**

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान और नोरा फतेही अपने रयूमर्ड रिलेशनशिप की वजह से सुर्खियों में हैं। दरअसल आर्यन और नोरा हाल ही में दुबई वेकेशन पर गए थे। अब उनके कुछ कॉमन लोगों के साथ की फोटोज सामने आई हैं। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और साथ में वक्त बिताने के लिए दुबई गए थे। हालांकि इन बातों की अभी तक किसी की ओर से भी पुष्टि नहीं हुई है।

आर्यन खान और नोरा फतेही इन फोटोज में एक ही जगह स्पॉट हुए हैं। फोटो का बैकग्राउंड एक जैसा है। उनके साथ नजर आ रहे फैन भी एक ही हैं। हालांकि साथ में आर्यन और नोरा की कोई तस्वीर देखने को नहीं मिली है। सोशल मीडिया यूजर्स इन फोटोज को देखने के बाद तरह-तरह का रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने अनन्या पांडे की चिंता करते हुए लिखा, 'अब अनन्या का क्या होगा?' वहीं कुछ यूजर्स ने आर्यन और नोरा का बचाव करते हुए लिखा, 'दोनों की एक ही फैन के साथ फोटो होने का ये मतलब बिल्कुल नहीं कि ये दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।' शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने हाल ही में अपने पहले प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी थी। इस प्रोजेक्ट के जरिए आर्यन बतौर डायरेक्टर अपने करियर की शुरुआत करेंगे। पोस्ट के जरिए आर्यन ने बताया कि राइटिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है और वो जल्द ही रेड चिलीज प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

### आयरा ने नूपुर शिखरे संग मनाई तीसरी सालगिरह

# बोली-लगता है मैं तुम्हें हमेशा से जानती हूं

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने 18 नवंबर को 2022 को फिटनेस ट्रेनर नूपुर शिखरे से सगाई की थी। सगाई के बाद से ही दोनों बेहद सुर्खियों में हैं। इस बीच आयरा और और नूपुर ने अपने रिलेशनशिप के 3 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद फनी वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों एक-दूसरे के राज खोलते हुए नजर आ रहे हैं।

वीडियो में दोनों ने आंखें बंद किए हुए कई सवालों के जवाब दे रहे हैं। इस दौरान दोनों यह एक्सेप्ट करते हैं कि शिखर ज्यादा रोमांटिक हैं, वहीं शिखर ने ही पहले प्यार का इजहार किया था। कपल चैलेंज के दौरान आयरा ये मानती हैं कि वो ज्यादा पैसे खर्च करती हैं। आयरा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 'हाय क्यूटी, हैप्पी थर्ड जनवरी। यह बात सोचकर मुझे हमेशा हंसी आती है कि मैं तुम्हें बस तीन सालों से जानती हूं। सच कहूं तो मुझे फील होता है कि मैं तुम्हें हमेशा से जानती हूं और हमेशा जानती रहूंगी। मेरी जिंदगी की हर खराब चीज को जोड़ने के लिए शुक्रिया। तुमने मुझे हमेशा बेहतर बनाया है।' नूपुर शिखरे 35 साल के हैं। वो एक सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर हैं। इसके साथ वो स्टेट लेवल टेनिस प्लेयर भी रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो आमिर खान के साथ-साथ सुष्मिता सेन को भी फिटनेस ट्रेनिंग दे चुके हैं। नूपुर और आयरा पिछले कई सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। आयरा, आमिर की पहली पत्नी रीना दत्ता की बेटी हैं। पिता की तरह आयरा का एक्टिंग में झुकाव नहीं है। उन्होंने 2019 में डायरेक्टर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उस समय उन्होंने एक प्ले को डायरेक्ट किया था, जिसका नाम यूरिपिड्स मेडिया था।

# सलमान की हीरोइन आईं गंभीर बीमारी की चपेट में

कहां हैं आजकल स्नेहा उल्लाल

साल 2005 में आई बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'लकी की हीरोइन याद हैं आपको? वही एक्ट्रेस, जो ऐश्वर्या राय बच्चन की तरह दिखती थीं. स्नेहा उल्लाल नाम था उनका, आज कल कहां हैं वो और क्या कर रही हैं वो... कुछ पता है? नहीं, तो चलिए आज हम आपको उनके बारे में कुछ जानकारी देते हैं। फिल्म 'लकी ' में जब स्नेहा उल्लाल जब एक्ट्रेस के रूप में नजर आई थीं, तो उन दिनों सिर्फ यही चर्चा थी कि ये सलमान खान की खोज हैं, क्योंकि उनका उनकी आंखें और उनका चेहरा ऐश्वर्या राय से काफी मिलता-जुलता था. इसमें कोई शक नहीं है कि श्नेहा खूबसूरती में किसी से कम थीं.

स्नेहा की पहली फिल्म 'लकी' का भले ही बॉक्स ऑफिस पर मिलाजुला असर देखने को मिला था, लेकिन इस फिल्म के बाद वह काफी मशहूर हो गई थीं. स्नेहा ने इस 'लकी' के बाद भी बॉलीवुड की दो फिल्में 'आर्यन' और 'जाने भी दो यारों' में नजर आई थीं.

हालांकि स्नेहा की फिल्में बॉलीवुड में कुछ खास कमाल दिखा नहीं पाईं, और फिर उन्हें अपना रुख साउथ सिनेमा की ओर करना पड़ा. साल 2007 से तमिल और तेलुगू फिल्मों में काम करती नजर आ रही हैं. वैसे 'लकी' के बाद से उनकी कोई फिल्म ऐसी नहीं आई, जिससे वह लाइमलाइट में रहतीं. हालांकि साल 2015 के बाद स्नेहा कहीं नजर नहीं आईं और इसके पीछे की बहुत बड़ी वजह थी. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो स्नेहा की तबीयत 2015 के बाद काफी खराब हो गई थी. रिपोर्ट्स की मानें तो वह 4 सालों तक अपने पैर पर खड़ी नहीं हो पाई थीं. स्नेहा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि 2015 के बाद वह लंबी बीमारी से जूझ रही थीं और इसी कराण वह फिल्मों से दूर हो गई थीं. उन्होंने बताया था कि वो ऑक्टोइम्यून डिसऑर्डर बीमारी से जूझ रही थीं और इस बीमारी के कारण वह काफी परेशान हो गई थीं. स्नेहा ने बताया था कि वह ऑक्टोइम्यून डिसऑर्डर के कारण वह 4 सालों तक अपने पैर पर खड़ी नहीं हो पाई थीं. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो अब वह बिलकुल अच्छी हैं और पिछले ही साल उनकी फिल्म भी रिलीज हो चुकी है. एक्ट्रेस की एक फिल्म 'लव यू लोकतंत्र पिछले साल रिलीज हुई थी, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, अली असगर, ईशा कोप्पिकर, सपना चौधरी, मनोज जोशी, रवि किशन, अमीत कुमार, रिदोआनुल हक सियाम और रोहित सिंह मटरू नजर आए थे. इसके अलावा स्नेहा अपने सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम अकाउंट पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अफनी तस्वीरें यहां शेयर कर, फैंस को अपना अपडेट देती रहती हैं।

# क्या बोल गईं उर्फी जावेद

## फैंस मेरा...नाच जारी रहेगा

एक बार फिर इस समय उर्फी जावेद सुर्खियों में बनी हुई हैं. पूरे कपड़ों के साथ मास्क तो कभी भगवा शॉर्ट ड्रेस. अब उनका एक और वीडियो सामने आया है. इसमें वे ग्रे कलर शार्ट स्कर्ट और बैकलेस टॉप में नजर आ रही हैं. इस दौरान पैपराजी के एक सवाल पर पहले उन्होंने अजीब सा रिएक्शन दिया इसके बाद जो जवाब दिए, उसे सुनकर सभी के होश उड़ गए। उर्फी हमेशा ही अपने आउटफिट्स को लेकर चर्चा में रहती हैं. कई बार वे इस कारण विवादों फंस जाती हैं. उर्फी पर जब सवाल उठाए जाते हैं तो वे उस पर बेबाकी से जवाब भी देती हैं. ऐसा ही बेबाक अंदाज हाल ही एयरपोर्ट नजर आए. अब सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

उर्फी का जो वीडियो सामने आया है, उसमें वे एयरपोर्ट की तरफ जाती दिख रही हैं. वहां मौजूद पैपराजी में से जब एक शख्स ने पूछा, 'उर्फी मैम सब आपको बेहद प्यार करते हैं, इस पर फैंस को क्या कहना चाहेंगी.' इस पर उर्फी पहले तो अजीब से एक्सप्रेशन दिए. इसके बाद उन्होंने कहा, 'प्यार का तो पता नहीं लेकिन मेरा नाच जारी रहेगा.' यह सुनकर पैपराजी के कान खड़े हो गए. इसके बाद उर्फी हंसते हुए जाने लगीं. इस पर पीछे से एक फोटोग्राफर ने कहा कि हमारे लिए तो दिल से प्यार है आपके लिए. इस पर उर्फी 'थैंक यू' बोलते हुए चली गईं.

फिलहाल उर्फी का इस तरह से कमेंट करना लोगों को समझ नहीं आ रहा है. लोगों को लग रहा है कि उर्फी को समझ नहीं आ रहा कि वे क्या बोल रही हैं. बता दें कि हाल ही भाजपा नेत्री ने भी उर्फी की शिकायत की थी।

# माफिया अतीक अहमद की पत्नी ने थामा बसपा का दामन

## पूर्व सांसद ने दिलाई सदस्यता

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद की जेल में बंद माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने गुरुवार को बसपा की सदस्यता ग्रहण की। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरवार ने उन्हें बसपा की सदस्यता दिलाई।

अलोपीबाग स्थित सरदार सेवा संस्थान में आयोजित बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में अतीक की पत्नी शाइस्ता परवनी बसपा की सदस्यता ली। कार्यकर्ता सम्मेलन में बहुजन समाज पार्टी के पूर्व सांसद घनश्याम चंद खरवार ने शाइस्ता को बसपा की सदस्यता दिलाई। शाइस्ता परवीन ने बताया कि वह सदस्यता लेने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती से मिलने लखनऊ जाएंगी।

**बसपा बना रही नया समीकरण**

बहुजन समाज पार्टी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अब निकाय चुनाव से एक अलग समीकरण तैयार करना चाहती है। बसपा निकाय चुनाव में दलित-मुस्लिम के समीकरण पर निशाना साध रही है। इसी क्रम में बसपा ने पहले सहारनपुर में इमरान मसूद की मत्नी को उम्मीदवार बनाया और अब अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता को महापौर का टिकट थमाकर मुस्लिम वोटबैंक पर निशाना साध रही है।

अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले आल इंडिया मजलिसे इत्ताहेदुल मुस्लेमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदउद्दीन ओवैसी ने लखनऊ में पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। इसके बाद उनके शहर पश्चिमी से चुनाव लड़ने की भी हवा उड़ी तो पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार भी घोषित किया लेकिन शाइस्ता चुनाव के मैदान में नहीं कूदीं। शाइस्ता परवीन ने एक महीने पहले ही मायावती से मुलाकात करके महापौर का चुनाव लड़ने के एलान किया था। हालांकि उनकी मायावती से अबतक मुलाकात नहीं हो सकी हैं लेकिन उन्होंने बताया कि वह सदस्यता लेने के बाद मायावती से मिलने जाएंगी।

**अतीक और शाइस्ता ने की थी योगी की तारीफ**

बाहुबली अतीक अहमद 20 अक्तूबर को लखनऊ में एक मामले पर पेशी पर आए थे, जहां उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहादुर और ईमानदार सीएम हैं। इसके कुछ दिनों के बाद ही अतीक की पत्नी शाइस्ता ने भी प्रयागराज में प्रेसवार्ता कर के योगी की तारीफ की थी। इसी प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने महापौर पद पर चुनाव लड़ने की भी घोषणा की थी। अतीक अहमद ने वर्ष 1989 से राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। पहली बार वह इलाहाबाद पश्चिम विधानसभा सीट से निर्दल उम्मीदवार के रूप चुनाव में कूदे और पहली बार ही विधायक चुने गए। उन्होंने कांग्रेस के गोपालदास को 8102 वोट से हराया।

इसके बाद अतीक अहमद ने इसी सीट से 1991 और 1993 का चुनाव भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीता।

# रालोद-भाकियू का साथ, मजबूत हुआ हाथ

## पश्चिमी यूपी की राजनीति होगी प्रभावित

बागपत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा को रालोद व भाकियू का साथ मिला तो हाथ मजबूत होने लगा। जिस तरह से जाटलैंड में यात्रा के प्रवेश करने पर रालोद व भाकियू नेता जुड़े, उससे पश्चिम उप्र की राजनीति पर असर पड़ सकता है। क्योंकि अब विपक्षियों का सहयोग मिलने पर कांग्रेस अपनी जमीन तैयार करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में भरपूर जोश दिखा। वहीं बागपत में पहली बार आए राहुल गांधी को देखने के लिए लोग काफी उत्साहित दिखे। गांवों में ग्रामीण कड़ाके की ठंड में भी सड़क पर डटे रहे।

मवीकलां गांव से बुधवार सुबह भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई तो कड़ाके की ठंड पड़ रही थी, लेकिन राहुल गांधी को देखने की उत्सुकता के कारण लोग सड़कों पर खड़े रहे। वहीं राहुल गांधी के साथ आई भीड़ को देखकर सियासाा गलियारों में चुनावी चर्चाएं भी शुरू हो गई। पश्चिमी यूपी में राहुल की यात्रा को भारी समर्थन मिला है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस यात्रा को वेस्ट यूपी की राजनीति पर भी असर जरूर नजर आएगा।

यूपी में कांग्रेस की यात्रा की शुरूआत होने पर जहां सपा व बसपा ने शुभकामनाएं संदेश दिए तो भाकियू ने यात्रा में शामिल होने का ही एलान कर दिया। बागपत में यात्रा पहुंचने से पहले रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने जिस तरह रालोद नेताओं के उसमें शामिल होने की बात कही तो यात्रा में हाथ को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई। जिसका असर जाटलैंड के बागपत में यात्रा के पहुंचने पर दिखाई भी दिया और रालोद नेताओं के साथ ही काफी कार्यकर्ता यात्रा में पहुंचे। इससे कांग्रेस को बड़ी संजीवनी मिलने की उम्मीद है।

**पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कही बड़ी बात**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा का यूपी में बड़ा फायदा मिल रहा है और रालोद, सपा, बसपा व भाकियू ने जिस तरह से सहयोग दिया है। उसका अलग ही असर दिख रहा है। रालोद के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कुलदीप उज्ज्वल मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा का कांग्रेस को यूपी में फायदा जरूर मिलेगा। रालोद हमेशा किसान, मजदूर, गरीब वर्ग की आवाज उठाता रहा है और राहुल गांधी भी उनके मुद्दों को उठा रहे हैं तो इस वर्ग के लोग उनके साथ जुड़ सकते हैं।

**कांग्रेस ने वर्ष 2019 में पिता-पुत्र के सामने नहीं उतारा था प्रत्याशी**

कांग्रेस का भले ही वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में रालोद, सपा, बसपा के साथ गठबंधन नहीं था। लेकिन कांग्रेस ने तब रालोद, सपा, बसपा के बागपत से गठबंधन प्रत्याशी जयंत चौधरी व मुजफ्फरनगर से प्रत्याशी उनके पिता अजित सिंह के सामने प्रत्याशी नहीं उतारा था।

इस तरह रालोद को लेकर कांग्रेस पहले से अपनापन दिखाती रही है तो अब रालोद भी उसके सहयोग में पीछे नहीं है।

## डॉक्टर ने जिस महिला को बताया मृत

### वो अंतिम संस्कार से पहले हो गई जिंदा, घर पहुंचकर पी चाय

फिरोजाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के निजी ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान चिकित्सक ने महिला को मृत बताकर परिजन को सौंप दिया। उधर, महिला की मौत की सूचना मिलने पर गांव में नाते-रिश्तेदार जुट गए। दाह संस्कार की तैयारी होने लगी। इधर, जब परिजन महिला को घर लेकर जा रहे थे, तभी मक्खनपुर के पास उसे होश आ गया। घर पहुंचने पर गोदान कराने के साथ ही उन्हें चाय पिलाई। हालांकि बुधवार की सुबह महिला की मौत हो गई। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया।

थाना जसराना क्षेत्र के गांव विलासपुर निवासी सुघर सिंह की पत्नी हरिभेजी (81) की तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उन्हें 23 दिसंबर को फिरोजाबाद के निजी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था। परिजन और डॉक्टर उनकी देखरेख कर रहे थे। मंगलवार को डॉक्टर ने परिजनों से कहा कि मरीज की सांसें थम गई हैं। उनका दिल और दिमाग डेड हो गया है। यह कहकर मरीज को घर ले जाने को कहकर छुट्टी कर दी।

परिजनों ने महिला को मृत मानकर रिश्तेदारों को सूचना दे दी। इसके बाद परिजन महिला को लेकर घर वापस जा रहे थे कि तभी मक्खनपुर के पास गाड़ी को झटका लगने पर महिला की सांसें लौट आईं। महिला को इस दौरान उल्टी होने के साथ ही होश आ गया। परिजन यह देख खुश हो गए। वे महिला को सीधे घर ले गए। जहां उनकी सेवा की। हालांकि बुधवार को सुबह महिला की मौत के बाद परिवारवालों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

हरिभेजी के पुत्र सुग्रीव सिंह यादव ने बताया कि अस्पताल से घर लाते समय अचानक उनकी मां की सांसें लौट आईं। सांसे लौटने पर परिजनों ने खुशी में उनको चाय पिलाने के साथ ही गोदान की प्रक्रिया पूरी कराई। गोदान के बाद हरिभेजी की सांसें फिर थम गईं।

## सिरफिरे आशिक ने स्कूटी से जा रही युवती के मुंह पर फेंका टॉयलेट क्लीनर

### चेहरा बिगाड़ने की दे रहा था धमकी

आगरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के आगरा में एक सिरफिरे आशिक ने स्कूटी से जा रही युवती के मुंह पर टॉयलेट क्लीनर फेंक दिया। लड़की ने हेलमेट पहना हुआ था, इस वजह से उसका चेहरा बच गया पर स्कूटी से गिरने की वजह से उसके हाथ पैरों में चोट आई है। युवती ने बताया कि आरोपी युवक उसका चेहरा तेजाब से जलाना चाहता था। लंबे समय से वह उसे फोन करके परेशान कर रहा था। पुलिस युवक के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

थाना सदर क्षेत्र की रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि वह 2018 में बीकॉम कर रही थी। उसी के इलाके में रहने वाले सौरव शर्मा ने भी उसके साथ बीकॉम की परीक्षा दी थी। इस दौरान उसने मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद वह लगातार फोन करने लगा और बातचीत होने लगी। लेकिन जब उसकी बातचीत अजीब होने लगी तो उसने युवक से दूरी बना ली। इसके बावजूद भी वह उससे बात करने की कोशिश करने लगा। सौरभ बौखला गया और लगातार उसका पीछा करने लगा।

बुधवार को युवती स्कूटी से कहीं जाने लगी तभी उसके पीछे सौरव शर्मा भी स्कूटी लेकर आ गया। उसने रास्ते में युवती की स्कूटी में टक्कर मार दी और अश्लीलता करने लगा। विरोध करने पर उसने बोतल से एक तरल पदार्थ निकाला और उसके ऊपर फेंक दिया। घबराकर वह शोर मचाने लगी आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मौका देखकर सौरभ भाग गया। लड़की हेलमेट पहनी थी जिससे वह बच गई।

## पिंजरा लगाया लेकिन जाल में नहीं फंसा 'तेंदुआ'

### आगरा और मेरठ से नोएडा पहुंची थीं टीमें

नोएडा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अजनारा ली गार्डन सोसायटी के निर्माणाधीन बिल्डिंग में मंगलवार को नजर आया तेंदुए जैसा जानवर बुधवार शाम तक पकड़ा नहीं जा सका है। इसकी वजह से पूरे इलाके में दहशत है। शाम होने से पहले ही लोग घरों में कैद हो जा रहे हैं। तेंदुए को पकड़ने के लिए मंगलवार देर शाम मेरठ और आगरा से टीमें पहुंची और सर्च अभियान चलाया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इस बिल्डिंग के चारों तरफ वन विभाग की टीम ने जाल लगाकर कवर कर दिया है। शाम को पिंजरा भी लगाया गया। सेक्टर 16बी स्थित अजनारा ली गार्डन के निर्माणाधीन बिल्डिंग में पहली बार तेंदुआ देखे जाने की पुष्टि सुरक्षाकर्मियों ने गुरुवार देर रात की थी। वन विभाग की टीम ने तेंदुए की तलाश में सर्च अभियान चलाया लेकिन किसी जंगली जानवर के पैरों के निशान मिलने तक की भी पुष्टि नहीं हो सकी।

# तलाकशुदा मुस्लिम महिला को जीवनभर गुजारा भत्ते का हक

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को इद्दत काल ही नहीं, दूसरी शादी करने तक या जीवनभर अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। गुजारा भत्ता इतना हो कि महिला तलाक से पहले जैसे जीवन बिता रही थी, उसी तरह रह सके। न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी और न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने बुधवार को यह फैसला जाहिद खातून नामक महिला की अपील को मंजूर करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा कि पवित्र क़ुरआन शरीफ़ भी शौहर को तलाक के बाद अपनी बीवी का खयाल रखने का आदेश देती है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिला तलाक अधिकार संरक्षण कानून 1986 की धारा 3 (2) के तहत तलाकशुदा महिला अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने के लिए मैजिस्ट्रेट के समक्ष अर्जी दाखिल कर सकती है। कोर्ट ने प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, गाजीपुर के केवल इद्दत अवधि तक ही गुजारा भत्ता दिलाने के आदेश को अवैध करार देते हुए रद कर दिया। कोर्ट ने सक्षम मैजिस्ट्रेट को नियमानुसार गुजारा भत्ता व मेहर वापसी पर तीन माह में आदेश पारित करने का आदेश दिया और तब तक शौहर को अपनी तलाकशुदा बीवी को पांच हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया।

याची जाहिद खातून का नूरूल हक ख़ान से निकाह 21 मई 1989 को हुआ था। उसने 28 जून 2000 को जाहिद को तलाक दे दिया और दूसरी शादी कर ली। जाहिद ने अपर मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट कनिष्ठ श्रेणी गाजीपुर के समक्ष धारा 3 मुस्लिम महिला संरक्षण कानून के तहत अर्जी दी। इसे जिला जज ने परिवार अदालत भेज दिया। जाहिद ने धारा 125 सीआरपीसी की अर्जी भी दी। इस पर मैजिस्ट्रेट ने 1500 रुपये प्रतिमाह तलाक से पूर्व अवधि तक का भुगतान का आदेश दिया। इसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी खारिज हो गई। उधर, परिवार अदालत ने सबूत गवाही के बाद इद्दत अवधि तीन माह 13 दिन के लिए 1500 मासिक और 1001 रुपये इद्दत व सामान की कीमत 5000 रुपये देने का फैसला दिया। इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई।

# कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा समेत सात लोगों को एक साल की सजा

भागलपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा समेत सात लोगों को एक साल की सजा सुनाई है। कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा समेत सात लोग विधानसभा चुनाव में मतदान के दौरान काम में बाधा डालने के दोषी पाए गए हैं। बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह की कोर्ट ने सभी को दोषी मानते हुए एक साल की सजा सुनाई है। हालांकि सजा सुनाए जाने के बाद अदालत ने इन्हें प्रोविजनल जमानत दे दी। ये पूरा मामला साल 2020 के विधानसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा को एक साल की सजा एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष जज ने सजा सुनाए जाने के बाद कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा समेत सभी सात दोषियों को प्रोविजनल जमानत दी। समेत सभी सात अभियुक्तों को प्रोविजनल बेल दे दी। सजा सुनाए जाने के दौरान अजीत शर्मा समेत सभी दोषी कोर्ट में मौजूद थे।

विशेष न्यायाधीश ने 2020 के इस मुकदमे में धारा 341 में 15 दिन और धारा 353 के तहत 1-1 साल की सजा और 1,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इस सजा में डिफाल्ट होने पर विधायक समेत बाकी दोषियों को तीन हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। ये मामला तीन नवंबर 2020 का है जब विधानसभा चुनाव के दौरान भीखनपुर इलाके में चलंत मतदान केंद्र के दंडाधिकारी और पुलिस पार्टी को अजीत शर्मा ने समर्थकों के साथ घेर लिया था।

# ऑन द स्पॉट 'समाधान'

## बिहार के मंत्री मदन सहनी ने बताया नीतीश की यात्रा का लक्ष्य

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार में समाज कल्याण मंत्री मदन साहनी ने बीजेपी पर हमला बोला है। सहनी ने बीजेपी की ओर से नीतीश की यात्रा पर सवाल उठाये जाने पर करारा जवाब दिया है। सहनी ने कहा कि बीजेपी सत्ता से बाहर हो गई है। बीजेपी इन दिनों बौखलाहट में है। उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है, इसलिए यात्रा पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम लगातार यात्रा करते रहते हैं। समाधान यात्रा में देखना चाहते हैं कि जनता को क्या परेशानी है। उसका तत्काल समाधान करेंगे। मदन साहनी ने सुधाकर सिंह पर कार्रवाई की अपेक्षा की है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पर दिया गया सुधाकर सिंह का बयान काफी आपत्तिजनक है। हम राजद आलाकमान से उम्मीद करते हैं कि उन पर कार्रवाई करे।

## पांच करोड़ रुपये की चरस के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

बहराइच, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल से चरस की खेप लेकर दिल्ली जा रही महिला तस्कर को एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। चरस की अंतरराष्ट्रीय कीमत पांच करोड़ रुपये आंकी गई है। बुधवार को रुपईडीहा चेक पोस्ट पर नेपाल से आ रही महिला को रोककर तलाशी ली गई। उसने कमर से दो चरस की थैली बांध रखी थी।

वह दिल्ली जाने की फिराक में थी। एएसपी (ग्रामीण) अशोक कुमार ने बताया कि महिला की पहचान हिमाचल प्रदेश के छलालसोसन निवासी माया उर्फ सपना के रूप में हुई।

# बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ने लगाए गंभीर आरोप

## एसपी मीडिया सेल ट्विटर हैंडल पर एक और मुकदमा

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के ऑफीशियल मीडिया सेल के खिलाफ लखनऊ में एक और केस दर्ज हो गया है। बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी डॉ रिचा राजपूत ने शिकायत पत्र में बताया कि उन्हें समाजवादी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जान से मारने और बलात्कार की धमकी दी जा रही है। साथ ही उन्होंने सपा मीडिया सेल पर गाली-गलौज और अश्लील टिप्पणी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। भाजयुमो सोशल मीडिया प्रभारी की तहरीर पर हजरतगंज थाने की पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। भाजयुमो सोशल मीडिया प्रभारी ने अपनी तहरीर में लिखा है कि मैं अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिये चिंतित हूं। मैं मानसिक रूप से प्रताड़ना का सामना कर रही हूं। मुझे इनसे जान का खतरा है। ये कभी भी मेरे रेप जैसी घटना कर जान से मार सकते हैं। अगर मुझे या मेरे परिवार को कुछ होता है तो उसके लिए अखिलेश यादव जिम्मेदार होंगे। पीड़िता ने यूपी पुलिस से दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई की मांग की है। अपनी व परिवार की सुरक्षा के लिए सुरक्षा की भी मांग की है।

**पहले भी हो चुके हैं सपा मीडिया सेल पर मुकदमे**

इससे पहले पेशे से वकील और आरएसएस से जुड़े प्रमोद कुमार पांडेय ने सपा मीडिया सेल पर संघ की शाखाओं को लेकर अभद्र टिपण्णी करने का आरोप लगाते हुए विभूतिखंड थाने में केस दर्ज कराया था। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के खिलाफ अदालत में परिवाद दायर किया था। उन्होंने अपनी शिकायत में सपा मीडिया सेल पर उनके परिवार के सदस्यों के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही सपा मीडिया सेल के खिलाफ महिला पत्रकार समेत दो पत्रकारों ने भी लखनऊ के अलग-अलग थानों में अपनी-अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

# यूपी के डीजीपी बताएं कि कैदियों को सजा में छूट के लिए क्या कदम उठाए गए?: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से राज्य में कैदियों को सजा में छूट का लाभ देने के लिए अब तक उठाए गए कदमों के बारे में विवरण देते हुए अपनी व्यक्तिगत क्षमता के तहत एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य से यह जानकारी देने को भी कहा कि प्रत्येक जिले की जेलों में कितने दोषी हैं? जो समय पूर्व रिहाई के पात्र हैं। पीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा भी शामिल थे।

पीठ ने कहा, इस मामले के फैसले के बाद से कितने मामलों में समय पूर्व रिहाई के लिए विचार किया गया है? शीर्ष अदालत ने राज्य के अधिकारियों के पास समय पूर्व रिहाई के लंबित मामलों का विवरण मांगते हुए यह भी जानना चाहा कि इन पर कब तक विचार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को नोटिस जारी करते हुए पीठ ने आदेश दिया कि पुलिस महानिदेशक को तीन सप्ताह की अवधि के भीतर आवश्यक जानकारी देते हुए अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करना होगा। न्यायालय ने इस मामले में अदालत की सहायता के लिये वकील ऋषि मल्होत्रा को 'न्याय मित्र' नियुक्त किया। इससे पहले शीर्ष अदालत ने एक फैसले में उत्तर प्रदेश में आजीवन कारावास की सजा काट रहे लगभग 500 कैदियों की छूट पर असर डालने वाले कई निर्देश जारी किए थे। फैसले में कहा गया था कि उम्रकैद की सजा काट रहे कैदियों की समयपूर्व रिहाई के सभी मामलों पर राज्य की अगस्त 2018 की नीति के अनुसार विचार किया जाएगा। न्यायालय ने कहा था कि कैदियों को समय से पहले रिहाई के लिए आवेदन जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है और उनके मामलों पर जेल अधिकारियों द्वारा स्वतः विचार किया जाएगा। फैसले में कहा गया था कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पात्र दोषियों की रिहाई के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए और जिन मामलों में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, संबंधित अधिकारियों को एक महीने के भीतर उससे निपटना चाहिए। इसने कहा था कि आजीवन कारावास की सजा पाए सभी पात्र कैदियों की समयपूर्व रिहाई पर चार महीने की अवधि के भीतर विचार किया जाना चाहिए।

# ट्रेन की बोगी पर जिंदा जल गया युवक

कासगंज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कासगंज रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को खौफनाक हादसा हुआ है, जिसे देखकर यात्रियों की रूह कांप गई। प्लेटफार्म संख्या 2 पर खड़ी एक्सप्रेस ट्रेन की बोगी के ऊपर चप्पल उतारने चढ़ा युवक ओएचई लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से युवक धूं-धूं कर जलने लगा। युवक को जिंदा जलता देख रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। तुरंत विद्युत आपूर्ति को बंद कराया गया। इसके बाद रेल कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों से युवक के शरीर में लगी आग को बुझाया। तब तक उसकी जलकर मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को बोगी से नीचे उतारा। उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक कासगंज से फर्रुखाबाद जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर खड़ी थी। इसी दौरान एक महिला यात्री की चप्पल बंदर लेकर भाग गया। बंदर चप्पल लेकर ट्रेन की बोगी पर चढ़ गया। यात्रियों के हल्ला करने पर बंदर ने चप्पल को बोगी के ऊपर ही छोड़ दिया और भाग गया। एक युवक चप्पल उतारने के लिए बोगी पर चढ़ा था। इसी दौरान वह ओएचई लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह जिंदा जलने लगा। उसे बोगी से कूदने तक का मौका नहीं मिला।

विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद अग्निशमन उपकरणों से आग बुझाई गई। विद्युत आपूर्ति बंद होने से ट्रेन संख्या 15037 जोकि कानपुर से कासगंज आती है, उसे बघारी कला स्टेशन के नजदीक रोक दिया गया। यह ट्रेन करीब 35 मिनट खड़ी रही। विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर ट्रेन को रवाना किया गया। इधर, पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाले युवक के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है।

# 'लालू यादव और तेजस्वी के इशारे पर सब हो रहा'

## सुशील कुमार मोदी का सुधाकर सिंह को लेकर दावा

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कई दिनों से बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार अभद्र टिप्पणी की जा रही है। उन पर अब तक पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई भी नहीं हुई है। गुरुवार को बीजेपी नेता और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने इसके लिए लालू और तेजस्वी यादव को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि सुधाकर सिंह जो भी कुछ बोलते हैं वह लालू प्रसाद यादव के और तेजस्वी यादव के इशारे पर बोल रहे हैं।

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पिछले एक महीने से सुधाकर सिंह बोल रहे हैं, अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? कहा कि कोई सत्ता पक्ष का विधायक मुख्यमंत्री के बारे में यह कहे कि वह शिखंडी है, नाइटवॉच है, भिखारी है, ऐसे शब्दों का प्रयोग तो कभी बीजेपी ने नीतीश कुमार के प्रति नहीं किया था। अगर सुधाकर सिंह पर कार्रवाई दो-चार दिनों में हुई भी तो यह दिखावे के लिए होगी।

बीजेपी नेता ने कहा कि 2023 का पूरा साल आरजेडी-जेडीयू के बीच इसी तरीके से चलेगा। तेजस्वी यादव को पता है कि 2025 में वह मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। 2025 में बीजेपी की सरकार बनेगी और 2024 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी। नीतीश की यात्रा पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने हमला करते हुए कहा कि 350 करोड़ का हवाई जहाज इसीलिए तो खरीदा जा रहा है ताकि वह देश की यात्रा कर सकें। जो राज्य गरीब है, जो राज्य विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहा है, कह रहा है कि हमारे राजस्व की स्थिति खराब है। उस राज्य के मुख्यमंत्री 350 करोड़ के हेलीकॉप्टर और जहाज खरीद रहे हैं। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने कई बार बिहार की यात्रा की है। हर बार की यात्रा में वह सीधे जनता से मिलते थे लेकिन यह पहली यात्रा है जहां वे जनता के बीच सभा नहीं कर रहे हैं। सिर्फ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे हैं। नीतीश कुमार जनता के बीच इसलिए नहीं जा रहे हैं कि कोई पत्थर न फेंक दे। शिक्षक अभ्यर्थी नारेबाजी न कर दें। काला झंडा न दिखा दें।

# अमेजन में 18000 कर्मी निकाले जाएंगे, कुल कार्यबल में 6% की कटौती होगी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन 18,000 से अधिक नौकरियों को घटना चाहती है। कंपनी यह कदम लागत में कटौती करने के लिए उठा रही है।कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में कहा कि प्रभावित कर्मियों को 18 जनवरी से इसकी सूचना दी जाएगी। यह कटौती फर्म के लगभग 300,000 मजबूत कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 6% है।अमेजन इनती बड़ी छंटनी की शुरुआत करने वाली नवीनतम बड़ी आईटी कंपनी है। माना जा रहा है कि कंपनी के ग्राहकों ने अपना खर्च बढ़ने के कारण उसमें कटौती का फैसला किया है। जिससे कंपनी को भी छंटनी का फैसला लेना पड़ा। बता दें कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने पिछले साल ही कहा था कि वह अपने कर्मचारियों की संख्या कम करेगी। जेसी ने कहा हम प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए काम कर रहे हैं। और पैकेज प्रदान कर रहे हैं जिसमें सेपरेशन पेमेंट, ट्रांजिशनल हेल्थ इंश्योरेंस बेनेफिट्स और अन्य जगहों पर जॉब प्लेसमेंट समर्थन शामिल हैं,उन्होंने कहा, अमेजन ने अतीत में अनिश्चित और कठिन आर्थिक परिस्थितियों का का सामना किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।हालांकि जेसी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रभावित कर्मचारी कहां स्थित हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि फर्म यूरोप के उन संगठनों के साथ संवाद करेगी जो कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

# 'आयकर का दायरा' बढ़ेगा या 'जीएसटी का भार'

## एफएम के 'पिटारे' में इस बार क्या होगा खास?

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नव वर्ष 2023 के आगाज के साथ ही बाजार व निवेशकों की नजर केंद्रीय बजट 2023-24 और उससे जुड़े संकेतों पर टिक जाएगी। अप्रैल-मई 2023 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पूरे साल का आखिरी बजट होगा। इक्विटी मार्केट के विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने पहले ही बजट से उम्मीदों के मुताबिक अपनी स्थिति का आकलन करना शुरू कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट 1 फरवरी, 2023 को पेश किए जाए जाने की संभावना है। बाजार को नए बजट से सुधारों और कर लाभों की उम्मीदें हैं। बाजार को उम्मीद है कि वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे और मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए विकास की रफ्तार को बनाए रखेंगी।




**बजट 2023 में किसी बड़ी घोषणा से बच सकती है सरकार**

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, हमारी राय है कि सरकार राजकोषीय विवेक को दर्शाएगी और किसी बड़ी कट्टरपंथी घोषणा या सुधारों का सहारा नहीं लेगी। इस बात की उम्मीद है कि केंद्र देश के बुनियादी ढांचा के स्थायी विकास, व्यापक कैपेक्स और विनिर्माण आधारित विकास की मौजूदा रणनीति को जारी रखेगा।

**निवेश आधारित विकास बना रहेगा सरकार का मूलमंत्र**

ब्रोकरेज हाऊस को उम्मीद है कि सरकार पूरे साल के राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4% के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रखने की कोशिश करेगी। उम्मीद है कि प्रमुख उपभोग क्षेत्रों के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के स्थान पर निवेश आधारित विकास सरकार का मंत्र बना रहेगा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुमानों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में सकल कर संग्रह अक्टूबर 2022 तक 16.1 लाख करोड़ रहा है। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 18% की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि FY23 के बजट अनुमानों का 58.4% है। इस तरह से यह एक मजबूत स्थिति है।

# आयकर संरचना में बदलाव की उम्मीद कर रहा बाजार

इस बीच, डेलॉइट इंडिया ने भी आयकर संरचना में कुछ बदलावों को अमलीजामा पहनाने का सुझाव दिया है। डेलॉइट इंडिया का मानना है कि आयकर की 30 प्रतिशत की उच्चतम कर दर को घटाकर 25% किया जाना चाहिए और उच्चतम कर दर की सीमा को 10 लाख रुपये की वार्षिक आय से बढ़ाकर 20 लाख रुपये सालाना कर देनी चाहिए ताकि लोगों की क्रय शक्ति बढ़े।

**महंगाई को देखते हुए धारा80 सी के तहत निवेश की सीमा बढ़ाने पर हो विचार**

धारा 80 सी के तहत निवेश के लिए 1,50,000 की वर्तमान सीमा भी काफी कम है। रहने की लागत और मुद्रास्फीति में वृद्धि को देखते हुए सरकार को इसकी सीमा बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। इससे दोहरा लाभ होगा। डेलोइट इंडिया के पार्टनर तापती घोष ने एक रिपोर्ट में कहा, करदाता अधिक बचत करने के इच्छुक होंगे और कम टैक्स लगने से लाभान्वित होंगे, जिससे विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को पूरा करने के लिए जरूरी आय में वृद्धि होगी।

**वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच आ रहे बजट पर टिकी रहेंगी सबकी निगाहें**

बजट 2023 ऐसे समय में आएगा जब दुनिया भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है। अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि के कारण चिंतित हैं। केंद्रीय बैंकों और सरकारों की ओर से किए गए उपायों के बावजूद मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर बनी हुई है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और एक संभावित मंदी को ध्यान में रखते हुए, डेलॉइट इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.5-7.1% और 2023-24 के लिए 5.5-6.1% की रेंज में जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है।

**बजट 2023 पर परामर्श के लिए कई बैठकें कर चुकी हैं वित्त मंत्री**

बजट 2023 के लिए नीतियां बनाते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को राजनीतिक मजबूरियों के अलावा देश की आर्थिक व्यवस्था को भी ध्यान में रखना होगा। बता दें कि वित्त मंत्री ने अपना बजट पूर्व परामर्श के लिए पिछले महीने कई बैठकें की। इन बैठकों में बड़ी संख्या में उद्योग जगत के विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने लिया। इन बैठकों के दौरान जानकारों ने वित्त मंत्री को बजट से जुड़े जरूरी सुझाव दिए। इन्हीं बैठकों के दौरान होटल के कमरों पर अधिकतम जीएसटी 12% करने का सुझाव भी वित्त मंत्री को दिया गया था। अब इन सुझावों में से कितने को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए बजट 2023 का हिस्सा बनाती हैं यह जानने के लिए बजट सत्र का इंतजार करना पड़ेगा। तब तक अटकलों का दौर जारी रहेगा।

# सेंसेक्स 304 अंक गिरकर 60,353 पर बंद, निफ्टी भी 51 अंक फिसला

मुंबई , 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (5 जनवरी) को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 304 अंक गिरकर 60,353 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 51 अंक की गिरावट के साथ 17,992 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 में से 16 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 14 शेयरों में तेजी देखने को मिली। इससे पहले कल भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। 4 जनवरी को सेंसेक्स 636 अंक गिरकर 60,657 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 189 अंक की गिरावट के साथ 18,042 के स्तर पर आ गया था।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | धनु | में | धनु--- | 05-20 बजे |
| चंद्र- | मिथुन | में | मकर- | 07-22 बजे |
| मंगल | वृष | में | कुंभ - | 09-23 बजे |
| बुध- | धनु | में | मीन... | 10-47 बजे |
| गुरु- | मीन | में | मेष-- | 12-26 बजे |
| शुक्र- | मकर | में | वृष-- | 14-12 बजे |
| शनि- | मकर | में | मिथुन. | 16-13 बजे |
| राहु- | मेष | में | कर्क... | 18-24 बजे |
| केतु- | तुला | में | सिंह... | 20-37 बजे |
| | | | कन्या.. | 21-47 बजे |
| | | | तुला | 00-53 बजे |
| | | | वृश्चिक | 03-04 बजे |

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल-पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- पौष पूर्णिमा **- 04 -37** अहोरात्र
मास - पौष शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **Jan 06**
नक्षत्र -आर्द्रा **- 00 -13** तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - ब्रह्म - **08 - 09 -** तक उप ऐन्द्र
करण- विष्टि **- 15 - 24 -** तक उप- बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,माघ स्नान प्रा.
व्रत -त्योहार - श्री शाकम्भरी ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

**राहुकाल**
**10:59** से
**12:22** तक

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चंचल. | 06:51 - 08:12 | शुभ | रोग | 17:52 - 19:32 | अशुभ |
| लाभ. | 08:12 - 09:35 | शुभ | काल | 19:32 - 21:08 | अशुभ |
| अमृत. | 09:35 - 10:59 | शुभ | लाभ | 21:08 - 22:45 | शुभ |
| काल. | 10:59 - 12:22 | अशुभ | उत्पात | 22:45 - 00:22 | अशुभ |
| शुभ. | 12:22 - 13:45 | शुभ | शुभ | 00:22 - 01:59 | शुभ |
| रोग | 13:45 - 15:08 | अशुभ | अमृत. | 01:59 - 03:36 | शुभ |
| उत्पात | 15:08 - 16:32 | अशुभ | चंचल | 03:36 - 05:12 | शुभ |
| चंचल | 16:32 - 17:52 | शुभ | रोग | 05:12 - 06:51 | अशुभ |

# एयर इंडिया ने डीजीसीए को दी जानकारी

## महिला ने शिकायत वापस ली इसलिए नहीं दी नियामक को जानकारी

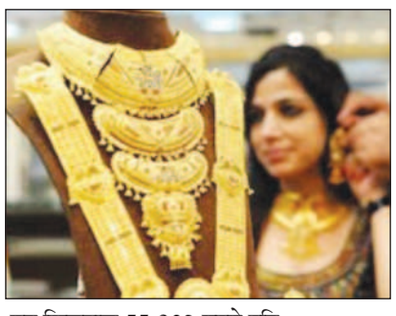



नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एयर इंडिया के विमान में एक यात्री के सहयात्री महिला पर पेशाब करने के मामले में एयरलाइन ने बड़ा बयान दिया है। एयरलाइन ने बताया चूंकि पीड़ित महिला ने कार्रवाई के लिए प्रारंभिक शिकायत वापस ले ली उनके स्टॉफ ने नियामक को इसकी शिकायत नहीं की। एयरलाइन ने कहा कि मामले में पीड़ित महिला और कथित आरोपी के बीच लगता है कि सुलह समझौता हो गया है, इसलिए हमने मामले की रिपोर्ट नहीं की। एयर इंडिया ने डीजीसीए को बताया कि मामले में पीड़ित महिला को उड़ान का पूरा किराया वापस कर दिया गया है।मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया ने गुरुवार को डीजीसीए के 4 जनवरी के नोटिस का जवाब भेजा, जिसमें 26 नवंबर, 2022 की एआई 102 उड़ान में हुई घटना का विवरण दिया गया है। बयान में कहा गया है कि बिजनेस क्लास के अज्ञात आरोपी को एयर इंडिया की आंतरिक समिति की रिपोर्ट आने तक 30 दिनों के लिए उड़ान भरने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

सूत्रों ने एयर इंडिया के जवाब के हवाले से बताया कि समिति ने आवश्यक दस्तावेज हासिल कर लिए हैं और पहली सुनवाई की है। उधर, दिल्ली के पालम पुलिस स्टेशन ने भी मामला दर्ज कर लिया है, जबकि पीड़ित यात्री को फ्लाइट का किराया वापस कर दिया गया है। एयर इंडिया ने डीजीसीए को बताया कि उसके चालक दल के सदस्यों को 26 नवंबर, 2022 को एआई 102 में सवार एक महिला यात्री से शिकायत मिली थी कि एक पुरुष सह-यात्री ने सीट के पास पेशाब कर उसके कपड़े और बैग गंदे कर दिए थे। चालक दल ने महिला यात्री को उसी श्रेणी में एक अलग सीट पर बैठाया और सूखे कपड़े और चप्पलों का एक सेट प्रदान किया। महिला यात्री ने शुरू में अनुरोध किया कि विमान की लैंडिंग के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

हालांकि बाद में उन्होंने अपना अनुरोध वापस ले लिया क्योंकि संभवतः दोनों पक्षों ने आपस मे मामला सुलझा लिया था।

# पिछले पांच दिनों में सोने के भाव में दिखी तेजी

## आज 55794 रु.में मिल रहा 10 ग्राम गोल्ड?

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले पांच दिनों में सोने के भाव में जबरदस्त तेजी दर्ज की जा रही है। एमसीएक्स में सोना पांच दिनों में 750 रुपये से अधिक महंगा हो चुका है। आज भी सोने के भाव में तेजी देखी जा रही है। चांदी की बात करें तो शुरुआती कारोबार में इसमें गिरावट दर्ज की गई है। इसके बाद चांदी के भाव में भी तेजी देखी गई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज के भाव की बात करें तो आज सोना 55,794 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसमें खुलने के साथ ही 0.19 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। वहीं चांदी की बात करें तो मार्केट खुलने के साथ ही इसमें गिरावट दर्ज गई है और यह 0.08 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 69,330 रुपये पर खुला था।सुबह 11:30 बजे की बात करें तो 24 कैरेट सोना तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और यह फिलहाल 55,802 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी की बात करें तो यह फिलहाल तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और सुबह 11:30 बजे यह 69,348 रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। कल की बात करें तो सोना सोना 0।48 फीसदी की तेजी के साथ 55,799 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं चांदी का भाव 0।88 फीसदी यानी 670 रुपये की गिरावट के बाद यह 69,300 रुपये पर बंद हुआ है।आपको बता दें कि भारतीय मार्केट की तरह ही इंटरनेशनल मार्केट में सोने में तेजी और चांदी में गिरावट दर्ज की जा रही है। आज गोल्ड के का हाजिर भाव 1.04 फीसदी बढ़कर 1,856.14 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो यह आज 0.92 फीसदी गिरकर 23।75 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। आपको बता दें दिल्ली के सर्राफा मार्केट में बुधवार को सोने के भाव में तेजी देखी गई है। सोना कल 378 रुपये की बढ़त के साथ 56,130 रुपये प्रति पर बंद हुआ है। वहीं चांदी की बात करें तो दिल्ली में यह कल 47 रुपये की बढ़त के साथ ही 70,675 रुपये पर बंद हुआ है। वहीं मंगलवार को सोना 55,752 रुपये पर बंद हुआ था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस साल 2023 में सोने के दाम 60000 रुपये के पार जाने की उम्मीद है।

# मुकेश अंबानी संभालेंगे ग्रीन एनर्जी का कारोबार

## बच्चों पर होगी रिलायंस के दूसरे बिजनेस की जिम्मेदारी



नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक और एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ग्रीन एनर्जी सेक्टर पर नजर जमा रहे हैं।हालांकि इससे पहले मुकेश अंबानी अपने बच्चों आकाश, अनंत और ईशा को रिलायंस इंडस्ट्रीज की अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपेंगे।बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज कुल 75 बिलियन डॉलर का निवेश ग्रीन एनर्जी में करते वाली है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मुकेश अंबानी का प्लान ग्रीन एनर्जी में फोकस होने के साथ ही गिगा फैक्ट्री और ब्लू हाइड्रोजन फैसलिटी का निर्माण करने का भी है।यह 15 सालों में 75 अरब डॉलर का निवेश करेगी, जिसकी घोषणा एक साल पहले ही की गई थी। वायर एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत के एनर्जी सेक्टर में अरबों डॉलर के निवेश की मांग कर रहा है और मध्य पूर्वी फंड समेत संभावित निवेशकों से संपर्क किया है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि उनकी महत्वाकांक्षा इस सेक्टर में मजबूत करने की है।जैसा कि उन्होंने अपनी मोबाइल फोन कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के साथ किया था। एशिया के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति मुकेश अंबानी को कई उपलब्धियों के लिए जाना जाता है।1990 के दशक में शिपिंग कंटेनरों जुड़े कुछ मुद्दों पर काम किया।इसके बाद ही मुकेश अंबानी ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी पेट्रो केमिकल रिफाइनरी खड़ी करने में कामयाबी दर्ज की।लगभग दो दशक बाद उनकी एक और अपस्टार्ट फर्म भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार ऑपरेटर बन गई।इसके साथ ही उन्होंने अपने बच्चों को रिलायंस इंडस्ट्रीज की जिम्मेदारी भी सौंपी है।

## आपका राशिफल

**मेष** (धू धे धो ला ली लू ले लो ञा)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

**वृष** (ई उ ए जो वा वी वू वे वो)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

**मिथुन** (का की कू घ ड झ के को हा)
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ट पे पो)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं।

**तुला** (स री रु रे से ता तू ते)
अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी ।अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

**वृश्चिक** (तो मा मी मू मे मो य यी यू)
समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें ।अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है ।दिमाग खुला रखें,इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें ।

**धनु** (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे)
अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है ।अपना दिमाग खुला रखें,आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा ।

**मकर** (भे जे जी खी खू खो मा मी)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते ।हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी ।समय आपके लिए चुनौतीभरा हो सकता है

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें ।बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें ।दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो च ची)
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा ।आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# टेस्ला में एलन मस्क की कुर्सी खतरे में

## जानिए कौन बन सकता है उनकी जगह सी ई ओ



नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी टेस्ला के शेयरों में पिछले साल करीब 70 फीसदी गिरावट आई थी। कंपनी ने पिछले साल रेकॉर्ड 13 लाख कारें डिलीवर की थीं लेकिन यह बाजार के अनुमान से कहीं कम है। यही वही है कि कंपनी को लेकर कई तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है। इस बीच चीन में कंपनी के प्रमुख टॉम झू को बड़ा प्रमोशन दिया गया है। उन्हें अमेरिका में टेस्ला के एसेंबली प्लांट्स के साथ-साथ नॉर्थ अमेरिका और यूरोप में सेल्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। अब केवल बर्लिन की गीगाफैक्ट्री ही उनकी जिम्मेदारी से बाहर रह गई है। चीन में पैदा हुआ झू को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उन्हें ऐसे समय प्रमोशन दिया गया है जब ट्विटर के अधिग्रहण के बाद टेस्ला के लिए मस्क की प्रतिबद्धता सवालों के घेरे में है। टेस्ला में मस्क के बाद झू सबसे बड़े अधिकारी हैं। चीन में कंपनी को कोविड लॉकडाउन के दौर में सफलतापूर्वक चलाने का श्रेय उन्हीं को जाता है। टेस्ला के लिए चीन सबसे बड़ा बाजार है। झू साल 2014 में टेस्ला से जुड़े थे। उन्हें काफी मेहनती माना जाता है। साल 2019 में उन्होंने अपने अकाउंट में एक पोस्ट लिखा था, 'मैं बहुत सोना चाहता हूं लेकिन मुझे काम से फुर्सत ही नहीं मिलती है।' टेस्ला को जॉइन करने के बाद वह सार्वजनिक तौर पर कम ही दिखी है। उनकी उम्र और पर्सनल लाइफ के बारे में भी ज्यादा जानकारी नहीं है। झू के सोशल मीडिया प्रोफाइल के मुताबिक वह चीन में पैदा हुए थे लेकिन यह साफ नहीं है कि उनके पास चीन की नागरिकता है या नहीं। उन्होंने 2004 में ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से बैचरल की डिग्री ली थी और फिर ड्यूक यूनिवर्सिटी के फूक्वा स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री ली। 2021 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह ओपन ऑफिस से काम कर रहे हैं और उन्हें पास नाश्ता करने का भी समय नहीं है। उनका कहना था कि एफिशियंसी और प्रैगमैटिज्म उनकी कंपनी का स्टाइल है। यानी झू काम के मामले में मस्क से कम नहीं हैं।झू ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह किराए के घर में रहते हैं जिसका किराया 290 डॉलर से भी कम है। इसकी वजह यह है कि यह शंघाई में टेस्ला की फैक्ट्री के करीब है।

## भोपाल में तैयार होगा तुलसी वन

### अफ्रीकन और अमेरिकन समेत 67 प्रकार की तुलसी मिलेगी

भोपाल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल में तुलसी की बढ़ती मांग को देखते हुए सामाजिक वानिकी विभाग ने अब कुछ नर्सरियों में तुलसी वन लगाने का निर्णय लिया है। यहां पर आमतौर पर मिलने वाली तुलसी के अलावा विमला, सौंफ, अफ्रीकन, अमेरिकन सहित 67 प्रजाति की तुलसी लगाई जाएंगी। अनुसंधान एवं विस्तार शाखा के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अहमदपुर नर्सरी में तुलसी वन बनाया जाएगा। उसके बाद स्टेट तुलसी वन बनाया जाएगा। राम और श्याम तुलसी के अलावा यहां देशभर में मिलने वाली तुलसी की प्रजाति को लगाया जाएगा।

# अमेरिका ने भारतीयों को 2022 में रिकॉर्ड

## 1,25,000 स्टूडेंट वीजा जारी किए

वाशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने 2022 में भारतीय छात्रों को 1,25,000 स्टूडेंट वीजा जारी किए हैं. ये एक साल में दिए गए वीजा के सभी पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने वाला है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है. भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने रिकॉर्ड संख्या में भारतीयों को स्टूडेंट वीजा दिए हैं. अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने अपना रिकॉर्ड तोड़ते हुए वित्तीय वर्ष 2022 में करीब 1,25,000 स्टूडेंट वीजा जारी किए.' ये दिखाता है कि अमेरिका किस तरह से भारतीय स्टूडेंट्स को अपने यहां आने की इजाजत दे रहा है. हर साल बड़ी संख्या में भारतीय स्टूडेंट्स हायर एजुकेशन के लिए अमेरिका का रुख करते हैं. वहीं, नेड प्राइस से जब भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा बैकलॉग को कम करने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने देरी होने की बात को स्वीकार किया और आगे कहा, 'भारत में हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने एक वित्तीय वर्ष 2022 में जारी किए गए स्टूडेंट वीजा की संख्या के अपने रिकॉर्ड को तोड़ा है. हमने लगभग 1,25,000 स्टूडेंट वीजा जारी किए हैं.' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से इस बात को जानते हैं कि कुछ आवेदकों को अभी भी वीजा के लिए लंबे इंतजार का सामना करना पड़ सकता है और हम वीजा इंटरव्यू अप्वाइंटमेंट वेट टाइम को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं.'

**वीजा प्रोसेसिंग में तेजी के लिए हुईं भर्तियां**

नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका नॉन-इमिग्रेंट यात्रियों को वैध यात्रा की सुविधा देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और प्रशासन के लक्ष्य के लिए समय पर वीजा प्रोसेसिंग जरूरी है. वीजा प्रोसेसिंग में तेजी लाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लेकर प्राइस ने कहा, 'हमने इस महत्वपूर्ण काम को करने के लिए यूएस फॉरेन एंड सर्विस पर्सनल की भर्ती को दोगुना कर दिया है.'

## पति से परेशान महिला की पुलिस ने भी नहीं सुनी

## एसपी ऑफिस में जाकर पी लिया फिनाइल

सीहोर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सीहोर जिले में इच्छावर के रामपुरा की रहने वाली 25 साल की विवाहिता ने अपने पति से परेशान होकर एसपी ऑफिस परिसर में फिनाइल पी ली। महिला की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बता दें कि इच्छावर के रामपुरा निवासी महिला वर्षा का मायका छिंदवाड़ा जिले में है। उसकी शादी चार साल पहले इच्छावर के संदीप से हुई थी। विवाह के दो साल बाद से ही संदीप और उसके परिजनों ने महिला से मारपीट शुरू कर दी। वर्षा कुछ दिनों से संदीप और उसके परिवार वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने को लेकर चक्कर लगा रही थी। संदीप और परिजनों ने वर्षा से मारपीट कर उसे घर से भगा दिया। वर्षा इछावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गई, लेकिन जब उसकी सुनवाई नहीं हुई तो वो सीहोर एसपी ऑफिस अपनी शिकायत लेकर पहुंची। यहां भी जब सुनवाई नहीं हुई तो वर्षा ने एसपी ऑफिस परिसर में फिनाइल पी लिया। अब वर्षा का उपचार जिला अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है।

## शव बदलने का आरोप

### मृतक के परिजनों ने सिविल अस्पताल में किया हंगामा

लुधियाना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना में गुरुवार सुबह सिविल अस्पताल में उस समय हंगामा हो गया जब एक परिवार ने शव बदलने का आरोप लगाया। सराभा नगर इलाके में रहने वाले आयुष नाम के युवक की नेचुरल डेथ हुई थी। परिवार के कुछ सदस्य विदेश में थे। उन्होंने वहां से आना था इसलिए परिवार वालों ने शव सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। गुरुवार सुबह जब परिवारिक सदस्य शव लेने के लिए अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि अस्पताल प्रबंधकों ने शव किसी और को उठवा दिया है, जिसके बाद परिवार वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। काफी समय तक कोई जवाब नहीं मिला तो परिवार वालों ने तोड़फोड़ कर वहां कई शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए।

## ऑस्कर विजेता फिल्म एक्ट्रेस अलीदूस्ती रिहा

### हिजाब प्रदर्शन में हुई थीं अरेस्ट

तेहरान, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान ने ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित फिल्म की प्रख्यात अभिनेत्री तारनेह अलीदूस्ती (38) को करीब तीन सप्ताह के बाद रिहा कर दिया. उन्हें सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दमन की आलोचना करने की वजह से जेल भेजा गया था. स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी. ईरान की समाचार एजेंसी के मुताबिक ऑस्कर सम्मानित फिल्म द सेल्समैन में अभिनय करने वाली अलीदूस्ती को जमानत पर रिहा कर दिया गया है. यह फिल्म वर्ष 2016 प्रदर्शित हुई थी. उनकी मां नादिरी हकीमेलाही ने कहा कि एक इंस्टाग्राम पोस्ट के मामले में उनकी बेटी को रिहा किया जाएगा. तेहरान की बदनाम एविन कारागार से रिहा होने के बाद अलीदूस्ती फूल लिए हुए अपने दोस्तों से घिरी हुई दिखीं. उनकी रिहाई की कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है.

## रेवाड़ी में ढाबे के पास मिला शवःनहीं हो पाई शिनाख्त

### ठंड से मौत की आशंका, मोर्चरी में रखवाई लाश

रेवाड़ीहरियाणा में रेवाड़ी के औद्योगिक कस्बा बावल स्थित एक ढाबा के पास एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। हालांकि उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। आशंका यह जाहिर की जा रही है कि उसकी मौत ठंड लगने से हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, बावल के भगतराम चौक पर राजस्थान के जिला भरतपुर के गांव ऊंच निवासी सोनू ने ढाबा खोला हुआ है। उसके ढाबा के पास एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना के बाद तुरंत बावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसे उठाकर तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

# अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी

## जिल बाइडेन की होगी कैंसर की सर्जरी

वाशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी यूएस की प्रथम महिला जिल बिडेन की कैंसर की सर्जरी होगी. उनके ऑफिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक घबराने की कोई बात नहीं है और यह सर्जरी बेहद मामूली है. व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन ओ'कॉनर ने कहा कि एक नियमित जांच के दौरान उनके चेहरे पर एक अतिरिक्त टिश्यू का पता चला है. उनका ऑपरेशन 11 जनवरी को वाशिंगटन के वाल्टर रीड सैन्य अस्पताल में होगा. उनके कार्यालय की तरफ से जानकारी दी गई है कि एक नियमित त्वचा कैंसर स्क्रीनिंग के दौरान, प्रथम महिला की दाहिनी आंख के ऊपर एक छोटा सा 'कैंसर टिश्यू' पाया गया. डॉक्टरों ने सिफारिश की है कि इसे हटा दिया जाए और फिर उनके सर्जरी की प्लानिंग की गई.

**जबरदस्त है जो और जिल बाइडेन की प्रेम कहानी**

पत्नी जिल बाइडेन के साथ जो बाइडेन प्रेम कहानी काफी चर्चा में रहती है. राष्ट्रपति बाइडेन ने खुलासा किया था कि उन्होंने 1977 में शादी करने से पहले जिल बाइडेन को पांच बार प्रपोज किया था. हॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस ड्रयू बैरीमोर की ओर से आयोजित द ड्रू बैरीमोर शो के एक एपिसोड के दौरान जो बाइडेन ने यह खुलासा किया था. जो बाइडेन के साथ उनकी पत्नी जिल बाइडेन भी ड्रयू बैरीमोर के शो में शामिल हुईं. इस शो की एक क्लिप सीएनएन ने अपनी वेबसाइट पर शेयर की है. इंटरव्यू में ड्रयू बैरीमोर ने राष्ट्रपति बाइडेन से पूछा कि क्या उन्होंने वास्तव में फर्स्ट लेडी के लिए 'पांच बार' अपने प्यार का इजहार किया और ऐसा क्या था जिसने आखिरकार उनका दिल जीत लिया?

## अमेरिका में गोलीबारी, घर के अंदर आठ लोगों की मौत, पांच बच्चों के शव बरामद

न्यूयॉर्क, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बड़ी घटना हुई है. अमेरिकी राज्य यूटा में गोलीबारी में आठ लोगों की मौत हो गई है. घर में हुई गोलीबारी में जिन आठ लोगों की मौत हुई है उनमें पांच बच्चे भी शामिल हैं. हालांकि, अधिकारियों ने शूटिंग को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी है. शूटिंग उस शहर में हुई जहां की लगभग 8,000 आबादी है. ऐसे में शहर भर में इस घटना के बाद दहशत है. गोली किसने और क्यों चलाई इसकी जांच चल रही है. शहर के अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि डरने की कोई बात नहीं. जल्द आरोपी को पकड़ लिया जाएगा. पास के एक कार्यक्रम स्थल पर काम करने वाले एक व्यक्ति ने न्यूयॉर्क टाइम्स को इस घटना के बारे में बताया कि वह पीड़ितों को अच्छी तरह से जानता है क्योंकि वे उसी चर्च में जाते थे जिसमें वह जाता था. उसने कहा,"हम सब हैरान और हतप्रभ हैं.

## नाबालिग साली के साथ

### दुष्कर्म कर गर्भवती करने वाले जीजा को 20 साल की सजा

छतरपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर जिले में नाबालिग साली के साथ दुष्कर्म करने वाले जीजा को 20 साल का सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही 10 हजार रुपये के अर्थदंड/जुर्माना से दंडित किया गया है। मामले में प्रवेश अहिरवार डीपीओ ने बताया गया कि थाना गढीमलहरा में आरोपी राजाराम अनुरागी (24) पिता स्वर्गीय लक्ष्मण अनुरागी, निवासी खगरया मुहल्ला महाराजपुर थाना गढीमलहरा अपनी साली के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी पाते हुए चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश छतरपुर ने चार जनवरी को धारा 376, 376 (3) आईपीसी में 20 साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामले में सशक्त पैरवी प्रवेश अहिरवार जिला अभियोजन अधिकारी प्रवेश अहिरवार की ओर से की गई थी। छतरपुर जिला अभियोजन अधिकारी प्रवेश अहिरवार ने बताया, 23 दिसंबर 2021 को प्रसूति वार्ड जिला अस्पताल छतरपुर में पीड़िता ने रिपोर्ट लिखाई कि उसके माता-पिता दिल्ली में मजदूरी करते हैं और उसकी छोटी बहन उसके भाई के साथ रहती थी। उसकी दो बड़ी बहनों की शादी एक ही घर में हुई थी। आरोपी जीजा उसके गांव में अक्सर आया जाया करता था। आज से लगभग नौ महीने

पहले उसका जीजा उसके पास आया, जब वह घर में अकेली थी तो उसके साथ जबरन गलत काम किया और वह गर्भवती हो गई, जिसका उसे आभास होने लगा था। परंतु डर के कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया।

# ब्रिटिश राजघराने में मारपीट

## क्वीन एलिजाबेथ के पोतों के बीच हाथापाई

लंदन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रिंस हैरी ने अपनी आत्मकथा 'स्पेयर' में अपने निजी जीवन की चौंकाने वाली घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जो 10 जनवरी को प्रकाशित होने वाली है। उन्होंने अपने बड़े भाई प्रिंस विलियम पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों में एक ऐसा आरोप है जिससे रॉयल परिवार में उथल-पुथल मच गया है। दरअसल, प्रिंस हैरी ने अपने बड़े भाई प्रिंस विलियम पर शारिरिक हमले करने का आरोप लगाया है। इस आरोप से पता चल रहा है कि रॉयल परिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

**विलियम ने पहले कॉलर पकड़ा, फिर मुझे फर्श पर पटक दिया: प्रिंस हैरी**

प्रिंस हैरी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे बड़े भाई प्रिंस विलियम ने आपसी बहस के दौरान मेरा कॉलर पकड़ लिया और मुझे फर्श पर पटक दिया जिससे मैं कुत्ते के कटोरे पर जा गिरा। इससे मेरे कपड़े फट गए और पीठ पर कई जख्म हो गए। मैं एक पल के लिए वहीं पड़ा रहा, चकित रह गया, फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया और उसे बाहर निकलने के लिए कहा। हालांकि वह अड़ा रहा। वहीं इस खुलासे से रॉयल परिवार में हड़कंप मच गया है। ऐसा लग रहा है कि ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद रॉयल परिवार का माहौल और बिगड़ रहा है।

**विलियम ने मेरी पत्नी को खतरनाक और असभ्य कहा: प्रिंस हैरी**

समाचार आउटलेट द्वारा प्राप्त अंशों के अनुसार, विलियम ने प्रिंस हैरी की पत्नी मेघन को खतरनाक और असभ्य कहा। लड़ाई तब बढ़ गई जब विलियम ने हैरी के कॉलर को पकड़ लिया। वहीं शारीरिक हमले का जिक्र करते हुए प्रिंस हैरी ने कहा कि उनकी पीठ में अभी भी वो चोट दिख रही है। हैरी ने यह भी बताया कि उन्होंने इस घटना का जिक्र अपनी पत्नी मेगन मार्केल से नहीं की लेकिन बाद में उसने मेरे बैक पर वो चोट नोटिस किया, जिससे वह दुखी हो गईं। ऑटोबायोग्राफी अगले हफ्ते दुनियाभर में पब्लिश की जाएगी।

## शार्ली हेब्दो में अयातुल्ला खामेनेई के कार्टून छपने पर ईरान आगबबूला

तेहरान, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान ने व्यंग्य पत्रिका शार्ली हेब्दो में अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का कार्टून प्रकाशित करने के मामले में बुधवार को फ्रांस से कड़ी आपत्ति दर्ज कराई. ईरान ने इसे अपमानजनक बताते हुए फ्रांस को परिणाम भुगतने की चेतावनी तक दे डाली. रिपोर्ट के मुताबिक, इस साप्ताहिक पत्रिका ने हिजाब को लेकर तीन महीने पुराने विरोध आंदोलन के समर्थन में दिसंबर में शुरू की गई एक प्रतियोगिता के तहत ईरान के सर्वोच्च धार्मिक और राजनीतिक व्यक्ति अयातुल्ला अली खामेनेई का मजाक उड़ाते हुए दर्जनों कार्टून प्रकाशित किए थे. ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान ने ट्वीट करते हुए कहा, "धार्मिक और राजनीतिक सत्ता के खिलाफ फ्रांस की पत्रिका का कार्टून प्रकाशित करना अपमानजनक और अशोभनीय काम है. इस कृत्य के विरोध में एक प्रभावी और निर्णायक प्रतिक्रिया जरूरी है. हम फ्रांस सरकार को उसकी सीमा से बाहर नहीं जाने देंगे. उन्होंने निश्चित तौर पर गलत रास्ता चुना है." वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने फ्रांसीसी राजदूत निकोलस रोशे को तलब किया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने कहा, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बहाने फ्रांस को अन्य मुस्लिम देशों और राष्ट्रों की पवित्रता का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है. ईरान फ्रांसीसी प्रकाशन के अस्वीकार्य व्यवहार पर फ्रांस सरकार के स्पष्टीकरण और उचित कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहा है.' दूसरी तरफ ईरान की चेतावनी पर एक फ्रांसीसी एमईपी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के काफी करीबी रहे पूर्व मंत्री नथाली लोइसो ने प्रतिक्रिया दी है.

## यूपी का आलू पंजाब के किसानों पर भारी

जालंधर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में आलू की नई फसल पंजाब पर भारी पड़ी है। नया आलू जो 12 रुपये प्रति किलो खेत में बिक रहा था, वह पांच रुपये प्रति किलो पर आ गया है। दरअसल, यूपी में इस बार आलू की अच्छी क्वालिटी की पैदावार हुई है। इसके चलते दक्षिण भारत के अलावा पश्चिम बंगाल में यूपी का आलू भेजा जा रहा है। इसका नुकसान पंजाब के किसानों को उठाना पड़ रहा है। सूबे के किसान आलू के बीज पर ध्यान देने लगे हैं ताकि फरवरी से लेकर अप्रैल तक वे बीज बेचकर मुनाफा कमा सकें। देश का लगभग 32 फीसदी आलू का उत्पादन उत्तर प्रदेश में होने लगा है। यूपी के आलू ने उस बाजार पर कब्जा कर लिया है जो पहले पंजाब के आलू को खरीदता था। पंजाब का दोआबा क्षेत्र आलू की खेती के लिए काफी मशहूर है, जहां पर लगभग 46 हजार हेक्टेयर आलू का रकबा है। पंजाब में आलू की पुटाई (खोदाई) नवंबर में ही शुरू हो जाती है और 31 दिसंबर तक पंजाब के आलू की नई फसल देश के कई हिस्सों में पहुंच जाती है। इस सीजन में पंजाब के किसान खेतों में ही आलू को 12 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेच रहे थे। पिछले दो माह में मोटी कमाई की। एक जनवरी से यूपी में आलू की पुटाई शुरू हुई और चार दिन में ही पंजाब में आलू का दाम पांच रुपये प्रति किलो तक गिर गया। यूपी में कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दूरी, कुफरी सतलज, कुफरी लालिमा, कुफरी अरुण, कुफरी सदाबहार और कुफरी पुखराज के अलावा कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4 और कुफरी फ्राईसोना की जबरदस्त पैदावार हुई है। बारिश कम होने से आलू की फसल उच्च क्वालिटी की पैदा हुई है। जिसने बंगाल से लेकर अन्य राज्यों पर अपना कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं यूपी के आलू की फसल पंजाब में भी पहुंचनी शुरू हो गई है।

**आलू उत्पादकों की चिंता बढ़ी**

आलू कारोबारी अक्षय ढल्ल ने कहा कि जिस तेजी से यूपी की फसल मार्केट में आई है, उससे आलू उत्पादकों की चिंता बढ़ गई है। पंजाब के आलू उत्पादकों का अब इस बात पर जोर है कि खाने वाले आलू के स्थान पर बीज को ही निकाला जाए और फरवरी से लेकर अप्रैल तक आलू का बीज जमकर बेचा जाए। पंजाब में आलू के बीज की डिमांड भी अच्छी खासी है, जिससे किसानों को आशा की किरण नजर आ रही है कि अगर उनका बीज मार्केट में अच्छे दाम पर बिक जाता है तो उनको मुनाफा हो सकता है अन्यथा मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

## डेढ़ माह में महिला के खाते से निकाले चार लाख रुपये, आरोपियों ने इस तरीके से की ठगी

सोनीपत (हरियाणा), 5 जनवरी (एजेंसियां)। सोनीपत के गांव गढ़ी सराय उजाले खां की रहने वाली महिला के बैंक खाते से साइबर ठगों ने अलग-अलग समय में 4.07 लाख रुपये निकाल लिए। महिला का आरोप है कि उनके खाते से करीब डेढ़ माह के दौरान कई बार ट्रांजेक्शन कर नकदी निकाली गई है। अब उन्हें मामले का पता लगा तो बैंक में शिकायत दी। हालांकि बैंक मैनेजर भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्हें पता लगा है कि उनके अंगूठे के निशान का प्रयोग कर नकदी निकाली गई है। पीड़िता ने सिटी थाना गोहाना में मामले की शिकायत दी थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गांव गढ़ी सराय उजाले खां की रहने वाली सविता ने बताया कि वह गृहिणी हैं। उनका बैंक खाता गांव गढ़ी सराय नामदार खां स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में हैं।

## पाक बिजली संकट से बेहाल: पीएमओ में बगैर लाइट बैठक की

### 6200 करोड़ रुपए बचाने के लिए सरकार ने जारी किया प्लान

इस्लामाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से बदहाल पाकिस्तान में ऊर्जा संकट गहरा गया है। इससे आम लोगों से लेकर हर वर्ग परेशान है। संकट कितना गहरा, यह जताने के लिए सरकार ने एक दिन पहले ही कैबिनेट की बैठक भी बगैर लाइट जलाए की। इसके साथ ही सरकार ने ऊर्जा बचत के लिए एक विस्तृत प्लान तैयार किया है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 6200 करोड़ रुपए की बचत होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के बिजली विभाग पर सितंबर 2021 तक 2 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का कर्ज था। जो साल 2022 में बढ़कर 2 लाख 43 हजार करोड़ रुपए हो गया है। बिजली संकट गहराने से आम लोगों से लेकर ट्रेड यूनियन में आक्रोश है। ज्यादातर व्यापारियों ने ऊर्जा बचत योजना का विरोध किया है। इस्लामाबाद में ट्रेड यूनियन ने इस योजना को लागू नहीं करने का फैसला किया है। ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि नोमान अब्बास ने भास्कर से कहा, 'गरीब और गरीब होता जा रहा है और कारोबार पहले ही खत्म होने की कगार पर है। मैं पाक सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या वे रैलियों में इस्तेमाल होने वाले विमानों और हेलीकॉप्टरों को रोकेंगे? इन्हें रोकने से भी अरबों रुपए बच सकते हैं।' बलूचिस्तान में 10-12 घंटे तक , जबक खैबर पख्तूनख्वा में भी लोगों को 6 से 12 घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बिजली बचाने के इस प्लान का पाकिस्तान में विरोध शुरू हो चुका है। वहां के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार की इस योजना को मानने से इंकार कर दिया है। दोनों प्रातों में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार है। इसलिए बिजली बचाने के फैसले का पालन नहीं करने के पीछे राजनीतिक वजहें मानीं जा रही हैं। पाकिस्तान में बिजली संकट की मुख्य वजह आर्थिक बदहाली है। दरअसल, पाकिस्तान के ज्यादातर पॉवर प्लांट में तेल के जरिए बिजली पैदा की जाती है। इन पॉवर प्लांट में इस्तेमाल होने वाले तेल को विदेश से आयात किया जाता है। यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया भर में तेल की कीमत में दोगुने से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस वक्त पाकिस्तानी रुपए की वैल्यू 226.67 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गई है। ऐसे में सरकार तेल का आयात कम से कम करना चाहती है। पीएम शहवाज शरीफ ने खुद ये बात कही थी कि पाकिस्तान सरकार के खजाने में इतना पैसा नहीं है कि हम तेल और गैस दूसरे देशों से खरीद सकें। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक इन्हीं वजहों से अगस्त 2021 की तुलना में जून 2022 में पाकिस्तान में तेल के आयात में 50% तक की कमी आई है। पाकिस्तान में बिजली संकट की शुरूआत पिछले साल ही हो गई थी। जून के महीने में भी सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। जिसमें बिजली बचाने के लिए प्लान तैयार किया था। इसमें सरकार ने कहा कि 30 जून तक देश में हर रोज 3.5 घंटे बिजली कटौती की जाएगी।

# अभिशाप बन गई है आटा-साटा प्रथा

## बहू लाने के लिए पापा ने शराबी से शादी कराई : पति ने उंगली काट दी, अश्लील फोटो वायरल किया

पाली, 5 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजस्थान में एक प्रथा है आटा-साटा। बहू लाने के लिए घर वाले अपनी बेटी देकर बेटे की शादी करा देते हैं। न बेटियों की मर्जी पूछी जाती है, न उनके लायक लड़के को तरजीह दी जाती है। जो मिला, जैसे मिला उससे बेटी की जबरन शादी करा दी जाती है। इसकी वजह से कई महिलाएं आत्महत्या कर चुकी हैं। कई महिलाओं का तलाक हो चुका है।

ऐसे ही एक लडकी की आप बीती है। भाई का घर बसाने के लिए पापा ने जबरन मेरी शादी करा दी। ससुराल पहुंची तो पहले दिन ही पति ने कहा कि वह मुझे पसंद नहीं करता। मेरी शक्ल नहीं देखना चाहता। बहन का घर बसाने के लिए उसने मुझसे शादी की है। कुछ दिन बाद मुझ पर लांछन लगा दिया कि पहले से इसके पेट में बच्चा है। मेरे साथ मार-पीट की। घर से निकाल दिया। पापा को फोन किया तो कहने लगे- 'जैसे भी रहना हो वहीं रहो। ससुराल वाले मार देते हैं तो अंतिम संस्कार करने आ जाऊंगा।'

ससुराल में कोई बात नहीं करता था। सास-ससुर देखकर मुंह फेर लेते थे। पति कई दिन कमरे में नहीं आए। एक दिन मैंने पति से वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि वे किसी और को पसंद करते हैं। मैंने कहा फिर मुझसे शादी क्यों की। इस पर उन्होंने कहा- अपनी बहन का घर बसाने और खुद का कुंआरापन उतारने के लिए।

मैं नहीं चाहती थी कि मेरी वजह से भैया-भाभी का घर बिखरे, उनके बीच टकराव हो। इसलिए कई दिन चुप रही। सब कुछ सहती रही। एक रात पति ने कहा कि तुम पहले से पेट में बच्चा लेकर आई हो। इस बात से मुझे धक्का लगा। मैंने कहा तुम डॉक्टर से जांच करा लो। इसके बाद वे मुझे पीटने लगे। फिर देवर ने भी मेरे साथ मार-पीट की। पति ने कहा कि तुम यहां से चली जाओ वरना जान से मार दूंगा। मुझे आधी रात में ही घर से निकाल दिया। पूरी रात मैं घर के बाहर बैठी रही। सुबह हुई तो मायके आ गई। मेरे मायके आने के बाद भाभी अपने मायके चली गई। फिर कभी लौटकर यहां नहीं आईं। उनका एक साल का बच्चा भी है, लेकिन उसे हमने देखा नहीं है। भैया, भाभी को लाने गए तो उन लोगों ने मारकर भगा दिया। उन लोगों ने मेरा अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर दिया है। बहुत गंदे-गंदे कॉल आते हैं। मेरी जान को भी खतरा है। पुलिस भी मदद नहीं कर रही।

ममता की शादी दो साल पहले आटा-साटा प्रथा के तहत पाली के रहने वाले हनुमान देवासी से हुई थी। बदले में हनुमान की बहन किरण की शादी ममता के भाई त्रिलोक से हुई। अब दोनों परिवार बिखर गया है। न ममता अपने पति के साथ हैं, न उनकी ननद।

इसी तरह दूसरी कहानी है सरदारपुर धाणी की। शाम का वक्त। एक कच्चा मकान। जिसके आगे छप्पर है। 27 साल की रूपी देवी अपने चार साल के बेटे के साथ बैठी हैं। उनकी मां चूल्हे पर खाना पका रही हैं। रूपी के तीन भाई और दो बहनें हैं। बहनों में वह सबसे बड़ी हैं। बड़े भाई की शादी कराने के लिए उनकी शादी आटा साटा प्रथा के तहत करा दी गई। तब वह 17 साल की थीं। अब उनका तलाक हो गया है। रूपी बताती हैं, '10 साल पहले मेरी शादी हुई थी। तब मुझे पता नहीं था कि भाई की शादी कराने के लिए मेरी शादी की जा रही है। ससुराल पहुंची तो दो दिन बाद पता चला कि मेरी ननद की शादी मेरे भाई से हो रही है। इस तरह ननद मेरी भाभी बन गई। 2-3 महीने सब कुछ ठीक रहा। इसके बाद बात-बात पर ताने, गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। सारा दिन घर का काम करती। पक्का घर था, जिसमें झाड़ू-पोंछा करती, लेकिन उसमें उठने-बैठने नहीं दिया जाता। घर की एक दीवार पर छप्पर पड़ा था, जिसमें ओट लगाकर रहती थी। इसी बीच एक बेटा भी हो गया। अपनी तकलीफ मायके में बताना चाहती थी, लेकिन डरती थी कि कहीं इससे भाई का घर ना टूट जाए। इसी तरह चार साल गुजर गए। मैं फिर से मां बनने वाली थी। एक दिन अचानक पति ने पिटाई की और मुझे घर से निकाल दिया। मैंने बहुत मिन्नतें की, लेकिन उन लोगों ने कुछ नहीं सुना।

अगली सुबह भैया आए और मुझे घर ले गए। यहां दूसरा बेटा पैदा हुआ। कुछ दिन बाद ससुराल लौटी, लेकिन सास ने घर में नहीं घुसने दिया। थक हारकर मैंने पंचायत बुलाई। इससे ससुराल में रहने की इजाजत तो मिल गई, लेकिन खर्चा खुद उठाती थी। यहां कोई मुझसे बात नहीं करता और न ही बच्चों को कोई गोद में उठाता। जैसे-तैसे तीन महीने रही, इसके बाद मार-पीट कर मुझे फिर से निकाल दिया गया।' भाई-भाभी की जिंदगी ठीक चल रही थी। भाभी पेट से थीं। हंसी-खुशी मायके गईं, लेकिन लौटी नहीं।

### राजस्थान में बेटियों की घटती संख्या भी आटा-साटा की बड़ी वजह

| साल | सेक्स रेशियो |
|---|---|
| 2018 | 948 |
| 2019 | 947 |
| 2020 | 940 |
| 2021 | 926 |
| 2022 | 928 |

(प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या)

कई बार भैया गए। पांच बार पंचायत हुई। पंचायत को खिलाने-पिलाने में लाखों रुपए खर्च भी हो गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। भाभी और मेरे पति ने नंबर ब्लॉक कर दिया है।

मैं उनके हाथ जोड़ती हूं, पैर पड़ती हूं, वे लोग मुझे बुला लें। बस ससुराल में रहने की छत दे दें। मेहनत-मजदूरी करके खा लूंगी। समाज के ताने और भाई का घर तोड़ने के आरोप से तो बच जाऊंगी।

रूपी देवी की मां चोखी देवी कहती हैं, 'आटा-साटा के चलते उनके दो बच्चों की जिंदगियां बर्बाद हो गईं। बहू जब घर से गई, तब पेट से थी। आठवां महीना चल रहा था। बड़ी खुशी थी कि पोता-पोती आएगा। खबर मिली कि पोता हुआ, लेकिन हमने उसका चेहरा आज तक नहीं देखा।' मैंने रूपी के पति से भी बात की। उन्होंने कहा, 'कुछ महीने शादी ठीक चली। रूपी मेरे माता-पिता से बात नहीं करती थी। उनकी इज्जत नहीं करती थी। मैंने समझाने की कोशिश की तो मुझ पर ही लांछन लगा दिया। जब मायके गई तो वहां मेरी बहन को परेशान करने लगी। उसकी भी जिंदगी तबाह कर दी।'

पाली के वार्ड नंबर-25 में रहने वाले सुमन और उनकी भाभी शोभा बताती हैं, 'मां ने मामा की शादी कराने की बात कही थी। 6 साल पहले मां की मौत हो गई। मौसी और नानी उन पर दबाव बनाने लगीं। कुछ वक्त बाद मामा की शादी के बदले उन्हें भी मजबूरन शादी करनी पड़ी।

पति के साथ मेरी बॉन्डिंग अच्छी थी। जबकि मामा और ननद के बीच अनबन रहती थी। ननद भी प्रेग्नेंट थी और मैं भी। जब ननद का तलाक हुआ तो मजबूरन मुझे भी तलाक लेना पड़ा। मामा मेरी शादी जबरदस्ती पैसे लेकर कहीं और कराने लगे, तब मैं भाग आई और पति के साथ कोर्ट मैरिज कर ली। अब मायके से नाता टूट गया है, कोई मुझसे बात नहीं करता।

शोभा की ननद सुमन कहती हैं, 'पति शराब पीकर मार-पीट करता था। बेटी हुई तो कहने लगा कि ये मेरा बच्चा नहीं है। अब आप ही बताइए मैडम ऐसे आदमी संग कैसे रहा जाए?' पाली के ही आशापुरा नगर के रहने वाले पंडित पुरुषोत्तम आटा-साटा का जिक्र होते ही बिलखने लगते हैं। कहते हैं, 'जो कमाया बीमारी और दहेज पर खर्च कर दिया। पास के ही एक गांव में बेटे की शादी के लिए बेटी का रिश्ता किया था। बहू सिर्फ 5 दिन यहां रही। इसके बाद दहेज और बलात्कार का आरोप लगा दिया।

बेटी मनीषा दो साल ससुराल में रहीं। जब प्रेग्नेंट हो गई, तब उसके पति ने मारपीट की, उसकी उंगली काट दी और फिर घर से निकाल दिया। बेटी की डिलीवरी यहीं हुई। अब दामाद बार-बार पैसे मांगता है। कहता है कि तलाक चाहिए तो 5 लाख रुपए और बेटा मुझे दे दो। वरना ऐसे ही दर-दर भटकती रहेगी।'

**सुलह कराने के नाम पर पंच पैसे खा जाते हैं**

सरदारपुरा गांव के पूर्व सरपंच मदन सिंह जागरवाल कहते हैं कि आटा-साटा में लड़कियों की मर्जी नहीं चलती। घर वाले छोटी उम्र में ही शादी कर देते हैं। जब वे थोड़ी बड़ी होती हैं तो गौना कर ससुराल विदा कर देते हैं। बाद में जब उनका शोषण होता है तो वे खुलकर विरोध भी नहीं कर पाती हैं। रिश्ता बिगड़ने पर परिवार और पंच समाजाइश करते हैं, लेकिन कम मामलों में हल निकल पाता है। पंच जो जुर्माना लगाते हैं, वे खुद खा जाते हैं। उससे किसी परिवार का भला नहीं होता। ऐसे अनगिनत मामलों में पंचायत वालों ने पैसे हड़पे हैं।

पाली महिला थाने में आटा-साटा के मामलों की काउंसलिंग करने वाली हिमांशी कहती हैं, 'अक्सर इस मामले में लड़की को कुर्बानी देनी पड़ती है। अगर किसी कारण भाई-भाभी का रिश्ता बिगड़ता है, तो परिवार अपनी बेटी पर दबाव बनाने लगता है। वह इसे अपना ईगो समझ लेता है। लिहाजा बेटी भी रिश्ता तोड़ लेती है। इतना ही नहीं, अगर भाई-बहन दोनों का तलाक होता है, तो बहन अपने बच्चों को छोड़कर भाई के बच्चों को ही साथ रखती हैं।

जयपुर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे एडवोकेट ऋषिराज सिंह शेखावट कहते हैं, 'आटा-साटा के ज्यादातर मामले कम पढ़े-लिखे परिवारों में हैं। वे आपस में मार-पीट करते हैं। रिश्ते तोड़ लेते हैं। इसके बाद पंचायत होती है। जहां पैसे ले देकर मामला निपटा दिया जाता है। ऐसे मामले पुलिस थाने या अदालत तक पहुंच ही नहीं पाते। इस वजह से पीड़ित पक्ष को इंसाफ नहीं मिल पाता है।

मैंने अलग-अलग थानों में पुलिस से जुड़े लोगों से बात की। यह जानना चाहा कि थाने में आटा-साटा के कितने मामले आते हैं?

पाली जिले के एसपी गगनदीप सिंगला ने बताया कि कानूनी तौर पर बाल विवाह अपराध है, आटा-साटा नहीं। इस मामले में केस दर्ज भी होता है तो उसमें आटा-साटा का जिक्र नहीं होता। उसमें घरेलू हिंसा और दहेज का मामला दर्ज होता है। पुलिस उसके मुताबिक ही कार्रवाई करती है। इसलिए इस बात का आकलन करना मुश्किल है कि आटा-साटा प्रथा के कितने मामले हर साल आते हैं। साथ ही इसको लेकर कोई कमेटी भी नहीं है, जो इसका सही आंकड़ा उपलब्ध करा पाए।

**70% से ज्यादा घरों में आटा-साटा के जरिए शादी हुई है**

मैं जिन दो गांवों में गई वहां के 70% से ज्यादा घरों में आटा-साटा के जरिए शादी हुई है। पाली के अलावा राजस्थान के उदयपुर, नागौर, बाड़मेर, सीकर, चितौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, जालौर, प्रतापगढ़ और झालावाड़ जैसे जिलों में बहू लाने के लिए जबरन बेटियों की शादी कर दी जाती है।

ज्यादातर मामलों में बेटियां नाबालिग होती हैं। कम उम्र में ही उनकी शादी दोगुने उम्र के लड़के से कर दी जाती है। इतना ही नहीं पढ़े-लिखे लोग भी अपने बेटे की शादी कराने और मनपसंद बहू लाने के लिए बेटी की शादी आटा-साटा प्रथा के जरिए कर देते हैं। इसकी एक बड़ी वजह राजस्थान में लड़कों और लड़कियों के बीच जेंडर गैप भी है। आटा-साटा को रोकने के लिए राजस्थान सरकार कानून बनाने की बात कह चुकी है।

एक साल पहले महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने बताया था कि सरकार इसको लेकर बेहद गंभीर है। लगातार रिसर्च किया जा रहा है। जहां-जहां ये कुप्रथा चल रही है, वहां स्पेशल टीमों के जरिए इसे रोकने की कोशिश की जा रही है।

# 'हिंदू-ईसाई' करा रहे धर्मांतरण'

## आदिवासी समाज ने राजभवन में कहा-बिगड़ रहा माहौल, ग्रामसभा की अनुमति बगैर न हो रामायण-महाभारत और यीशु का प्रचार

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। धर्मांतरण को लेकर बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले में बवाल मचा हुआ है। बीते एक महीने से धर्मांतरित होकर इसाई बने लोगों और हिंदू धर्म से जुड़े आदिवासियों के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस बवाल में नारायणपुर एसपी तक घायल हो चुके हैं। इस बीच सर्व आदिवासी समाज के सोहन पोटाई धड़े ने राजभवन जाकर हिंदुओं-ईसाईयों दोनों पर धर्मांतरण की कोशिश का आरोप लगाया है।

सर्व आदिवासी समाज सोहन पोटाई धड़े के कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावटे और गोंडवाना गोंड महासभा के अध्यक्ष अकबर राम कोर्राम की अगुवाई में कई जिलों और आदिवासी समुदायों के पदाधिकारी बुधवार को राजभवन पहुंचे थे। इस दौरान समाज की ओर से राज्यपाल अनुसूईया उइके को एक मांगपत्र सौंपा गया। इसमें कहा गया कि धर्मांतरण की वजह से बस्तर क्षेत्र में आदिवासियों के बीच वैचारिक मतभेद बढ़ रहा है। हिंदू समाज और ईसाई समाज द्वारा हिंदुओं का लगातार धर्मांतरण किया जा रहा है। यह आदिवासियों के हित में उचित नहीं है। राजभवन में अपनी बात रखते हुए कांकेर गोंडवाना समाज के अध्यक्ष मानक दरपट्टी ने कहा, बस्तर एक अजीब स्थिति से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा, नारायणपुर में धर्मांतरण के नाम पर जैसा वातावरण बना है वह किसी से छिपा नहीं है। धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है। आदिवासी को ईसाई बनाने का काम हो चाहे हिंदू लोगों को आदिवासी को अपने पक्ष में करने की कोशिश, इन दोनों की वजह से वहां आदिवासी मर रहा है। वहां बाहरी लोग जाकर आदिवासियों को अपने मत में डाइवर्ट करने की कोशिश में हैं। इसकी वजह से समाज का माहौल खराब हो रहा है। दरपट्टी ने कहा, राज्यपाल पांचवी अनुसूची प्रशासित क्षेत्रों की संरक्षक हैं। ऐसे में वे वहां स्थिति संभालें। उनकी मांग है, ग्राम सभा की अनुमति के बिना रामायण, महाभारत अथवा यीशु मसीह का प्रचार नहीं होना चाहिए।

सर्व आदिवासी समाज का सोहन पोटाई धड़ा आरक्षण विधेयकों पर राज्यपाल अनुसूईया उइके के रुख का समर्थन कर आया। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावटे ने कहा, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट पहुंचने में देरी की इसकी वजह से समाज को राहत नहीं मिल पाई। जो विधेयक लाया गया है उसमें आदिवासियों की 12 बढ़ी हुई जातियों की संख्या को शामिल नहीं किया गया है। वैसा होता तो आदिवासी समाज का अनुपात 40% तक पहुंच जाता। मानक दरपट्टी ने कहा, आदिवासी समाज की गवर्नर के खिलाफ आदिवासी समाज को खड़ा करने की कोशिश हो रही है। राज्यपाल को बदनाम करने के लिए सर्व आदिवासी समाज के नाम का उपयोग किया जा रहा है। एक दिन पहले आपके खिलाफ जो आंदोलन हुआ उसमें सर्व आदिवासी समाज की भागीदारी नहीं थी।

बताया गया, सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल से बात करते हुए राज्यपाल अनुसूईया उइके ने पांचवी अनुसूची क्षेत्र में राज्यपाल की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए केंद्र सरकार से पत्राचार का आश्वासन दिया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आदिवासी हितों के संरक्षण के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए वे जिलों का दौरा करेंगी और स्थानीय प्रशासन को आदिवासी समुदाय की कठिनाइयों का समाधान करने के निर्देश देंगी।

# ईसाई बने लोगों की उखाड़ी जा रही कब्रें

### आदिवासी बोले- हमारे देवताओं की ताकत कम की जा रही, नष्ट हो जाएगी संस्कृति

कोंडागांव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में धर्मांतरण को लेकर हुए बवाल के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी है। फोर्स अब भी प्रभावित क्षेत्र में तैनात है। दरअसल बस्तर में मोटे तौर पर दो आदिवासी वर्ग हैं, एक जो देवी-देवताओं को मानते हैं, दूसरे वो जो चर्च जाते हैं। इन्हीं दोनों के बीच लड़ाई चल रही है। हालात इतने खराब हैं कि जिन्होंने पहले कभी धर्म बदल लिया है, उनकी लाशों को गांवों में दफनाने नहीं दिया जा रहा। अगर दफना दी गई हैं, तो उखाड़ी जा रही हैं।

आदिवासियों को डर है कि जिस तेजी से धर्मांतरण बढ़ा है, उससे उनकी संस्कृति नष्ट हो जाएगी। यही वजह है कि धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों को गांव से निकाला जा रहा है। अविश्वास इतना बढ़ गया है कि मीडिया, पुलिस से भी लगातार झड़पें हो रही हैं। नारायणपुर के एसपी का सिर फूटना इसी की एक कड़ी थी। कोंडागांव के 4 चर्चों में 250 लोगों को शरण दी गई है।

# परिजनों को सौंपा गया रेबिका का सिर

## सिर का भी परिजनों ने किया अंतिम संस्कार, भाई ने कहा बहन के हत्यारों को मिले सार्वजनिक फांसी

साहिबगंज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के साहिबगंज की रेबिका का सिर अब परिवार वालों को सौंप दिया गया है। परिवार वालों ने आज अंतिम संस्कार कर दिया। रेबिका पहाड़िया का भाई अर्सन पहाड़िया ने बताया कि हमने विधि विधान के साथ रेबिका के सिर का भी आज अंतिम संस्कार कर दिया है। बोरियो संथाली के पुराना शिवालय के पोखर से रेबिका का सिर मिला था। पुलिस ने बुधवार को गोडा पहाड़ जाकर उसके परिजनों को सिर सौंप दिया है। बोरियो थाना पुलिस ने बीते 31 दिसम्बर को खोपड़ी को पोखर से बरामद किया था।

थाना प्रभारी जगन्नाथ पान ने बताया कि रेबिका के खोपड़ी को डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल लेने के बाद रेबिका के पिता सूरजा पहाड़िया एवं मां चांदी पहाड़िन को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद खोपड़ी का डीएनए टेस्ट कराने के लिए रांची स्थित एफएसएल में भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही पुख्ता तौर पर कहा जा सकता है कि बरामद खोपड़ी रेबिका की ही थी।

रेबिका के भाई अर्सन पहाड़िया ने कहा, हमारा पूरा परिवार सभी हत्यारों के सामुहिक फांसी की मांग करता है। हम चाहते हैं कि उन्हें सार्वजनिक तौर पर फांसी दे दी जाए। सभी लोगों के लिए यह एक सबक हो। मेरी बहन के साथ जैसा हुआ वैसा किसी के साथ ना हो। रेबिका पहाड़िन (22) ने परिवार के खिलाफ जाकर मर्डर से करीब डेढ़ महीने पहले ही दिलदार अंसारी (25) से लव मैरिज की थी। 17 दिसंबर को रेबिका की हत्या की गई। सबूत मिटाने के लिए दिलदार और उसके परिवार ने रेबिका के शाव के 50 टुकड़े किए थे। कुछ टुकड़े घर में छिपा दिए, जबकि अन्य टुकड़े मोहल्ले के आसपास सुनसान जगहों पर फेंक दिए। जिसे कुत्ते नोंच-नोंच कर खा रहे थे। जब लोगों ने कुत्तों को इंसान का मांस खाते देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी थी।

**सास ने 20 हजार में भाई को दी थी सुपारी**

पुलिस ने शक के आधार पर दिलदार अंसारी को पकड़ा था। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने दिलदार की मां मरियम निशा, उसके मामा और दोस्त समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया था।

इस हत्याकांड में दिलदार का परिवार भी शामिल था। पुलिस ने 23 दिसंबर तक मरियम निशा और शव के टुकड़े करने वाले दिलदार के मामा मोईनुल के दोस्त मैनुल हक मोमिन को रिमांड पर रखा। उनसे रिबिका को मारने के कारणों को उगलवाने की कोशिश की गई।

पुलिस के मुताबिक दिलदार अंसारी की मां मरियम निशा ने रिबिका की हत्या करने और शव ठिकाने लगाने के लिए अपने भाई मोईनुल अंसारी को 20 हजार रुपए की सुपारी दी थी।

# पूर्व विधायक निर्मला देवी को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत

## एनटीपीसी गोलीकांड में मिली है सजा, निचली अदालत में बांड भरने के बाद रिहाई का निर्देश

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के बड़कागांव विधानसभा की पूर्व विधायक निर्मला देवी को जमानत मिल गयी है। उन्हें झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत दी है। आज उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई, जिसके बाद जमानत दी गयी। उनकी जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और अम्बुज नाथम की कोर्ट में सुनवाई हुई।

**बांड भरने के बाद रिहा करने का आदेश**

बताते चलें कि झारखंड हाईकोर्ट से जमानत शर्त के साथ दी गयी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि पूर्व विधायक निर्मला देवीं को निचली अदालत में बेल बांड भरने

के बाद ही रिहा कया जाए। पूर्व विधायक निर्मला देवी बड़कागांव एनटीपीसी आंदोलन में हुई गोलीबारी में सजायाफ्ता हैं। इस मामले में रांची एमपी-एमएलए की कोर्ट ने उन्हें दस वर्ष की सजा सुनाई है।

यह घटना साल 2015 की है। उस समय एनटीपीसी बड़कागांव में अपना प्लांट लगा रही थी। जिस जमीन पर प्लांट लगाया जा रहा था, उसे लेकर ग्रामीण विवाद कर रहे थे। वे अपनी जमीन प्लांट को नहीं देना चाह रहे थे।

उस समय पूर्व विधायक निर्मला देवी ने एनटीपीसी कफन सत्याग्रह चलाया था। इस कफन सत्याग्रह के दौरान हिंसा भड़की। जिसके बाद मौके पर पुलिस फायरिंग हुई। इस फायरिंग में कई लोगों की मौत हुई थी।

## राज्यपाल रमेश बैस ने कहा- देश की अर्थव्यवस्था के विकास में किसानों की भूमिका अहम

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने राज्य में किसानों की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कृषि क्षेत्र में उत्पाद और उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। 'समावेशी आर्थिक समृद्धि में कृषि और ग्रामीण विकास का अनुपात और हिस्सेदारी' पर दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बैस ने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती इस उद्देश्य के लिए उपयोगी होगी।

उन्होंने छोटे उद्योगों और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। साथ ही कहा कि ग्रामीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए और अधिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

# दूर-दूर से लोग आते हैं दही लेने के लिए

## चित्तरंजन व मिहिजाम की लाल मिष्टी दही के कायल है झारखंड समेत अन्य राज्यों के लोग

मिहिजाम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मकर संक्रांति की मुख्य रेसिपी है दही। जिसे बंगला भाषा मे दोई भी कहा जाता है। बात जब लजीज दही खाने की होती है तो बंगाल का लाल मिष्टी दोई जिसने कभी खाई हो, वो आज भी उस दही के कायल होंगे। इस दही की डिमांड बंगाल के बाद झारखंड, बिहार, ओडिसा समेत अन्य राज्यों के दही प्रेमी की रहती आ रही है। यहां तक कि जामताड़ा जिले के लोग लाल दही खाने चित्तरंजन (बंगाल) का रुख करते है। लेकिन क्या आप जानते है कि इस दही को बेहद खास किस्म से तैयार किया जाता है। बंगाल के रसगुल्ला ले बाद लोकप्रिय व्यंजन यही लाल मिष्टी दोई ही है। इसका नाम आते ही भूरे मीठे दही से भरे मिट्टी के बर्तन की याद आ जाती है।

**चितरंजन में दो प्रसिद्ध दुकानें है दही की**

प्रसिद्ध मिष्ठान्न बिक्रेता सामु सेन के मुताबिक जामताड़ा के मिहिजाम और पास के चित्तरंजन में एक या दो ही प्रसिद्ध मिठाई की दुकान है जहां यह दही मिलती है। इसे बनाने में केवल 2 या 3 मुख्य सामग्रियों की आवश्यकता होती है वास्तव में इस स्वादिष्ट व्यंजन को बनाने के लिए धैर्य की आवश्यकता है क्योंकि यह एक लंबी प्रक्रिया है। बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत चूल्हे पर दूध गर्म करने से होती है। जैसे ही दूध गाढ़ा हो जाता है, डिश को उसकी विशिष्ट मिठास देने के लिए चीनी मिलाई जाती है। दही या दही को मीठे दूध में डालकर अच्छी तरह पकाया जाता है।

इस मिश्रण को पारंपरिक मिट्टी के बर्तन में रखा जाता है। मकर सक्रांति का पर्व हो और दही का जिक्र न हो ऐसा हो नहीं सकता है इसलिए मकर सक्रांति के अवसर पर मिष्टी दोई की मांग बाजार में काफी रहती है दूरदराज से लोग आकर यहां दही ले जाते हैं और सपरिवार लोग खुशियों के साथ दही चुरा का पर्व मनाते हैं।

आम दिनों में भी मिष्टी दोई की मांग बाजार में काफी है।

# कमजोर जनाधार वाले कांग्रेस के मंत्री-विधायकों के टिकट पर खतरा

## ऐसी सीटों पर काफी पहले तय होंगे कैंडिडेट ; पार्टी कराएगी सर्वे

जयपुर, 5 जनवरी(एजेंसियां)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में 10 महीने बचे हैं। राज्य के बजट के बाद इस बार मार्च-अप्रैल से टिकट को लेकर एक्सरसाइज शुरू होने वाली है। कांग्रेस में इस बार टिकट के पैटर्न में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। कमजोर जनाधार वाले मंत्री-विधायकों के टिकटों पर इस बार खतरा है। फिर से जीत नहीं सकने वाले मंत्री-विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। इसके लिए सर्वे को आधार बनाया जाएगा।

कांग्रेस जल्द सभी 200 सीटों पर बड़ा सर्वे करवाएगी। इस सर्वे में सैंपल साइज बड़ा लिया जाएगा ताकि हर सीट पर जनता की राय लेकर मौजूदा विधायक की खामियों, खूबियों और जीतने वाले उम्मीदवार पर तस्वीर साफ हो सके। सरकार और संगठन के स्तर पर पहले भी कुछ सर्वे हुए हैं, लेकिन उनका सैंपल साइज बड़ा नहीं था। सरकार और कांग्रेस संगठन के स्तर पर भी कई बार फीडबैक लिया गया है।

**सर्वे के आधार पर होगा टिकट पर फैसला**

कांग्रेस चुनावी साल में जो सर्वे करवाएगी, वह टिकट वितरण में बड़ा आधार बनेगा। मार्च अप्रैल से लेकर अगस्त, सितंबर तक सर्वे का दौर चलेगा।

हालांकि, हर चुनाव से पहले पार्टियां सर्वे करवाती रही हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस सर्वे के पैटर्न में बदलाव करेगी और ज्यादा लोगों के बीच पहुंचकर राय लेने के लिए सैंपल साइज बड़ा करवाया जाएगा। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा का कहना है कि सर्वे के आधार पर टिकट का फैसला होगा। पहले संगठन की खाली पद नियुक्तियों पर काम होगा, इसके बाद सर्वे पर काम होगा।

**फीडबैक बैठकों में आया मंत्री, विधायकों के टिकट काटने का सुझाव**

कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी रंधावा ने पिछले सप्ताह कांग्रेस नेताओं से दो दिन तक अलग-अलग फीडबैक लिया था।

इन बैठकों में कई नेताओं ने सुझाव दिया कि जिन मंत्रियों और विधायकों के फिर से जीतने की हालत नहीं है, उनकी जगह नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए। प्रभारी रंधावा की वरिष्ठ नेताओं की बैठक में इस बात का जिक्र आया था कि राजस्थान हो या पंजाब कांग्रेस के ज्यादातर मंत्री चुनाव हारते हैं, इसलिए नए चेहरे को मौका देने का फॉर्मूला अपनाया जाना चाहिए।

**सरकार बचाने वाले निर्दलीय और बसपा मूल के विधायक चुनौती**

मौजूदा कांग्रेस सरकार गठबंधन सरकार है। 13 निर्दलीय और छह बसपा से कांग्रेस में आए विधायक हैं। बताया जाता है कि इनमें से ज्यादातर से टिकट देने का वादा किया हुआ है। इन 19 में से ज्यादातर विधायकों के टिकट काटना आसान नहीं होगा। इन्हें टिकट देने पर कांग्रेस के भीतर चुनाव से पहले 19 सीटों पर बवाल होना तय है। पिछले चुनावों में इन 19 सीटों पर कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने वाले नेता अब भी समय समय पर पर नाराजगी जताते रहते हैं। 19 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार रहे नेताओं ने पिछले सप्ताह प्रदेश प्रभारी से मिलकर उनकी अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए जमकर नाराजगी जताई थी। अब चुनावों में टिकटों को लेकर इन 19 सीटों पर विवाद होना तय माना जा रहा है।

**पहले उम्मीदवार घोषित करने की रणनीति**

कांग्रेस में इस बार कमजोर सीटों पर पहले उम्मीदवार घोषित करने की रणनीति है। कांग्रेस में टॉप लेवल पर इस बात का सुझाव आया है कि जो सीटें सबसे ज्यादा कमजोर हों वहां पहले उम्मीदवार घोषित किया जाएं, ताकि चुनाव प्रचार से लेकर ग्राउंड कनेक्ट तक आसानी रहे।

**दो बार हार चुके नेताओं को टिकट मिलना मुश्किल**

कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर पहले भी कई बार मापदंड बने, लेकिन चुनाव आते आते उन्हें छूट मिल ही जाती है। पिछले विधानसभा चुनावों में दो बार या इससे ज्यादा बार हारने वाले नेताओं के टिकट काटने का पैरामीटर तय किया था, लेकिन चुनाव आते आते इसमें ढील दे दी गई। बीडी कल्ला को इस मापदंड को अलग रखकर टिकट दिया गया था। इस बार भी कुछ अपवादों को छोड़कर दो बार या इससे ज्यादा हारने वालों को टिकट मिलना मुश्किल है। दिसंबर में जब कांग्रेस राजस्थान प्रभारी जयपुर आए थे तो सभी पदाधिकारियों और नेताओं से मुलाकात की थी। फीडबैक के आधार पर निर्णय लिया गया था कि कमजोर सीटों पर सबसे पहले सर्वे होगा।

**बीजेपी राज में केवल 7 मंत्री ही जीत पाए थे**

राजस्थान में मंत्रियों के चुनाव हारने का पुराना ट्रेंड रहा है। साल 2013 के चुनावों में सत्ताविरोधी लहर और मोदी फैक्टर के चलते कांग्रेस की करारी हार हुई थी। तब पार्टी के केवल 21 विधायक जीते थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और तत्कालीन आपदा राहत मंत्री बृजेंद्र ओला को छोड़ गहलोत के सभी मंत्री चुनाव हार गए थे।

# सांसद किरोड़ी का मंत्री परसादी पर निशाना

## बोले- वो तो राम जेठमनाली से भी बड़े वकील, कुछ भी कह सकते हैं

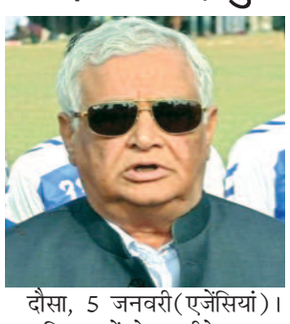

दौसा, 5 जनवरी(एजेंसियां)। 92 विधायकों के इस्तीफे वापस लेने के प्रकरण में राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने राज्य सरकार व स्पीकर पर निशाना साधा।

प्रदेश के हेल्थ मिनिस्टर परसादीलाल मीणा द्वारा विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना तथा वापस लेने को विधायकों का अधिकार बताने वाले बयान पर राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कटाक्ष किया है। बुधवार को दौसा जिला परिषद में मीडिया से बात करते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा परसादीलाल मीणा तो राम जेठमलानी से भी बड़े वकील है वो कुछ भी कह सकते हैं।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा एक बार इस्तीफा दे दिया तो फिर नियम के अनुसार वापस लेने का अधिकार नहीं होता है। लेकिन स्पीकर की मुख्यमंत्री और सरकार पर मेहरबानी होने के कारण इस्तीफो को वापस दे रहे हैं।

किरोड़ी ने कहा राज्य सरकार का कोई व्यक्ति मेरे इस सवाल का जवाब दे कि जब 4 महीने पहले इस्तीफे दे दिए थे तो फिर मंत्री काम क्यों कर रहे थे। विधायक ट्रांसफर-पोस्टिंग व अन्य कार्यों की डिजायर क्यों कर रहे थे।

उन्होंने कहा सरकार के सभी 92 विधायकों ने अनैतिक काम किया है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस्तीफा देने के बावजूद भी वापस किए जा रहे हैं। यह तो स्पीकर और सरकार द्वारा सारी परम्पराओं को तोड़ने का काम किया जा रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए।

# एआईसीसी में राजस्थान से 60 नेता बनेंगे सदस्य

## मल्लिकार्जुन खड़गे और मिस्त्री को सौंपी जाएगी सूची, इसी सप्ताह दिल्ली में होगी घोषणा

जयपुर, 5 जनवरी(एजेंसियां)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में राजस्थान कांग्रेस से 60 नेताओं को सदस्य बनाया जाना है। इसके लिए राजस्थान में एआईसीसी की तरफ से नियुक्त प्रदेश निर्वाचन प्रभारी राजेन्द्र सिंह कुम्पावत ने अपना होमवर्क पूरा कर लिया है। वे पिछले दो दिनों से जयपुर में ही थे और अब गुरुवार को दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली में इन सदस्यों की सूची संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, चुनाव प्राधिकरण के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंपी जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि सप्ताह भर में खड़गे के स्तर पर इन नए सदस्यों के नामों की घोषणा हो जाएगी। राजस्थान में पार्टी सत्ता में है और 10-11 महीनों बाद विधानसभा के चुनावों को फेस करना है। ऐसे में यहां से जिन सदस्यों को शामिल किया जाना है, उनमें तमाम तरह के सत्ता, चुनाव, सरकार आदि से जुड़े समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है।

करीब दो महीने पहले खड़गे के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर एआईसीसी को भंग कर एक नेशनल स्टीयरिंग कमेटी कांग्रेस में बना दी गई थी। अब इस कमेटी को भंग कर पुनः एआईसीसी को विधिवत रूप से बनाया जाएगा। उसके बाद कांग्रेस की शीर्ष निर्णयकारी संस्था सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) का गठन होगा। उसके लिए चुनाव करवाए जाएंगे, तब इन्हीं सदस्यों में से कोई सदस्य चुनाव भी लड़ सकेगा।

अपने मूल प्रदेश गुजरात से राजस्थान पहुंचे निर्वाचन प्रभारी राजेन्द्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि अनुभवी नेताओं के साथ राजस्थान के सभी क्षेत्रों, महिलाओं, युवाओं को समुचित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की जा रही है। सूची तैयार है। अब दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्तर पर ही इसे जारी किया जाएगा। मैं अगले एक-दो दिन में दिल्ली में यह सूची सौंप दूंगा। उसके बाद उम्मीद है कि सप्ताह भर यह सूची जारी हो जाएगी।

**मिस्त्री ने 20 जनवरी से पहले सभी राज्यों से मांगी सदस्यों की लिस्ट**

कांग्रेस के राष्ट्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधूसूदन मिस्त्री ने 20 जनवरी से पहले राजस्थान सहित सभी प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों से एआईसीसी सदस्यों की सूची मांगी है। इस सूची के बाद कांग्रेस की सबसे ताकतवर संस्था सीडब्ल्यूसी के लिए 12 सदस्यों का चुनाव करवाया जाएगा। इन नए बनने वाले 12 सदस्यों का 24 से 26 फरवरी के बीच 3 दिनों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन होगा। इन 12 सदस्यों के चुनावों में राजस्थान से चुने जाने वाले 60 एआईसीसी सदस्य मतदान करेंगे। संभव है कि राजस्थान से भी कोई नेता चुनाव लड़ लें।

**एआईसीसी में राजस्थान से यह हैं संभावित नाम**

सीएम अशोक गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित सचिन पायलट, हरीश चौधरी, रघु शर्मा, रघुवीर मीणा, भंवर जितेंद्र सिंह, धीरज गुर्जर, शकुंतला रावत, जुबेर खान, अशोक चांदना, रामलाल जाट, ममता भूपेश, बृजेन्द्र ओला, हेमाराम चौधरी, सीताराम अग्रवाल, ललित तुंगवाल, राम सिंह कस्वा, प्रताप सिंह खाचरियावास, उर्मिला जैन, ताराचंद भगौरा, दिनेश खराड़ी, उदयलाल आंजना, विश्वेन्द्र सिंह, जाहिदा खान, रेहाना रियाज, रामनारायण मीणा, नमोनारायण मीणा, रामेश्वर लाल डूडी, डॉ. चंद्रभान, डॉ. बीडी कल्ला, मुरारी लाल मीणा, वेदप्रकाश सोलंकी, भंवर सिंह भाटी, बद्रीराम प्रसाद जाखड़, डॉ. गिरिजा व्यास, राकेश पारीक, रीटा चौधरी, दिव्या मदेरणा, टीकाराम जूली, डॉ. जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र पारीक, वीरेंद्र सिंह, सालेह मोहम्मद, अमीन खां, डॉ. अर्चना शर्मा, गोपाल सिंह ईडवा, लक्ष्मण सिंह रावत, प्रमोद जैन भाया, शंकर पन्नू, दानिश अबरार, खिलाड़ी लाल बैरवा, प्रशांत बैरवा, विभा माथुर, जसवंत गुर्जर, गिरिराज गर्ग, ज्योति खंडेलवाल, प्रशांत सहदेव शर्मा, जीआर खटाना सहित कुछ अन्य नेताओं के नाम एआईसीसी में शामिल हो सकते हैं।

# 'चुनाव में राक्षसों से निपटने के लिए तैयार रहो'

## बीजेपी विधायक दिलावर बोले, हिंदुओं को अपमानित कर रही सरकार

कोटा, 5 जनवरी(एजेंसियां)। विधायक मदन दिलावर ने अजमेर की घटना को लेकर बयान जारी किया और कहा कि ऐसी राक्षसी शक्तियों से निपटने के लिए तैयार हो जाओ।

बीजेपी प्रदेश महामंत्री व रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है। दिलावर ने अजमेर की घटना पर वीडियो बयान जारी किया है। जिसमें उन्होंने हिंदुओ से जागने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार हिंदुओं को अपमानित करने का षड्यंत्र कर रही है। चुनाव आने वाले है, ऐसी राक्षसी शक्तियों से निपटने के लिए तैयार हो जाओ।

दिलावर ने कहा कि अजमेर में

200 साल पुराने भगवान देवनारायण मंदिर की चारदीवारी को तोड़ दिया गया। बहाने दिया गया कि रोड को चौड़ा करना है। अब रोड चौराहा करना था या नहीं करना था? लेकिन इनको गुर्जर समाज को अपमानित करना था। यानी गुर्जर समाज को टारगेट करके अपमानित कर रहे हैं। पर ये भूल गए यह गुर्जर समाज का मामला नहीं है। देवनारायण भगवान केवल गुर्जर समाज के ही नहीं। पूरे हिंदू समाज के भगवान हैं। यह पूरे हिंदू समाज का अपमान है। फिर भी बाज नहीं आ रहे हैं।

पहले अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे में 300 साल पुराने शिव मंदिर को तोड़ दिया गया। सीकर जिले में सालासर बालाजी के मंदिर रोड पर दरवाजे को बुलडोजर चलाकर तोड़ा गया। दरवाजे पर रामदरबार था। यानी कि हिंदू को अपमानित करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। ये राक्षसी सरकार हिंदुओं को लगातार अपमानित कर रही है। कब तक सहन करोगे। जागना पड़ेगा,चुनाव आने वाले है ऐसे राक्षसों से निपटना पड़ेगा।

# 'अभी भगवान राम बालक, इसलिए जय श्रीराम'

## बीजेपी सांसद ने कहा- जब राजा बनेंगे, सीता आएंगी सियाराम तब बोलेंगे, ये कांग्रेस नहीं समझ पाएगी

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- हम जय श्रीराम इसलिए बोल रहे हैं, क्योंकि अभी राम जन्मभूमि पर मंदिर बन रहा है। इसके बाद बड़े होकर राम राजा बनेंगे। तब सीता आएंगी। सियाराम तब बोलेंगे। अभी तो बालक राम हैं। इसलिए हम लोग जय श्रीराम बोलते हैं। यह बात बालक बुद्धि वाले कांग्रेसी नहीं समझ पाएंगे। बुधवार को सुधांशु त्रिवेदी जयपुर स्थित बीजेपी ऑफिस में हुई पत्रकार वार्ता में कहा- 2019 लोकसभा चुनाव के वक्त कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में देशद्रोह कानून को खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि इसका गलत उपयोग किया जा रहा है। 2019 के बाद राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने ही इसका सबसे पहले इस्तेमाल किया। उनकी पार्टी के कुछ विधायकों ने नाराजगी जाहिर की। कांग्रेस की सरकार ने उनके खिलाफ देशद्रोह के तहत मुकदमे दर्ज करवा दिए। इससे कांग्रेस की कथनी और करनी का अंतर जगजाहिर हो गया।

त्रिवेदी ने कहा- पिछले 4 साल में राजस्थान में कानून व्यवस्था खराब स्थिति में पहुंच गई है। महिलाओं और बालिकाओं के साथ हर दिन बदसलूकी हो रही है। पिछले 4 साल में 1 लाख 70 हजार मुकदमे महिला हिंसा के दर्ज हो चुके हैं। राजस्थान देश में अपराध की राजधानी बन चुका है। वहीं, पिछले कुछ वक्त में शांत राजस्थान में देश विरोधी संगठन माहौल बिगाड़ रहे हैं। कट्टरपंथी ताकतें खुलेआम आम आदमी की गर्दन काट रही हैं। कांग्रेसी नेता खुद को गांधीवादी बता कर सिर्फ सत्ता बचाने में जुटे हुए हैं।

बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने कहा- राजस्थान में महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार के एक मंत्री कहते हैं कि राजस्थान में रेप इसलिए बढ़ रहे क्योंकि यह मर्दों का प्रदेश है। मुख्यमंत्री गहलोत महिलाओं की ओर से दर्ज कराए गए 56% मुकदमों को ही झूठा बता रहे हैं। इससे महिलाओं के प्रति कांग्रेस की संवेदनहीनता अब जगजाहिर हो चुकी है। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- राजस्थान पेपर लीक में रिकॉर्ड तोड़ रहा है। परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो जाता है। इससे प्रदेश के लाखों युवाओं का भविष्य खतरे में आ गया है। पेपर लीक का यह पहला मामला नहीं है। कांग्रेस पार्टी में तो राष्ट्रीय अध्यक्ष का पेपर भी लीक हो गया था। इससे यह पता चला था कि अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले हैं।

# राजस्थान में नहीं दिखाया जाएगा भ्रष्ट अफसरों का चेहरा

## एसीबी के नए बॉस का ऑर्डर, सिर्फ पदनाम और विभाग की ही जानकारी मिलेगी

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अब भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों को ट्रैप करने के बाद नाम और फोटो जारी नहीं करेगी। सिर्फ विभाग का नाम और पद की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। ऐसा आदेश डीजी एसीबी का अतिरिक्त चार्ज लेते ही हेमंत प्रियदर्शी ने दिया है।

आदेश में साफ किया गया है कि जब तक आरोपी पर अपराध सिद्ध नहीं हो जाता, तब तक उसकी फोटो और नाम मीडिया में या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दिया जाएगा। साथ ही, जिस भी आरोपी को पकड़ा जाएगा, उसकी सुरक्षा और मानवाधिकार की जिम्मेदारी ट्रैप करने वाले अधिकारी की रहेगी। इस आदेश पर सवाल उठने के बाद डीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी से बात की तो उन्होंने कहा कि जिन लोगों को दोषी ठहराया जाना बाकी है, उनके नाम और पहचान सार्वजनिक करना सही नहीं है। एसीबी पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी के साथ वीडियोग्राफी कराती है। बाकायदा फुटेज और फोटो मीडिया को जारी भी करती थी। इसका मकसद यह होता था कि जिसे पकड़ा गया है, उसके कारनामे से अधिक से अधिक लोक वाकिफ हो सकें। फोटो-वीडियो सामने आने के बाद एसीबी के प्रति आम जनता का विश्वास बढ़ता था।

# 'जीरो भ्रष्टाचार के नारे को चुनौती दे रहा अधिकारी'

## कांग्रेस विधायक बोलेः ऐसी मानसिकता वाला अधिकारी एसीबी का मुखिया रहने लायक नहीं

कोटा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डीजी हेमंत प्रियदर्शी द्वारा जारी किए गए आदेश पर कांग्रेस के विधायक ने भी निशाना साधा है। पूर्व मंत्री व सांगोद से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा है। लेटर में उन्होंने लिखा कि सरकार के 0 भ्रष्टाचार के नारे को यह अधिकारी चुनौती दे रहा है। उन्होंने किसी अच्छे ईमानदार अधिकारी को इस पद पर नियुक्त करने की मांग की।

दरअसल एसीबी डीजी का अतिरिक्त चार्ज संभालते ही हेमंत प्रियदर्शी ने एक आदेश जारी किया था। आदेश के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों को ट्रेप करने के बाद नाम और फोटो जारी नहीं करेगी। सिर्फ विभाग का नाम और पद की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। आदेश में साफ किया गया कि जब तक आरोपी पर अपराध सिद्ध नहीं हो जाता,तब तक उसकी फोटो, नाम मीडिया में या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दिया जाएगा।

कांग्रेस विधायक भरत सिंह ने इस आदेश को चौकाने वाले आदेश बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे लेटर में लिखा यह तो सरासर भ्रष्टाचार को संरक्षण प्रदान करना है। इस प्रकार की मानसिकता वाला अधिकारी प्रदेश के एसीबी का मुखिया रहने के लायक नहीं है। सरकार के जीरो भ्रष्टाचार के नारे यह अधिकारी चुनौती दे रहा है। उन्होंने इसकी जगह किसी अच्छे ईमानदार अधिकारी को पद पर नियुक्त करने की मांग की।

# इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप कर नाबालिग से रेप

*होटल में नशीला पदार्थ पिलाकर वारदात, अश्लील फोटो-वीडियो को लेकर किया ब्लैकमेल*

अजमेर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग से इंस्टाग्राम आईडी पर अज्ञात युवक द्वारा फ्रेंडशिप कर होटल में दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले तो इंस्टा पर पीड़िता से नजदीकी बढ़ाई और बाद में उसे एक होटल में लेजा कर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने अलवर गेट थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की पीड़िता ने थाने पर उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई की 19 मई 2022 को उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर एक अनजान युवक की रिक्वेस्ट आई थी। जिसे उसने एक्सेप्ट कर लिया। बाद में दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और दोनों एक अच्छे दोस्त बन गए। पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी युवक ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया और 2 महीने बाद इंस्टा पर कॉल कर अलवर गेट थाना क्षेत्र के एक होटल में ले गया और नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी युवक ने उसकी अश्लील फोटो-वीडियो भी बना ली। जिसके बाद से वह उसे धमकियां दे रहा है। इसके साथ ही उसके माता-पिता को भी मारने की धमकी दी जा रही है।

# महिला कैशियर पर पिस्तौल तानकर 6 लाख लूटे

## बैंक कर्मचारियों को बनाया बंधक, सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश

भुसावर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक में घुसे तीन नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। बदमाश बैंक से 6 लाख रुपए लूटकर ले गए। बदमाशों ने जाते समय बैंक के मेन गेट को बाहर से बंद कर दिया। वारदात भरतपुर के वैर कस्बे में गुरुवार सुबह 11 बजे हुई। भरतपुर एसपी श्याम सिंह ने बताया कि वारदात के समय बैंक में 7 कर्मचारी और 2 ग्राहक मौजूद थे। बैंक में घुसते ही एक बदमाश महिला कैशियर के काउंटर पर गया और पिस्तौल तान दी। कैशियर के पास 6 से 8 लाख रुपए थे। वहीं दो अन्य बदमाशों ने बैंक के दूसरे स्टाफ को बंधक बनाया और एक कोने में खड़ा कर दिया। कैश काउंटर से बैग में रुपए भरने के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना के बाद सीओ निहाल सिंह और थानाधिकारी सुमेर सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसपी सिंह ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, फिलहाल नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश में टीमें लगा दीं।

# 'कंटी वेलुगु' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों की मदद करें जनप्रतिनिधि : येर्राबेल्ली

हनमकोंडा, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास येर्राबेल्ली दयाकर राव ने पार्षदों और सरपंचों से 'कंटी वेलुगु' कार्यक्रम के दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को पूर्ण समर्थन देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि 'कंटी वेलुगु' कार्यक्रम को 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में जगह मिलेगी। मंत्री ने विधायकों और अन्य लोगों के साथ गुरुवार को यहां कलेक्ट्रेट परिसर में हनमकोंडा और वारंगल जिलों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। "लोगों को 'कंटी वेलुगु' शिविरों में जाना सुनिश्चित करने के लिए भारी प्रचार की आवश्यकता है। होर्डिंग, बैनर और फ्लेक्सी लगाए जाने चाहिए, जिसमें कैंप की

तारीख और जगह की जानकारी हो। अधिकारियों के अनुसार, हनमकोंडा जिले में 'कंटी वेलुगु' के दूसरे चरण में 45 चिकित्सा दल 208 गांवों और 58 वार्डों में परीक्षण शिविर आयोजित करेंगे। जहां गांवों में एक शिविर में एक दिन में 300 लोगों का परीक्षण किया जाता है, वहीं शहरी केंद्रों में प्रतिदिन 400 लोगों का परीक्षण किया जाता है। वारंगल जिले में 323 चिकित्सा शिविर लगाने के लिए 44 टीमों का गठन किया गया है।

बाद में, जनगांव में 'कंटी वेलुगु' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि 7,000 रीडिंग ग्लास जनगांव जिले को आवंटित किए गए हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों को शुक्रवार और शनिवार को मंडल स्तर पर तैयारी बैठक करनी चाहिए। जहां भी गांवों में चिकित्सा शिविर है, नरेगा के तहत काम को रोका जा सकता है, राव ने कहा। उन्होंने कहा कि जहां सरकार शिविर आयोजित करने के लिए प्रति ग्राम पंचायत प्रति दिन 1,000 रुपये का भुगतान कर रही है, वहीं अधिकारियों की टीम को प्रति दिन 1500 रुपये का भुगतान किया जाता है। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु, डॉ. बी. गोपी और सीएच शिवलिंगैया बैठकों में शामिल हुए।

## नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज

वरंगल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक महीने से नाबालिग लड़की से बार-बार बलात्कार करने के आरोप में मिल्स कॉलोनी पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच कर रहे वारंगल एसीपी कलाकोटा गिरी कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पीड़िता के पिता की शिकायत के बाद अज़मथ अली और अकबर अली पर मामला दर्ज किया गया है। 22 से 25 साल के बीच के आरोपी पीड़िता के घर के बगल में रह रहे थे और कथित तौर पर नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले गए और पिछले एक महीने से उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने लड़की को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में माता-पिता या अन्य लोगों को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

# यूक्रेन से जंग के बीच पुतिन ने किया 36 घंटे के सीजफायर का ऐलान

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा ऐलान किया है। पुतिन ने यूक्रेन के साथ 36 घंटे के सीजफायर का ऐलान किया है। दरअसल, पुतिन ने ये आदेश ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस को देखते हुए लिया है।

दरअसल, पुतिन से रूस के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख ने इस बारे में अपील की थी। उनकी अपील के बाद ही पुतिन ने यह बड़ा कदम उठाया है। हालांकि, पुतिन के इस कदम को यूक्रेन पहले ही एक धोखा बताकर खारिज कर चुका है। क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन ने 36 घंटे के सीजफायर का आदेश दिया है। यह सीजफायर 6 जनवरी की दोपहर 12 बजे शुरू होगा। दरअसल, कई रूढ़िवादी ईसाई, जिनमें रूस और यूक्रेन में रहने वाले लोग भी शामिल हैं, 6-7 जनवरी को क्रिसमस मनाते हैं।

हाल ही में रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के रॉकेट हमले में उसके 63 सैनिक मारे गए। रूस के नियंत्रण वाले दोनेत्स्क क्षेत्र में उस जगह रॉकेट हमला हुआ था, जहां रूसी सैनिक तैनात थे। यूक्रेन की ओर से हिमार्स प्रक्षेपण प्रणाली वाले छह रॉकेट दागे गए थे, जिनमें से दो को रूस ने नष्ट कर दिया था। तब रूस ने माना था कि यूक्रेन युद्ध के सबसे घातक हमलों में से यह एक ऐसा हमला है, जिसमें इतनी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। बता दें कि रूस ने 24 फरवरी को अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर आक्रमण किया था। पिछले लगभग 10 महीनों में इस जंग ने हजारों लोगों की जान ले ली है और लाखों लोगों को विस्थापित कर दिया है। रूस और यूक्रेन वर्तमान में इस युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी तरह की बातचीत नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस सप्ताह कहा था कि रूस को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक कदम उठाना चाहिए और क्रिसमस तक यूक्रेन से अपनी सेनाएं वापस बुलानी शुरू कर देनी चाहिए।

# तेलंगाना यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन रंगारेड्डी जिला कैलेंडर का अनावरण

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन रंगारेड्डी जिला कैलेंडर का अनावरण शिक्षाविद सुशिंदर राव ने किया। तेलंगाना यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन रंगारेड्डी जिला कैलेंडर का अनावरण जेडपीएचएस हाईस्कूल एकवाइपल्ली, कडताल मंडल में रंगारेड्डी जिलाशिक्षा अधिकारी सुशिंदर राव और अध्यक्ष और महासचिव जी. डेविड, एमडी मुनीर पाशा उपाध्यक्ष, के. नारायण के हाथों किया गया। इस अवसर पर सुशिंदर राव ने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए शैक्षिक समाज का सहयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने अवकाश में 2021-22 की अवधि के लिए 10 वीं कक्षा की परीक्षाओं में ड्यूटी करने वाले शिक्षकों को अर्जित अवकाश प्रदान करने का अनुरोध किया। इसी प्रकार, दशहरे की छुट्टियों के दौरान सीडब्ल्यूएसएन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों को सीसीएल प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। विद्याधिकारी ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में एएमओ वेंकटेशम गारू और जिला वित्तीय सचिव शंकरैया, सचिव अंजैया, जगदीश, चेवेल्ला मंडल अध्यक्ष मुख्य सचिव दयानंदम, शिवानंदम और अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

## अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 106वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प 8 को

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु शाखा के सहयोग से 106 वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 8 जनवरी को माधापुर चंदानायक नगर स्थित बंजारा रेसिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी के कम्यूनिटी हाल में आयोजित किया जायेगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निःशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की जायेगी। अवसर पर वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के पश्चात योग्य को चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था निशुल्क रूप से की जायेगी। शिविर में दांतों की जांच इनोक डेंटल केयर के डॉ.मनिता सेठ द्वारा की जायेगी। फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जायेगी।

ईएनटी की सेवा रॉयल पर्ल ईएनटी टीम द्वारा की जायेगी। शिविर सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक चलेगा जिसके लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही किया जायेगा। शिविर का सभी से अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक संजय पंसारी, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेश मित्तल, संजीव कुमार गुप्ता, विनय सी.अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

# बीआरएस नेता मोहम्मद सलाउद्दीन ने किया महाराष्ट्र का दौरा

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार विधानसभा के क्षेत्र के बीआरएस प्रभारी मोहम्मद सलाउद्दीन लोधी ने पड़ोसी महाराष्ट्र का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने कई जिले के लोगों और संगठन प्रमुखों से मुलाकात की। येवतमाल जिले के महाराष्ट्र अखिल भारतीय अंजुमन लोहार जमात जयपुरी, बाबा साहेब नाइस तेलुगू वसात समुदाय आदि के कई लोग बीआरएस पार्टी में शामिल हुए हैं। एमडी सलाहुद्दीन लोधी प्रभारी चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र बीआरएस पार्टी के साथ, हाजी मुहम्मद साहब लोहार, एमडी रफीक लोहार गोलापल्ली राजू, सिद्दीक अहमद लोहार, मुश्ताक लोहार आदि बीआरएस में शामिल हुए।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों ने कहा कि तेलंगाना सीएम केसीआर की कल्याणकारी योजनाओं के लिए बहुत लोकप्रिय हैं। देश को तेलंगाना मॉडल की जरूरत है। तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली के निर्देश पर मोहम्मद सलाहुद्दीन ने अमरावती जिले का भी दौरा किया। अमरावती में रहने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात आदि के लोगों से मुलाकात की और बीआरएस की नीतियों के बारे में चर्चा की। इस अवसपर पर अखिल भारतीय अंजुमन लोहार जमात जयपुर के अध्यक्ष हाजी सत्तार बेग, हाजी मन्नू , सिराज लोहार मलकापुर, एमएस, हाजी उस्मान, हाजी शाहबुद्दीन गुजरात आदि उपस्थित रहे।

## अग्र महिला मंच ने की पूजा अर्चना व माल्यार्पण

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच तेलंगाना के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा जगदीश मंदिर, लोअर टैंक बैंड में स्थित महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कर पूजा अर्चना की गई। प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि उपस्थित महिलाओं ने अग्र कुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा की। इस अवसर पर अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल, सरला अग्रवाल, संगीता देवरा, प्रभावती अग्रवाल, मधु गोयल, सरला जिंदल, वंदना अग्रवाल, संतोष गर्ग, सुनीता गुप्ता, किरण रीता ने उपस्थित रहकर सहयोग दिया। अंजू गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## भगवान कथा के श्रवण से पुण्य मिलता : परमानंदजी महाराज

भैंसा, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर के राधा कृष्णा भवन में मारवाड़ी समाज सत्संग समिति की ओर से शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा में बुधवार प्रथम दिवस भव्य शोभा यात्रा आयोजित की गई, जिसमे समाज के सभी भक्तों ने भाग लिया। यात्रा बालाजी मंदिर से कथा स्थल राधा कृष्ण भवन तक निकाली गई। दोपहर में व्यासपीठ से परमानंदजी महाराज ने बताया कि भागवत महात्म्य बताया के श्रवण मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है। द्वितीय दिवस कथा वाचक परमपूज्य परमानंद जी महाराज (श्री वृंदावन धाम निवासी) ने कुंती प्रसंग पर प्रकाश डाला। आगे महाराज ने भीष्म स्तुति व श्री शुकदेव आगमन प्रसंग पर माहराज ने अपनी मधुर वाणी से सभी को मंत्रमुग्ध किया।

लाल दरवाजा, राजन्नाबाउली में आयोजित अयप्पा स्वागी के पड़ी पूजा में भाग लेते हुए अतिरिक्त डीसीपी बी. आनंद व अन्य।

## सिद्दीपेट पुलिस के लिए स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल : हरीश राव

सिद्दीपेट, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने पुलिस के लिए एक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल बनाने के उद्देश्य से सिद्दीपेटजिले में पुलिस कर्मियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया।

मंत्री ने गुरुवार को नवनिर्मित वन टाउन थाना भवन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पुलिसकर्मी बिना छुट्टी लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बहुत त्याग करते हैं। राव ने कहा कि सभी पुलिस कर्मियों के अलग-अलग परीक्षण करके प्रोफाइल कार्यक्रम दो साल की अवधि में तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन्हें एक डिजिटल प्रोफाइल में प्रलेखित किया जाएगा, उन्होंने पुलिस कर्मियों को योग और ध्यान करके अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए भी कहा। पुलिस आयुक्त एन श्वेता मौजूद रहीं।

मुकेश गौड़ मेमोरियल नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का पोस्टर जारी करते हुए विक्रम गौड़ व अन्य।

अनहिता हैदराबाद द्वारा बंजाराहिल्स स्थित शोरूम में अपने पांच वर्ष पूरे होने पर अशदीन के नवीनतम संग्रह द रोज गार्डन का अनावरण करते हुए मनीजा पैटनी पेस्टोनजी, चेरजाद पेस्टोनजी व डिजाइनर अशदीन।

जेसीआई हैदराबाद डक्कन द्वारा 7 जनवरी को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेने के लिए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग व रामप्रकाश भंडारी को आमंत्रित करते हुए रितेश भट्टड, बृजेश बंग व सागर शाह।

## अग्रवाल मानव सेवा मंच का 156वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 8 को

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 156 वा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रविवार 8 जनवरी को प्रेम नगर (चीतल बस्ती, प्रेम नगर सांई मंदिर के पास) स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर सेवा संगम में आयोजन किया जाएगा।

मंच के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर के प्रयोजक शंकरलाल, श्रवण कुमार, चिंतल बस्ती, हैदराबाद हैं। इस आयोजन में गंगा जमुना यूथ एसोसिएशन का स्थानीय सहयोग रहेगा। इस शिविर में वीरंची हास्पिटल बंजारा हिल्स के डाक्टरो द्वारा रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, हृदय रोग हेतु ईसीजी टुडीईको हड्डी रोग, समान्य रोग, स्त्री रोग आदि की जांच की जायेगी।

स्वरुप आई सेंटर आबिडस-पंजागुट्टा द्वारा नैत्र रोग जांच की जायेगी,नाक कान गले के रोग की जांच एशियन ईएनटी केयर सेंटर पंजागुटटा, दांतों के रोग की जांच प्रियंका डेंटल क्लिनिक आबिडस बेगमपेट के डॉ.आशिष टोडी द्वारा की जायेगी। वासवी फिजियोथेरेपी और रीहाबिलेशन सेंटर के डा.पी रवी फिजियोथेरेपी सेवा प्रदान करेंगे।हरी बाबू स्कीन हेयर एंड कोस्मोटोलोजी किल्नीक, घांसी बजार के डॉ. हरी बाबू चर्म रोग संम्बंधित सेवा प्रदान करेंगे। शिविर में नेत्र जांच में मिले मोतियाबिंद रोगियों का नि: शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन स्वरूप आई सेंटर द्वारा किया जाएगा। हर शिविर की तरह नि: शुल्क दवाई वितरण रामप्रकाश गोयल, श्रेय गोयल द्वारा किया जायेगा।

कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन, तेलंगाना के तत्वावधान में जारी कुमावत प्रीमियर लीग 2022-23 में गुरुवार को खेले गये टुर्नामेंट में भाग लेते हुए कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष नारायणलाल घोडावड, विशेष अतिथिगण प्रकाश अलोदिया, महेंद्र मोचीवाल, कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, मनीष अलोदिया, राकेश मावर, हरीश हिन्दड, सुरेश बोडावड, थानाराम हिन्दड, उमेश बाकरेचा, कमलेश मालिया, राकेश खिराटीया एवं अन्य।

# प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

## राम मंदिर तैयार ...

350 मजदूर और कारीगर दिन-रात मंदिर निर्माण काम में जुटे :

श्रीराम जन्मभूमि के ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि मंदिर निर्माण का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। फिलहाल जन्मभूमि पर 350 मजदूर और कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं। इसके साथ ही करीब एक हजार मजदूर और कारीगर राजस्थान में भरतपुर जिले के वंशी पहाड़पुर में काम कर रहे हैं। यहां वो मंदिर में इस्तेमाल होने वाले पत्थरों को तराशने का काम कर रहे हैं। यहीं से पिंक स्टोन मंदिर के लिए लाए जा रहे हैं।

## हाईकोर्ट में जज ...

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय एस ओका की पीठ ने कहा, संविधान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो शीर्ष अदालत में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने से रोकता है। याचिकाकर्ता वकील अशोक पांडे ने कहा, संविधान के अनुच्छेद-217 के अनुसार, एक व्यक्ति जो राज्य बार काउंसिल में पंजीकृत है और बाद में सुप्रीम कोर्ट में वकालत के लिए शिफ्ट होता है तो वह उस अदालत के जज के रूप में नियुक्त होने के अयोग्य है। संविधान का अनुच्छेद-217 हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति और उनके कार्यालय की शर्तों से संबंधित है। पीठ ने कहा, आपकी याचिका में कोई मेरिट नहीं है। आप पर न्यायिक समय की बर्बादी करने के लिए 50 हजार जुर्माना लगाया जाता है। यह जुर्माना चार सप्ताह के भीतर सुप्रीम कोर्ट मध्यस्थता एवम सुलह परियोजना समिति में जमा कराना होगा।

## जल संरक्षण के ...

**जियो मैपिंग और जियो सेंसिंग जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही :**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जियो मैपिंग और जियो सेंसिंग जैसी तकनीक जल संरक्षण के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने इसमें अच्छा काम किया है और कई राज्य इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जल संरक्षण के लिए केंद्र ने अटल भू-जल संरक्षण योजना की शुरूआत की है।

**इस बजट में सर्कुलर इकोनॉमी पर काफी जोर दिया है :**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार ने इस बजट में सर्कुलर इकोनॉमी पर काफी जोर दिया है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी सर्कुलर इकोनॉमी की बड़ी भूमिका है। जब ट्रीटेड जल को पुन: उपयोग किया जाता है, ताजा जल को संरक्षण किया जाता है तो उससे पूरे इकोसिस्टम को बहुत लाभ होता है।

**शहरीकरण की रफ्तार के मद्देनजर जल संरक्षण पर गंभीरता से सोचना होगा :**

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और जब शहरीकरण की रफ्तार ऐसी हो तो हमें पानी के विषय में पूरी गंभीरता से सोचना चाहिए। इंडस्ट्री और खेती दो ऐसे सेक्टर्स हैं, जिसमें पानी की आवश्यकता अधिक होती है। इन दोनों सेक्टर्स को मिल कर जल संरक्षण अभियान चलाना चाहिए और लोगों को जागरूक करना चाहिए।

**'स्वच्छ भारत अभियान' से मिला फायदा :**

'स्वच्छ भारत अभियान' से जब लोग जुड़े तब जनता में भी चेतना और जागरूकता आई। सरकार ने संसाधान जुटाए, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और शौचालय जैसे अनेक कार्य किए। लेकिन अभियान की सफलता तब सुनिश्चित हुई जब जनता ने सोचा कि गंदगी नहीं फैलानी है। जनता में यही सोच जल संरक्षण के लिए भी जगानी होगी।

बुधवार को केबीआर पार्क में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा, विट्ठलदास बड़गांव, राजेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, सुरेंद्र अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, ओम प्रकाश, राजू, विजयकुमार व अन्य।

# आईपीएल फ्रेंचाइजी डब्ल्यूआईपीएल में खरीदेंगी टीमें

## सीएसके, आरआर, डीसी, केकेआर और पीके जैसी फ्रेंचाइजी ने दिखाई रुचि

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की अधिकांश फ्रेंचाइजी विमेंस प्रीमियर लीग की टीमों को खरीदने में रुचि दिखा रही हैं। डब्ल्यूआईपीएल का पहला सीजन इस साल आईपीएल से पहले खेला जा रहा है।

बीसीसीआई महिला आईपीएल की टीमों को बेचने के लिए मंगलवार को टेंडर निकाल चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स ने बीसीसीआई में टीमें खरीदने में रुचि दिखाई है।

मार्च से शुरू होगा डब्ल्यूआईपीएल

महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग मार्च 2023 में आयोजित होगी। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है। पांच खिलाड़ी से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

### दुनियाभर की विमेंस टी-20 लीग

| लीग | टीमें | पिछला चैंपियन |
|---|---|---|
| विमेंस बिग बैश | 8 | एडिलेड स्ट्राइकर्स |
| द हंड्रेड विमेंस | 8 | ओवल इन्विंसिबल |
| विमेंस टी-20 चैलेंज | 3 | सुपरनोवाज |

आईपीएल फ्रेंचाइजीज ने साउथ अफ्रीकी लीग में भी खरीदी हैं टीमें

साउथ अफ्रीका में इस साल शुरू होने वाले टी-20 लीग के सभी 6 टीमों को आईपीएल फ्रेंचाइजियों के मालिक ने खरीदे हैं। मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपरजायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स ने टीम खरीदी है।

कारवां फॉर्मेट में होंगे मैच

विमेंस आईपीएल कारवां फॉर्मेट में हो सकता है। कारवां फॉर्मेट यानी एक ही शहर में वहां होने वाले सारे मैच खेले जाएंगे। फिर वहां से दूसरे शहर के लिए सारी टीमें रवाना होंगी। कोविड के दौरान 2021 में इसी तरह से आईपीएल हुआ था। जब आईपीएल टीमें यूएई गई थी। टूर्नामेंट के सारे मैच 2 वेन्यू पर होंगे। पहला हाफ एक जगह और दूसरा हाफ दूसरे वेन्यू पर खेला जाएगा।

# सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया 475/4

## स्टीव स्मिथ ने डोनाल्ड ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा; ओपनर ख्वाजा दोहरे शतक से 5 रन दूर

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका पर पूरी तरह हावी हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट पर 475 रन बना लिए हैं। टीम के उस्मान ख्वाजा 195 और मैट रेन्शॉ 5 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनसे पहले स्टीवन स्मिथ ने अपना 30वां टेस्ट शतक पूरा किया। साउथ अफ्रीका के लिए एनरिक नॉर्त्या को सबसे ज्यादा 2 विकेट मिले।

तीसरे दिन का खेल सिडनी में भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजे से शुरू होगा। 3 मैचों की सीरीज के शुरुआती 2 मैच जीतकर ऑस्ट्रेलिया 2-0 से आगे हैं। तीसरा मैच जीतना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से साउथ अफ्रीका के लिए बहुत अहम है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच को ड्रॉ कराकर भी खुश रहेगी।

**दोहरे शतक से 5 रन दूर ख्वाजा**

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पक 147 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। स्टीव स्मिथ ने शतक जड़ा। ओपनर उस्मान ख्वाजा ने अपना 12वां टेस्ट शतक बनाय।, लेकिन वह अपनी पारी को दोहरे शतक की ओर ले जाते नजर आ रहे हैं। 368 बॉल पर 195 रन की पारी में उन्होंने 19 चौके और एक छक्का जड़ा। यह उनका टेस्ट करियर में बेस्ट स्कोर है। इससे पहले नवंबर 2015 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 174 रन की पारी खेली थी।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। बारिश और खराब रोशनी के कारण 47 ओवर का ही खेल हो सका। ख्वाजा और स्मिथ दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद थे।

**स्मिथ ने ब्रेडमैन को पीछे छोड़ा**

ऑस्ट्रेलिया के स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का 30वां शतक जड़ा। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डोनाल्ड ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया। ब्रैडमैन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 52 टेस्ट में 29 शतक जड़े थे। स्मिथ का यह 92वें टेस्ट में 192 बॉल पर 104 रन बनाए। उन्होंने मैथ्यू हेडन के 30 शतकों की बराबरी की। स्मिथ से ज्यादा शतक ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव वॉ (32) और रिकी पोंटिंग (41) ने बनाए हैं।

**लाबुशेन-हेड के अर्धशतक**

ऑस्ट्रेलिया के स्मिथ और ख्वाजा के अलावा नंबर-1 टेस्ट बैटर मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड ने अर्धशतक जड़े। लाबुशेन 151 बॉल में 79 और हेड 59 बॉल में 70 रन बनाकर आउट हुए। ओपनर डेविड वॉर्नर पहले दिन 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे।

साउथ अफ्रीका की टीम तीसरे टेस्ट में 131 ओवर गेंदबाजी कर चुकी है। लेकिन, उसके लिए नॉर्त्ये ही 2 विकेट ले सके। कगिसो रबाडा और केशव महाराज को भी एक-एक विकेट ही मिला।

# एशिया कप में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान मुकाबला

## एसीसी ने जारी किया कैलेंडर, सितंबर में होगा वनडे टूर्नामेंट

खेल डेस्क, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान आमने- सामने होंगे। गुरुवार को एशिया क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने एशियाई क्रिकेट का 2 साल के रोड मैप जारी किया। एशिया कप अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले सितंबर में खेला जाएगा। वनडे वर्ल्ड कप भारत में खेला जाना है। टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेल जाएगा।

टूर्नामेंट भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। इसके अलावा भारत-पाक महिला टी-20 एमर्जिंग एशिया कप, मेंस एमर्जिंग 50 ओवर एशिया कप और मेंस अंडर-19 एशिया कप में भी आमने-सामने होंगे।

एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई थी। पर कुछ दिन पहले एशिया क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने यह घोषणा की थी, कि एशिया कप पाकिस्तान के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर किया जाएगा। उस समय पीसीबी के अध्यक्ष रहे रमीज राजा ने इसका विरोध किया था और उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। हालांकि, अब वे अध्यक्ष नहीं है। वहीं एशिया क्रिकेट काउंसिल ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि टूर्नामेंट कहां पर खेला जाएगा। वनडे एशिया कप में कुल 6 टीमें भाग लेंगी। एक ग्रुप में भारत, पाकिस्तान और क्वलिफायर -1 हैं। वहीं दूसरे ग्रुप में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं। लीग स्टेज में कुल 6 मैच होंगे। लीग स्टेज से एक ग्रुप से दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। फिर राउंड रॉबिन फॉर्मेट में सुपर-4 होगा। इस दौरान 4 टीमों के बीच कुल 6 मैच होंगे। फिर फाइनल होगा। टूर्नामेंट में कुल 13 मैच होंगे। पिछले साल एशिया कप अगस्त में यूएई में खेला गया था। हालांकि, इसकी मेजबानी श्रीलंका को सौंपी गई थी। श्रीलंका में आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से इसे यूएई शिफ्ट कर दिया गया था। एशिया कप पिछले साल टी-20 फॉर्मेट में खेला गया था। श्रीलंका ने फाइनल में पाकिस्तान हराकर श्रीलंका चैंपियन बना था। टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में दोनों मैच जीतकर सुपर-4 में पहुंची थी, लेकिन पाकिस्तान और श्रीलंका से हारकर बाहर हो गई थी।

# ईशान, हुड्डा और पंड्या को शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

## टी-20 आईसीसी रैंकिंग में ईशान 10 और दीपक को 40 स्थान का फायदा

दुबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को 3 टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में खेले गए शानदार पारी का इनाम ईशान किशन और दीपक हुड्डा को मिला है। गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से T20I की जारी वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार हुई है। ओपनर ईशान किशन को 10 स्थानों का फायदा हुआ है। वहीं दीपक हुड्डा 40 पायदान ऊपर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी बॉलरों की रैंकिंग में 9 स्थान का फायदा हुआ है। मुंबई में खेले गए पहले मुकाबले में ईशान किशन ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दी। उन्होंने 29 गेंदों पर 37 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के भी जड़े। इस पारी की बदौलत वह अपनी वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार करने में सफल हुए हैं। वे 33वें से 10 स्थान की छलांग लगाकर 23वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

वहीं प्लेयर ऑफ द मैच रहे दीपक हुड्डा को 40 स्थान का फायदा हुआ है। वह 97वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंन पहले मुकाबले में 23 गेंदों पर नाबाद 41 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा, हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार हुआ है। उन्हें 9 स्थान का फायदा हुआ है। वे 76वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

# अफ्रीका टी-20 लीग के मालिकों, बीसीसीआई के बीच टकराव

## दक्षिण अफ्रीकी लीग के लोगो हूबहू आईपीएल टीम जैसे

खेल डेस्क, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका टी-20 लीग के टीम मालिकों और बीसीसीआई के बीच टकराव की स्थिति बन रही है। द. अफ्रीकी लीग (एसए20) की सभी 6 टीमों के मालिक वही हैं, जो आईपीएल की टीमों के मालिक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारी द. अफ्रीकी टी20 लीग की टीमों के लोगो देखकर हैरान हैं। अधिकारियों का कहना है कि अफ्रीकी टीमों के लोगो हूबहू आईपीएल टीमों के लोगो के समान हैं। अधिकारी ने कहा, 'हम काफी हैरान हैं और इस पूरे मामले को क्रिकेट द. अफ्रीका और आईपीएल टीमों के सामने उठाएंगे।'

**यूएई लीग के रिकॉर्ड टी20 में नहीं जुड़ेंगें**

यूएई में 13 जनवरी से शुरू होने वाली नई टी20 लीग को आईसीसी ने लिस्ट ए का दर्जा नहीं दिया है। आईसीसी ने पुष्टि की है कि इस इंटरनेशनल लीग टी20 के रिकॉर्ड टी20 में नहीं जोड़े जाएंगे। आईसीसी ने इसकी वजह बताई हुए कहा है कि यूएई पूर्ण सदस्य देश नहीं है। नियम के अनुसार, जो देश पूर्ण सदस्य नहीं है, उनके यहां होने वाली टी20 लीग को लिस्ट ए में शामिल नहीं किया जाता। इन लीग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रिकॉर्ड को औपचारिक टी20 रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया जाएगा। इस बीच, लीग की टीम शारजाह वॉरियर्स ने ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के साथ करार किया है। 33 साल के स्टोइनिस फिलहाल बिग बैश में मेलबर्न स्टार्स से खेल रहे हैं।

# अंडर -19 महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा महिला ऑफिशियल्स

## आईसीसी ने जारी की अंपायर-मैच रेफरी की लिस्ट, 15 में से 9 ऑफिशियल्स महिलाएं

खेल डेस्क, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2023 के ग्रुप मैच और प्रैक्टिस मैच के लिए 15 मैच ऑफिशियल्स का ऐलान किया। इसमें मैच रेफरी और अंपायर शामिल है। 15 में से 9 ऑफिशियल्स महिलाएं है। ये अब तक किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में महिला मैच ऑफिशियल्स की सबसे ज्यादा संख्या है। टूर्नामेंट में बारह अंपायर और तीन मैच रेफरी अंपायरिंग करेंगे। टूर्नामेंट 14 से 29 जनवरी के बीच साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा।

**श्रीलंका की वैनेसा डी सिल्वा करेंगी पैनल का नेतृत्व**

श्रीलंका की पूर्व महिला टीम कप्तान वैनेसा डी सिल्वा मैच रेफरी के अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल का नेतृत्व करेंगी। बांग्लादेश की पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नीयामुर राशिद और जिम्बाब्वे के ओवेन चिरोम्बे उनका साथ देंगे।

**आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के 12 अंपायर**

टूर्नामेंट में आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के 4 सदस्य अंपायरिंग करेंगे। इसमें वेन नाइट्स, अहमद पख्तीन, वीरेंद्र शर्मा और शाहिद सैकत शामिल है। आईसीसी के डेवलपमेंट अंपायर भी अलग-अलग मैचों में अंपायरिंग करेंगे।

इसमें श्रीलंका की पूर्व महिला बल्लेबाज डेडुनु डी सिल्वा, केरिन क्लास्ट, मारिया एबॉट, सारा बार्टलेट, जैस्मीन नईम, लिसा मैककेबे, सारा डेम्बनेवाना और कैंडेस ला बोर्डे शामिल हैं।सेमीफइनल-फाइनल के लिए आईसीसी ग्रुप स्टेज के बाद अंपायरों का चयन करेगा।

आईसीसी अंडर 19 महिला T20 वर्ल्ड कप के लिए मैच ऑफिशियल्स

मैच रेफरीः वैनेसा डी सिल्वा, नीयमुर राहुल, ओवेन चिरोम्बे।

अंपायरः सारा बार्टलेट, जैस्मीन नईम, लिसा मैककेबे, केरिन क्लास्ते, मारिया एबॉट, सारा डेम्बनेवाना, डेडुनु डी सिल्वा, कैंडेस ला बोर्डे, वेन नाइट्स, अहमद पक्तीन, वीरेंद्र शर्मा और शाहिद सैकत।

**पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी 16 टीमें**

इसमें 16 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम को मेजबान देश साउथ अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप से टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी।

सुपर सिक्स में टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल 27 जनवरी को एक ही ग्राउंड पर खेला जाएगा। उसके बाद 29 जनवरी को फाइनल खेला जाएगा।

**वर्ल्ड कप के लिए इंडिया की अंडर-19 टीम**

शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्लें गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर) , सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी।

स्टैंडबाय खिलाड़ीः शिखा, नजला सीएमसी, यशश्री।

# सिडनी स्टेडियम में लगी बेलिंडा क्लार्क की प्रतिमा

## डबल सेंचुरी बनाने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर हैं, 2 वर्ल्ड कप जीते

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम की पूर्व कैप्टन बेलिंडा क्लार्क सिडनी क्रिकेट स्टेडियम में लगी अपनी कांस्य की मूर्ति के साथ।

सिडनी क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क की प्रतिमा लगाई गई है। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया है। वह दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं, जिनकी प्रतिमा स्टेडियम में स्थापित की गई है।

साल 2021 में 73 क्रिकेटरों की मूर्ति स्थापित लगाने की घोषणा की गई थी। तब खिलाड़ियों के नाम सामने नहीं आए थे। बेलिंडा 15वीं क्रिकेटर हैं, जिनकी सिडनी क्रिकेट ग्राउंड प्रतिमा परियोजना के तहत मूर्ति लगाई गई है। उनकी मूर्ति ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध मूर्तिकार कैथी वीजमैन ने बनाई है। बेलिंडा क्लार्क ऑस्ट्रेलिया की तीसरी महिला खिलाड़ी भी हैं, जिनकी मूर्ति लगाई है।

बेलिंडा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से बातचीत में कहा, 'मैं अपनी प्रतिमा लगाए जाने से उत्साहित हूं। इसे जब लोग देखेंगे तो मुझे याद करेंगे और लोग जानेंगे कि मैं कौन हूं और मेरे यहां की सफर की कहानी क्या है। उन्हें मेरे यहां तक के सफर में आई चुनौतियों और संघर्षों के बारे में पता चलेगा और वह प्रेरित होंगे कि कैसे चुनौतियों और रास्ते में बाधाओं और रूढ़िवादी परंपरा को तोड़ते हुए अपने लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मैं चाहती हूं कि लोग अपने आस-पास के अच्छे लोगों से सीखें कि कैसे अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। मैं खेल को लेकर मिले इस सम्मान से खुश हूं।'

सचिन तेंदुलकर से पहले भी वनडे में लगाया था दोहरा शतक

वनडे वर्ल्ड कप में सबसे पहले दोहरा शतक बेलिंडा क्लार्क के नाम है। बेलिंडा क्लार्क ने सचिन से भी पहले 1997 में यह कारनामा किया था। तेंदुलकर ने 13 साल बाद 2010 में ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में 147 गेंदों पर 200 रन पूरे किए थे।

1997 महिला वर्ल्ड कप के दौरान बेलिंडा ने डेनमार्क के खिलाफ खेले गए मैच में 55 गेंदों में 229 रनों की पारी खेली थी। बेलिंडा की उस पारी के बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में 412 रन बनाए थे। उस मैच में डेनमार्क की टीम सिर्फ 49 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

दाएं हाथ की बल्लेबाज बेलिंडा ने 1991 में क्रिकेट में डेब्यू किया था। 23 साल की उम्र में वह ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनीं। वह 12 साल तक कप्तान रहीं।

# मुख्यमंत्री बघेल से मिले पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन

## छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के बुनियादी ढांचा विकास पर बातचीत, मुख्यमंत्री ने साझा की पुरानी यादें

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की है। इस दौरान प्रदेश में क्रिकेट को बढ़ावा देने के प्रयासों पर बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने अजहरुद्दीन के समय के क्रिकेट से जुड़ी यादें भी ताजा की। अजहरुद्दीन रायपुर प्रवास पर आये हुए हैं।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया, 21 जनवरी को नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम के बीच वनडे मैच खेला जाना है। अजहरुद्दीन ने इस आयोजन की मेजबानी मिलने के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मुख्यमंत्री को दादा बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मोहम्मद अजहरुद्दीन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1990 से 1999 तक टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। 2009 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। मुरादाबाद से सांसद भी चुने गए।

छत्तीसगढ़ पहली बार अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मैच के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है। रायपुर को भारत-न्यूजीलैंड की वनडे सीरीज के एक मैच की मेजबानी मिली है। यह मैच 21 जनवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाना है। इसे छत्तीसगढ़ की क्रिकेट संभावनाओं को लेकर बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम अगले साल भारत दौरे पर आ रही है। इस दौरे में तीन वन डे और तीन टी-20 मैच खेले जाने हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड-BCCI की दौरा एवं कार्यक्रम निर्धारण समिति की बैठक मंगलवार को हुई। इसमें न्यूजीलैंड दौरे को अंतिम रूप दिया गया। सिरीज के कार्यक्रम की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को बता दिया गया है कि इस बार एक मैच रायपुर में खेला जाना है। बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि न्यूजीलैंड सीरीज का पहला वनडे 18 जनवरी को हैदराबाद में खेला जाएगा। दूसरा मैच 21 जनवरी को रायपुर में होगा। इस सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच 24 जनवरी को इंदौर में होना है। वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ने 2013 में आईपीएल के दो मैच की मेजबानी की थी। 2014 में यहां टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी के मैच हुए।

2015 में दूसरी बार आईपीएल खेला गया। 2016 से लगातार रणजी ट्रॉफी के मैच, सैय्यद मुस्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के मैच खेले जाते रहे हैं। पिछले दो साल से यहां रोड सेफ्टी क्रिकेट सीरीज के मैच भी आयोजित हो रहे हैं।

रायपुर में पहली बार इंडियन क्रिकेट टीम मैच खेलते नजर आएगी। विराट कोहली छक्के लगाएंगे और रोहित शर्मा चौका। राजधानी के वीर नारायण सिंह स्टेडियम को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तैयार किया जा रहा है।

# सरकारी स्कूलों को कॉरपोरेट स्कूलों के समकक्ष बनाने का प्रयास : तलसानी

## मंत्री ने 'मना बस्ती मना बड़ी' कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश के पशुसंवर्धन, मत्स्य एवं डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को सुखद वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने 'मना बस्ती मना बड़ी' यानी मेरा गांव-मेरा स्कूल कार्यक्रम की शुरुआत की है।

'मना बस्ती मना बाड़ी' कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक गुरुवार को मसाब टैंक स्थित पशुपालन निदेशक के कार्यालय में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में विद्यालयों में किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अलावा मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के विचारों के अनुरूप 'मना बस्ती मना बड़ी' कार्यक्रम में फर्नीचर, पीने के पानी की सुविधा, बिजली, शौचालय, कक्षाओं जैसी सुविधाएं, स्कूल भवनों की मरम्मत व अन्य विकास कार्यों को हाथ में लेने की योजना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत राज्य भर में 26,065 स्कूल हैं और पहले चरण में 9,123 स्कूलों का चयन कर काम शुरू कर दिया गया है। इसी तरह, कुल 690 स्कूलों में से हैदराबाद जिले के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 499 प्राथमिक विद्यालय, 9 उच्च प्राथमिक विद्यालय और 182 उच्च विद्यालयों का चयन किया गया है।

मंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विकास कार्यों की और तेजी से निगरानी करने के निर्देश दिए। उप डीईओ को निर्देश दिया गया है कि वे सप्ताह में चार दिन अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले विद्यालयों के कार्यों का निरीक्षण व निगरानी करें तथा वहां विद्यार्थियों की समस्याओं व समस्याओं का पता कर उसका निराकरण करने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शौचालय, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालयों में होने वाले विकास कार्यों को संबंधित विधायकों के ध्यान में लाया जाए। अधिकारियों को इस माह की 11 तारीख को बैठक में छात्रों की संख्या, कक्षाओं की संख्या और किए जाने वाले विकास कार्यों की पूरी जानकारी लेकर आने का आदेश दिया गया है। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों को कॉरपोरेट स्कूलों के समकक्ष बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने स्कूलों की समस्याओं की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने सरकारी स्कूलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इसमें मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता, शिक्षा निदेशक देवसेना, एमएलसी सुरभि वाणीदेवी, विधायक दानम नागेंद्र, कालेरू वेंकटेश, विधायक सायन्ना, कौसर मोहिनुद्दीन, मौजम खान, टीएसईडब्ल्यूआईडीसी के अध्यक्ष रावुला श्रीधर रेड्डी, हैदराबाद जिला शिक्षा अधिकारी रोहिणी, डिप्टी डीईओ मौजूद थे। बैठक में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

## केंद्र ने एससीबी, जीएचएमसी विलय पर समिति का गठन किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने गुरुवार को सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) का ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के साथ विलय के प्रस्ताव पर आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक पत्र में, केंद्र ने कहा कि समिति छांटने के लिए प्रस्तावित तौर-तरीकों के विवरण पर भूमि और अचल संपत्ति, छावनी बोर्ड के कर्मचारी या पेंशनभोगी, छावनी निधि, नागरिक सेवाएं, चल संपत्ति और स्टोर, सड़क प्रबंधन और यातायात, रिकॉर्ड आदि पर गौर करेगी। केंद्र सरकार ने समिति को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

# अपराधियों और ड्रग तस्करों पर ध्यान केन्द्रित करें अधिकारी : चौहान

## सीपी ने मल्काजगिरी जोन के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी डी.एस. चौहान ने मल्काजगिरी जोन के पुलिस अधिकारियों के साथ राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय, नेरेडमेट में समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में डीसीपी मल्काजगिरी, एसीपी और सर्कल इंस्पेक्टरों के साथ बातचीत के दौरान, सीपी ने अधिकारियों को जिम्मेदारियों का पालन करने, अपराध दर को नियंत्रण में रखने, ड्रग्स से संबंधित मामलों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू करने का निर्देश दिया। सीपी ने सामुदायिक सीसीटीवी कैमरों के महत्व का हवाला दिया। अपराध को रोकने और अभियुक्तों को पकड़ने में इनकी अहम भूमिका होती है। सीपी ने कहा कि युवाओं को समाज में सभी सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने से दूर रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को बढ़ते साइबर अपराधों के बारे में जनता को जागरूक करने में मदद करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को नागरिकों के बीच साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता लाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने का भी निर्देश दिया।

# हैदराबाद मेट्रो रेल कर्मचारियों ने हड़ताल वापस ली

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल)के लगभग 150 अनुबंध कर्मचारी जो गुरुवार को हड़ताल पर थे, प्रबंधन द्वारा अगले कुछ दिनों में चर्चा का आश्वासन देने के बाद काम पर लौटने के लिए तैयार हो गए। कर्मचारियों के अनुसार, जो रेड लाइन पर टिकटिंग और कैश मैनेजमेंट ऑफिसर के रूप में काम करते हैं, वे कथित तौर पर पिछले पांच वर्षों से एक बार भी वेतन वृद्धि प्राप्त किए बिना 11,000 रुपये के मासिक वेतन पर काम कर रहे हैं। कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी ड्यूटी का बहिष्कार किया और तत्काल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर अमीरपेट मेट्रो स्टेशन के बाहर धरने पर बैठ गए। उनकी मांगों में 15,000 रुपये से 18,000 रुपये का न्यूनतम मासिक वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, रात की पाली में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए मेट्रो द्वारा मुफ्त यात्रा की सुविधा और नियमित साप्ताहिक अवकाश के अलावा कम से कम 20 निर्दिष्ट अवकाश शामिल हैं।

इस बीच, प्रदर्शनकारियों के दावों को खारिज करते हुए, एचएमआरएल प्रबंधन ने पहले एक बयान जारी कर कहा था कि संविदा कर्मचारी निहित स्वार्थ के लिए अफवाह और गलत सूचना फैला रहे हैं और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उनके दावे झूठे हैं और उनके कार्य सार्वजनिक हित के खिलाफ हैं, जो एचएमआर प्रबंधन द्वारा कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को उचित सुविधाएं और लाभ दिए जाएं, हालांकि, अधिक जानने के लिए उनके साथ चर्चा की जाएगी।

## छात्राओं ने अश्लील तस्वीरें शेयर किये जाने के खिलाफ किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में बी.टेक की पढ़ाई कर रही छात्राओं की तस्वीरों से छेड़छाड़ की गई और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, कुछ बदमाशों ने छात्राओं के व्हाट्सएप की डीपी डाउनलोड की। इसके बाद तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें सोशल मीडिया या व्हाट्सएप ग्रुपों पर साझा कर दिया। इसके बाद बताया जाता है कि छात्राओं को धमकी भरे फोन भी आए। छात्राओं ने बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कॉलेज परिसर में धरना दिया।

# टीएसआरटीसी को मजबूत करने का लक्ष्य : अजय कुमार

## परिवहन मंत्री ने नई सुपर लग्जरी बसों का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में आरटीसी को मजबूत करने के साथ-साथ उन्नत सुविधाओं के साथ परिवहन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए उचित उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में बड़े पैमाने पर दौरा किया और कई विकास कार्यों की शुरुआत की। पालवंचा नगर पालिका में 41 लाख रुपये की लागत से आरटीसी बस स्टैंड की मरम्मत और नए शौचालयों के निर्माण का शिलान्यास किया गया। बाद में पलवांचा में नई सुपर लग्जरी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए मंत्री ने कहा कि टीएसआरटीसी ने कई लहरों का सामना किया है और वे समस्याओं को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी सुरक्षित यात्रा का प्रमाण है और यात्रियों को न केवल उनके गंतव्य तक उन्नत सुविधाओं वाली बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम नई तकनीक लाकर यात्रियों को उन्नत सुविधाओं के साथ बेहतर सेवाएं दे रहे हैं। बताया जाता है कि संगठन यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के साथ-साथ विकास की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है।

## ड्यूटी में लापरवाही के लिए केजीबीवी अधिकारी निलंबित

मंचेरियल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेन्नल मंडल केंद्र में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के साथ काम करने वाले एक विशेष अधिकारी को कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के लिए निलंबित कर दिया गया। इस आशय का आदेश डीईओ एस वेंकटेश्वरलू ने गुरुवार को जारी किया। आदेश के अनुसार शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू का पालन नहीं करने पर विशेष अधिकारी ई. अमूल्य को निलंबित कर दिया गया है. विभाग के सुझाव के अनुसार वह नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना उपलब्ध कराने में लापरवाही दिखा रही थी। चावल में कीड़े और पत्थर मिले और छात्रों को नाश्ता और फल नहीं दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेष अधिकारी पर कई आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से लिखित शिकायत की। नेनल मंडल शिक्षा अधिकारी ने आरोपों की जांच कर रिपोर्ट सौंपी। इसी के तहत कार्रवाई की गई।

# कामारेड्डी में किसानों का धरना, स्थिति हिंसक

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में एक किसान की दो एकड़ जमीन जब्त किए जाने की चिंता के एक दिन बाद, तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के अदलूर येल्लारेड्डी गांव में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस ने दिवंगत किसान की पत्नी व अन्य को बुधवार को मृतक का शव ले जाने के दौरान कामारेड्डी नगरपालिका भवन के सामने धरना देने से रोक दिया। बाद में उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कामारेड्डी बस टर्मिनस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। नए मास्टरप्लान अवधारणा को वापस लेने की मांग को लेकर आसपास के आठ गांवों के किसानों ने गुरुवार को समाहरणालय का घेराव किया।

कलेक्ट्रेट पर, प्रदर्शनकारियों को बैरियर पर चढ़ने से रोकने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ा। प्रदर्शनकारी किसानों ने दावा किया कि परियोजना उन्हें खेती योग्य भूमि और उनके निर्वाह के साधन से वंचित कर देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार इंडस्ट्रियल जोन के लिए 1,200 एकड़ जमीन नियमानुसार लेना चाहती है। इसी को लेकर किसानों ने प्रदर्शन करना जारी रखा। भाजपा विधायक रघुनंदन राव और अन्य विपक्षी दल के सदस्य उनके विरोध में एकजुटता दिखाने के लिए गांव पहुंचे। घायल हुए एक किसान को इलाज के लिए बीजेपी विधायक रघुनंदन राव अपने साथ भी ले गए।

### कामारेड्डी शहरी मास्टर प्लान

## अधिकारियों के रवैये पर केटीआर ने जताई नाराजगी

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने कामारेड्डी जिले के अधिकारियों पर नाखुशी व्यक्त की, जो प्रस्तावित शहरी मास्टर प्लान पर किसानों को समझाने में विफल रहे हैं।

कामारेड्डी जिला कलेक्ट्रेट में किसानों के आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि मास्टर प्लान अभी भी मसौदा तैयार करने के चरण में है और इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। गुरुवार को यहां पट्टना प्रगति पर एक कार्यशाला में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रस्तावित परियोजना पर कोई एकतरफा निर्णय नहीं लेगी और मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने से पहले सभी मांगों पर विचार करेगी।

कार्यशाला के दौरान, उन्होंने कामारेड्डी नगर आयुक्त से पूछा कि अधिकारी इस विषय पर किसानों को समझाने में क्यों विफल हो रहे हैं कि मास्टर प्लान अभी भी मसौदा तैयार करने के चरण में है और जनता की राय के आधार पर बदलाव किए जा सकते हैं।

उन्होंने कामारेड्डी में प्रस्तावित मास्टर प्लान के विरोध में आत्महत्या करने वाले एक किसान की मौत के बारे में भी पूछताछ की और कहा कि राज्य सरकार का किसानों को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। केटीआर ने कहा कि अगर लोगों की कोई मांग है, तो अधिकारियों को उनका स्वागत करना चाहिए और संदेह स्पष्ट करना चाहिए। बीआरएस सरकार लोगों के कल्याण और राज्य के समग्र विकास के लिए काम करती है। यह कभी भी लोगों के हितों के खिलाफ काम नहीं करती है।

# नागरिक केंद्रीय शिकायत निवारण प्रणाली कर रही है बेहतर काम

## जीएचएमसी को प्रतिदिन आ रही है 650 कॉल

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय में स्थापित नागरिक केंद्रीय शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का तुरंत निवारण किया जा रहा है। प्राप्त शिकायतों का समाधान कर आवेदक को बुलाकर संतुष्टि एवं असंतोष पर कॉल सेंटर से फीडबैक लिया जा रहा हैष उनकी संतुष्टि के अनुसार ग्रेड भी तय किया जा रहा है। विभिन्न माध्यमों से लोगों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण एवं व्यक्तिगत सामाजिक मुद्दों पर उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए वे एक बार नहीं बल्कि तीन बार फोन कर समस्या के समाधान पर याचिकाकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक लेते हैं।

जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों की माने तो इस प्रकार की शिकायतों का स्वागत, समाधान और संतुष्टि (फीडबैक) जानने के लिए जीएचएमसी में एक हेल्प लाइन (कंट्रोल रूम) प्रणाली स्थापित की गई है। विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान होने से लोग काफी संतोष व्यक्त कर रहे हैं। ऐसी कई घटनाएँ हैं जहाँ जीएचएमसी हेल्पलाइन को अन्य विभागों से संबंधित समस्याएँ मिलीं लेकिन यह उनसे संबंधित नहीं थी और अन्य विभागों के विभागों को सूचित किया और उन्हें हल करने का काम किया। नियंत्रण कक्ष (हेल्प लाइन) के माध्यम से व्यक्तिगत और सामाजिक मुद्दों पर अपनी शिकायतों के त्वरित समाधान से लोग बहुत संतुष्ट हैं, जिसका उपयोग केंद्रीय शिकायत के रूप में किया जाता है। यह हेल्पलाइन नंबर, ट्विटर, माई जीएचएमसी ऐप, डायल 100 या अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त याचिकाओं को संबोधित करने के उद्देश्य से चौबीसों घंटे काम करता है। नगरपालिका और शहरी विकास मंत्री केटीआर के निर्देशानुसार, आयुक्त जीएचएमसी ने शिकायतों को प्राप्त करने, निगरानी करने और उनका समाधान करने के लिए 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन प्रणाली की स्थापना की है। संबंधित विभागों के संबंध में, कर्मचारी 24 घंटे तीन शिफ्टों में काम करते हैं। शिकायतों को प्राप्त कर प्रथम स्तर पर फील्ड स्तर पर कार्य कर रहे संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु भेजा जाता है तथा समय-समय पर अलर्ट किया जाता है ताकि उनका जल्द से जल्द निराकरण किया जा सके। समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के विंग अधिकारियों ने प्रथम स्तर के फील्ड स्तर पर भी प्रत्येक सर्कल के लिए प्रत्येक विभागीय अधिकारी को जिम्मेदार बनाया है। वे शिकायतें प्राप्त करते हैं और त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई करते हैं और एक रिपोर्ट वापस भेजते हैं। उनके द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर वे आवेदक से बात करते हैं और उसका फीडबैक लेते हैं। यदि आप एक बार फोन का जवाब नहीं देते हैं, तो वे आपको तीन बार कॉल करेंगे। विशेष रूप से, शहर के निवासी जीएचएमसी ऐप या डायल 100 के माध्यम से विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी समस्याओं की रिपोर्ट करने के लिए कार्यालय आने की आवश्यकता के बिना अपनी शिकायतों को हल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। हेल्प लाइन (कंट्रोल रूम) के माध्यम से प्राप्त अनुरोधों की पहचान शॉर्ट टर्म (शर्ट टाइम) और लॉन्ग टर्म (लॉन्ग टर्म) समस्याओं के रूप में की जाती है। ऐसी अपीलें विभाजित की जाती हैं और पूर्ण समाधान के लिए विंग-वार भेजी जाती हैं, जिनका समाधान किया जाता है लेकिन संबंधित विभाग के प्रमुख को नहीं भेजा जाता है। समस्या का त्वरित समाधान करने वाले अधिकारी या कर्मचारियों की सराहना समस्या के समाधान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी का विवरण भी संबंधित विभाग के जिम्मेदार मुखिया को भेजा जाता है। जीएचएमसी मुख्यालय के एकीकृत नियंत्रण कक्ष (हेल्प लाइन) पर प्राप्त शिकायतों को हल करने के बाद, शिकायतकर्ता को बुलाया जाएगा और समाधान की गई समस्या के प्रति संतुष्टि और असंतोष पर उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त की जाएगी। इस क्रम में रोजाना 63 फीसदी यानी औसतन 650 कॉल कलेक्ट हो रही हैं। फीडबैक में भी आवेदक का फोन कनेक्ट रहता है या वे उन्हें तीन बार कॉल कर डिटेल ले लेते हैं। यदि जुड़ा हुआ है, तो समाधान के प्रति संतुष्टि और असंतोष व्यक्त करने वाले विचार दर्ज किए जाते हैं।

असंतुष्ट लोगों को दोबारा बुलाया जाता है और समीक्षा के बाद प्रक्रिया पूरी की जाती है इस पृष्ठभूमि में, वर्ष 2022 में जनवरी से दिसंबर तक 2,41,752 फीडबैक कॉल किए गए। जिसमें से 1,55,259 आवेदकों को फोन कनेक्शन मिला। जिनमें से 1,18,662 लोगों ने संतोष व्यक्त किया। 36,597 याचिकाकर्ताओं ने असंतोष व्यक्त किया। 86,493 लोगों ने फोन का जवाब नहीं दिया।

# महिला ने शराबी पति की हत्या की

## अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने की बात कही

कोत्तागुडेम, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति की कथित तौर पर उसकी पत्नी ने हत्या कर दी, जिसने फिर इसे कोत्तागुडेम शहर की गांधी कॉलोनी में एक दुर्घटना के रूप में चित्रित करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, महिला के. सीता महालक्ष्मी और उनके पति के. श्रीनिवास (50), जो कलेक्ट्रेट में एक अटेंडर हैं, के बीच शराब पीने को लेकर अक्सर झगड़ा हुआ करते थे। 29 दिसंबर को, उसने श्रीनिवास को रसोई में गिरने की बात कहकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद, महालक्ष्मी लापता हो गईं और अपने पति के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुईं। उसके बेटे साई कुमार, जिसे अपने पिता की मृत्यु और उसी समय अपनी मां के लापता होने के बारे में संदेह था, ने चुंचुपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने महालक्ष्मी को ट्रैक किया और मंगलवार की रात कोत्तागुडेम रेलवे स्टेशन से उस समय पकड़ा जब वह ट्रेन में सवार होने वाली थी। पूछताछ के दौरान उसने यह कहते हुए अपराध कबूल किया कि उसे श्रीनिवास परेशान करता था, इसलिए उसकी हत्या कर दी, वह भी अनुकंपा के आधार पर उसकी नौकरी पाने के लिए।

# चंद्रबाबू ने सीएम जगन पर की अहम टिप्पणी

विजयवाड़ा, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की राजनीतिक कार्रवाइयों ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को नाराज कर दिया है। गुरुवार को मीडिया के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है कि सीएम जगन एक साइको की तरह काम करते हैं और आगे आरोप लगाया कि वह कुछ और साइको पैदा करते हैं। अपने बयान का बचाव करते हुए, चंद्रबाबू नायडू ने वाईएस जगन के रवैये और व्यवहार की तुलना आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी के साथ-साथ विधानसभा के अंदर और बाहर की। चंद्रबाबू नायडू ने वे केवल आंध्र प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री के रूप में लौटेंगे। चंद्रबाबू ने अन्य मुख्यमंत्रियों (मुख्यमंत्रियों) का उल्लेख किया जिन्होंने विधानसभा में विपक्ष के नेता के प्रति सम्मान दिखाया। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य और देश में विपक्ष के रूप में सेवा करते हुए उनके द्वारा दिए गए योगदान पर भी प्रकाश डाला है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.